3 राजधानी
गणतंत्र दिवस की झांकियों में भी मन मोहेंगे श्रीराम

6 अभिमत
अयोध्या में नवीन सूर्योदय के निहितार्थ

11 राष्ट्रीय
चीन में भूस्खलन से सात की मौत, 40 लापता

RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 12 अंक 78
नई दिल्ली, मंगलवार, 23 जनवरी, 2024
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

पांच सदी की प्रतीक्षा के बाद अयोध्या लौटे राम

प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान के बाद रामलला की मनमोहक प्रतिमा।

दीपक कुमार झा। अयोध्या

सोमवार को दोपहर 12.29 बजे वह क्षण रोंगटे खड़े कर देने वाला था, जब अयोध्या में नवनिर्मित राम मंदिर परिसर में उपस्थित सभी लोगों के सामने रामलला का ढका हुआ चेहरा प्रकट हुआ। दुनिया भर में लाखों राम भक्तों की निगाहें अभिषेक का सीधा प्रसारण करने वाले टेलीविजन, मोबाइल या अन्य स्क्रीन प्लेटफार्मों पर टिके हुए थे। जैसे ही मंदिर में शंख की ध्वनि 'प्राण प्रतिष्ठा' के उद्घोष के साथ गूंज उठी, वे मंत्रमुग्ध हो गए और प्रतिष्ठा कार्यक्रम का समापन हो गया।

इस अवसर पर विशेष रूप से आमंत्रित गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा सभी अनुष्ठान किए गए। पूरे एक घंटे से अधिक समय तक मोदी को मंत्रों का जाप करते हुए देखा गया, जबकि उन्होंने आध्यात्मिक क्षण के लिए आवश्यक पूजा सामग्री के रूप में अंगवस्त्रम और रुद्राक्ष की माला के साथ पारंपरिक धोती कुर्ता पहना हुआ था। 'प्राण प्रतिष्ठा' समारोह के दौरान सेना के हेलीकॉप्टरों ने नवनिर्मित जन्मभूमि मंदिर पर फूलों की वर्षा की। उत्तर प्रदेश के इस मंदिर शहर के कुछ हिस्सों में लोगों के गायन और नृत्य के साथ जश्न मनाया गया। मोदी, जिन्होंने लगभग दो साल पहले कोविड महामारी के बीच मंदिर की नींव रखी थी, ने गर्भगृह में अभिजीत मुहूर्त 84 सेकंड के दौरान 'प्राण प्रतिष्ठा' के साथ कई अनुष्ठान किए। अंत में पीएम ने 51 इंच की उस मूर्ति के सामने माथा टेका जिसमें बाल राम को दर्शाया गया है। यह समारोह उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत की मौजूदगी में हुआ। बाद में मोदी लगभग 8,000 की भीड़ को संबोधित करने के लिए परिसर में एक अन्य स्थान पर चले गए, जिसमें साधु, राम जन्मभूमि आंदोलन से जुड़े लोग और मनोरंजन, खेल और उद्योग जैसे क्षेत्रों की हस्तियां शामिल थीं। पीएम के जाते ही मंदिर इन आमंत्रित लोगों के लिए खोल दिया गया। सैकड़ों लोग अंदर आ गए, जिससे 'गर्भगृह' के सामने वाले कक्ष में पूरी तरह से अराजकता पैदा हो गई। प्रधानमंत्री ने कुबेर टीला मंदिर का भी दौरा किया, रामायणकालीन जटायु की एक मूर्ति का अनावरण किया और मंदिर बनाने वाले श्रमिकों पर पंखुड़ियों की वर्षा की। एक ट्रस्ट द्वारा निर्मित (शेष पेज 9)

अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान में पूजा-अर्चना करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

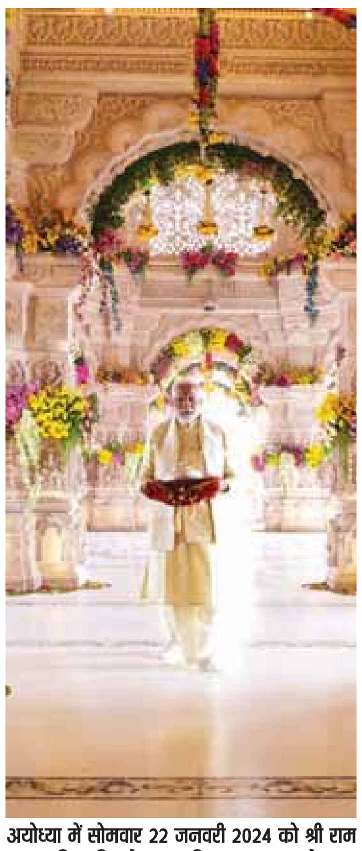

अयोध्या में सोमवार 22 जनवरी 2024 को श्री राम जन्मभूमि मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान में भाग लेने जाते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

पीएम मोदी बोले, नया काल चक्र शुरू हुआ

दीपक कुमार झा। अयोध्या

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को देश के साथ-साथ दुनिया भर में 22 जनवरी के युगों-युगों तक के महत्व को रेखांकित किया, जो भगवान राम के जन्म स्थान अयोध्या में उनकी वापसी के साथ एक नई आभा लेकर आया है। इसे नए 'काल चक्र' की उत्पत्ति के नाम से जाना जाएगा। राम मंदिर के अभिषेक का अनुष्ठान करने के तुरंत बाद, प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि राम जन्मभूमि मंदिर के भूमि पूजन के बाद से पूरे देश में खुशी और उत्सव का माहौल लगातार बढ़ रहा है और विकास कार्यों की प्रगति से नई ऊर्जा का संचार हुआ है, जो नागरिकों को दीवाली मनाने के लिए प्रेरित करता है। सभा को संबोधित करते हुए, जिसमें भारत के हर क्षेत्र के लोग शामिल थे, प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारे राम आखिरकार सदियों के बाद आए हैं।

पीएम मोदी ने इस अवसर पर नागरिकों को बधाई देते हुए कहा कि सदियों के धैर्य, अनगिनत बलिदान, त्याग और तपस्या के बाद, हमारे भगवान राम यहां हैं।' प्रधानमंत्री ने कहा कि गर्भ गृह (आंतरिक गर्भगृह) के अंदर दिव्य चेतना का अनुभव शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता है और उनका शरीर ऊर्जा से स्पंदित है और मन प्राण प्रतिष्ठा के क्षण के लिए समर्पित है। उन्होंने कहा कि हमारे रामलला अब तंबू में नहीं रहेंगे। यह दिव्य मंदिर अब उनका घर होगा। प्रधानमंत्री ने विश्वास और श्रद्धा व्यक्त करते हुए कहा कि आज की घटनाओं को देश और दुनिया भर के राम भक्तों द्वारा अनुभव किया जा सकता है। मोदी ने कहा कि यह क्षण अलौकिक और पवित्र है, वातावरण, पर्यावरण और ऊर्जा हम पर भगवान राम के आशीर्वाद का प्रतीक है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज हमें सदियों के धैर्य की विरासत मिली है, आज हमें श्री राम का मंदिर मिला है। उन्होंने रेखांकित किया कि जो राष्ट्र गुलामी की मानसिकता की बेड़ियां तोड़ता है और अतीत के अनुभवों से प्रेरणा लेता है वही इतिहास लिखता है।

पीएम मोदी ने कहा कि आज की तारीख की चर्चा आज से एक हजार साल बाद की जाएगी और यह भगवान राम का आशीर्वाद है कि हम इस महत्वपूर्ण अवसर के साक्षी हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि दिन, दिशाएं, आकाश और हर चीज आज दिव्यता से भरी हुई है। उन्होंने कहा कि यह कोई सामान्य समय अवधि नहीं है बल्कि समय पर अंकित होने वाला एक अमिट स्मृति पथ है। प्रधानमंत्री ने श्रीराम के हर काम में हनुमान की मौजूदगी की बात कहते हुए हनुमान और हनुमान गढ़ी को नमन किया। उन्होंने लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न और माता जानकी को भी प्रणाम किया। उन्होंने इस घटना पर दिव्य संस्थाओं की उपस्थिति को स्वीकार किया। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने (शेष पेज 9)

समारोह के लिए योगी ने की रामनगरी की किलेबंदी

बिस्वजीत बनर्जी। अयोध्या

रामलला की निर्बाध और सुरक्षित प्राण प्रतिष्ठा का श्रेय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की रणनीतिक दृष्टि को जाता है, जिन्होंने अयोध्या को ऐतिहासिक आयोजन के लिए एक अभेद्य किले में बदल दिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की चौकस निगाहों के तहत आयोजित शहर की सुरक्षा ने सावधानीपूर्वक योजना और निष्पादन का प्रदर्शन किया, जिससे यह कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए योगी की प्रतिबद्धता का प्रमाण बन गया।

एक साहसिक घोषणा में योगी आदित्यनाथ ने उल्लेखनीय परिवर्तन पर जोर देते हुए कहा, 'अयोध्या में पहले गोली चलती थी, पर अब सोलर बोट चलती है,' उनके प्रशासन के तहत कानून और व्यवस्था की स्थिति में आदर्श बदलाव पर प्रकाश डाला गया। मशीनगनों और एके-47 से लैस कमांडो पूरे शहर की निगरानी कर रहे थे, जबकि सीसीटीवी कैमरों और हेलीकॉप्टरों के एक व्यापक नेटवर्क ने निगरानी बढ़ा दी थी। अयोध्या की सीमाओं को सील कर दिया गया, केवल प्राण प्रतिष्ठा के निमंत्रण और आवश्यक पास वाले लोगों को ही प्रवेश की अनुमति दी गई। राम मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम शुरू होते ही कमांडो और सायरन बजाते (शेष पेज 9)

राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

वायु सेना के मोबाइल अस्पताल ने जान बचाई

अयोध्या। अयोध्या में सोमवार को राम मंदिर में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में हार्ट अटैक से पीड़ित भक्त को भारतीय वायुसेना के मोबाइल अस्पताल में समय रहते इलाज देकर बचा लिया गया। रामकृष्ण श्रीवास्तव (65) के मंदिर परिसर में हार्ट अटैक के बाद गिर गए, तब विंग कमांडर मनीष गुप्ता के नेतृत्व में भीष्म क्यूब की एक टीम ने उन्हें बाहर निकाला और समय रहते उनको इलाज उपलब्ध कराकर जान बचा ली।

कोलकाता में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा का जश्न

कोलकाता। अयोध्या में राम मंदिर में प्रतिष्ठा समारोह के उपलक्ष्य में सोमवार को उत्तरी कोलकाता से एक विशाल शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा गणेश टॉकीज के पास बैकुंठ मंदिर से शुरू हुई और यह चितरंजन एवेन्यू पर राम मंदिर पर संपन्न होगी। भगवान राम और देवी दुर्गा की झांकियों और तख्तियों के साथ शोभायात्रा का नेतृत्व पश्चिम बंगाल विधानसभा के विपक्ष के नेता और भाजपा विधायक शुभेंदु अधिकारी और राहुल सिन्हा सहित अन्य नेताओं ने किया।

सात समंदर पार तक रामलला के प्राण प्रतिष्ठा की गूंज

स्वर्ण कुमार आनंद। नई दिल्ली

अयोध्या में राम लला के प्राण प्रतिष्ठा के ऐतिहासिक उत्सव की गूंज पूरे देश के साथ सात समंदर पार तक सुनाई दे रही है। इस भव्य व दिव्य आभा की चमक को पूरे वैश्विक परिदृश्य में देखा गया।

जिसमें संयुक्त राज्य अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम, फ्रांस, डेनमार्क, न्यूजीलैंड, मैक्सिको, मॉरीशस, फिजी जैसे देशों और भारत के उत्तरी और दक्षिणी पड़ोस के अन्य देशों ने व्यापक रूप से मान्यता देते हुए इस ऐतिहासिक पल का साक्षी बनने के लिए अपने देश में भी कार्यक्रम का आयोजन किया। अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह को साझा करने के लिए पूरी दुनिया श्रद्धा का सैलाब उमड़ा है जो एक साझा सांस्कृतिक अनुभव का गवाह बना और विविध पृष्ठभूमि और विश्वासों के साथ गूंजता रहा। प्राण प्रतिष्ठा समारोह के शांत और सौहार्दपूर्ण तरीके से संपन्न होने से साफ परिलक्षित होता है कि इस आयोजन को मुसलमानों सहित विभिन्न समुदायों का स्पष्ट समर्थन मिला। इस समारोह ने एकता और साझा सम्मान के साथ

पूरी दुनिया उमड़ा श्रद्धा का सैलाब, भारत के साझा संस्कृतिक की धमक

धार्मिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों में व्यापक समर्थन को रेखांकित किया। यह मौन समर्थन इस समारोह को बिना किसी बाधा व शांतिपूर्ण होने के साथ सामूहिक भागीदारी को स्पष्ट करता है। भारत में प्रचलित समावेशी भावना गंगा जमुनी परंपरा के प्रमाण के रूप में परिलक्षित होता है। इस ऐतिहासिक पल का अधिकांश वैश्विक मीडिया ने कवरेज आम तौर पर निष्पक्ष तरीके से किया। हालाँकि, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा राम मंदिर के उद्घाटन से उत्पन्न होने वाले संभावित तनाव और मुसलमानों के बीच आशंका और चिंता की भावना को विदेशी मीडिया ने कोई तवज्जो नहीं दिया।

पेरिस में, राम मंदिर उद्घाटन के अवसर पर एक अनोखी राम रथ यात्रा निकाली गई। मेक्सिको के क्वेरेटारो में, पहले भगवान राम मंदिर का अयोध्या आयोजन दिवस पर गौरवपूर्ण स्वागत हुआ। श्रद्धालु और भारतीय प्रवासी लाइव-प्रसारित प्रार्थनाओं, कार रैलियों और राम लला के अभिषेक का जश्न मनाने वाले कार्यक्रमों के लिए टाइम्स स्क्वायर, न्यूयॉर्क में एकत्र हुए। टाइम्स स्क्वायर एक केंद्र बिंदु बन गया, जिसे नॉस्डेक के स्क्रीन पर राम मंदिर की छवियों से सजाया गया और 'ओवरसीज़ फ्रेंड्स ऑफ़ राम मंदिर' द्वारा लड्डुओं का वितरण किया गया। ह्यूस्टन और ग्रेटर ह्यूस्टन में भगवान राम की पूजा करते हुए हिंदुओं ने विभिन्न देशों के लोगों को एकजुट करते हुए एक कार्यक्रम का आयोजन किया। लॉस एंजिल्स ने एक भव्य कार रैली का आयोजन किया जिसमें 1,000 लोगों ने भाग लिया और इस रैली में 250 कारों को शामिल किया। अयोध्या मंदिर के उद्घाटन के बाद, अमेरिका की विश्व हिंदू परिषद और कनाडा की विश्व हिंदू परिषद ने 1,000 से अधिक मंदिरों को कवर करने वाली यात्रा की घोषणा की। न्यूजीलैंड में, भारतीय समुदाय के लोगों ने भगवान राम के अयोध्या आगमन के प्रतीक चिह्नों के साथ रैली का नेतृत्व किया। त्रिनिदाद और टोबैगो में, 5,000 लोगों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों में लोकप्रिय राम (शेष पेज 9)

भगवान राम की भक्ति के रंग में रंगा नोएडा-गाजियाबाद

मंदिरों व सोसाइटी में लाइव देखी गई प्राण प्रतिष्ठा, आतिशबाजी के साथ जले लाखों दीपक

पायनियर समाचा सेवा। नोएडा

अयोध्या में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह के चलते नोएडा और ग्रेटर नोएडा भी राम की भक्ति में सराबोर है। जिले में दिवाली जैसा माहौल है। शहर के प्रमुख मंदिरों 100 से अधिक सोसाइटी और सेक्टर में सुबह से ही धार्मिक कार्यक्रम शुरू हो गए। इनका समापन दोपहर बाद भंडारों के बाद हुआ।

शाम को मंगलदीप जलाए गए साथ ही कई सोसाइटी और मंदिरों के आसपास आतिशबाजी भी की गई। प्राण प्रतिष्ठा के बाद नोएडा के सेक्टर-33 स्थित इस्कॉन मंदिर में भव्य भजन कीर्तन का आयोजन किया जा रहा है। यहां हरे राम हरे कृष्ण के भजन गाय जा रहे है। इस मौके पर सैकड़ों की संख्या भक्त मौजूद है। नोएडा के सेक्टर-22 स्थित दुर्गा मंदिर में विधायक पंकज सिंह मौजूद रहे। वहां उन्होंने भजन कीर्तन किए। इस मौके पर महानगर अध्यक्ष मनोज गुप्ता और अन्य कार्यकर्ता भी उनके साथ मौजूद रहे। राम लला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए नोएडा में सुबह से ही सेक्टरों में प्रभातफेरी निकाली गई। अनेक स्थानों पर कलश यात्रा भी निकली गई। मंदिरों में कहीं पर अखंड रामायण पाठ का हो रहा है तो कहीं पर सुंदरकांड। बाजारों में भी राम के गीत बज रहे है। शॉपिंग मॉल भी भक्ति रस में डूबा रहा।

इस्कॉन मंदिर को 5000 दीपक से सजाया गया है। इसके अलावा अन्य मॉल में धार्मिक आयोजन हो रहे है। शहर में विश्व हिंदू परिषद की ओर से रैली का भी आयोजन किया गया, जिसमें सांसद डॉ महेश शर्मा, विधायक पंकज सिंह और महानगर अध्यक्ष मनोज गुप्ता आदि शामिल हुए। रैली में सैकड़ों की संख्या में लोग मौजूद रहे। मंदिरों को लाइटों से सजाया गया है।

नोएडा प्राधिकरण शहर के करीब 22 मंदिर में राम मंदिर के मॉडल से संबंधित फोटो लगावाई गई है। सेक्टर-128 स्थित जेपी विश टाउन सोसाइटी में शाम को एक लाख 25 हजार दिये जलाकर राम लला की प्राण प्रतिष्ठा का उत्सव मनाया गया।

इसके अलावा कथक नृत्य के जरिए रामायण के प्रसंगों का वर्णन किया गया। इसके अलावा ग्रेटर नोएडा की कई सोसाइटी में भव्य आयोजन। इसके ग्रेनो वेस्ट के स्टेलर सोसाइटी में शोभा यात्रा निकाली। इसमें राम, सीता, लक्ष्मण और हनुमान की वेशभूषा में स्थानीय लोग है।

प्राण प्रतिष्ठा के बाद नोएडा में भव्य भजन कीर्तन के साथ-साथ दीये जलाकर यात्रा निकाली गई।

प्राण-प्रतिष्ठा पर हर तरफ उत्सव जैसा माहौल

● मंदिर, दुकान, मकान, दफ्तर, सड़कें और सोसाइटी रंग-बिरंगी लाइटों से सजे

पीएनएस। गाजियाबाद

अयोध्या में श्रीराम मंदिर की प्राण.प्रतिष्ठा हुई तो गाजियाबाद में उत्सव मन रहा है। मंदिर, दुकान, मकान, दफ्तर, सड़कें, सोसाइटी सबकुछ सजे पड़े हैं। रंग-बिरंगी लाइटें हैं, फू ल-माला हैं और जगह.जगह तोरण द्वार बने हैं।

ऐसा लग रहा है, जैसे दो महीने बाद ही फि र से दिवाली आ गई हो। गाजियाबाद के 100 से ज्यादा मंदिरों में धार्मिक आयोजन हो रहे हैं। शहर की ज्यादातर हाइराइज सोसाइटीज में बिग स्क्रीन लगाकर प्राण.प्रतिष्ठा महोत्सव को लाइव दिखाया गया। नगर निगम ने भी शहर में 10 एलईडी स्क्रीनें लगाई थीं, जिन पर ऑनलाइन प्रसारण किया गया। रिवर हाइट्स सोसाइटी में चल रहे अखंड रामायण पाठ का पूर्णाहुति के साथ समापन हुआ।

प्रभु श्री राम की अराधना करतीं मेयर सुनीता दयाल।

इससे पहले एक शोभायात्रा निकाली गई। जिसमें सोसाइटी के सैकड़ों निवासियों ने भाग लिया। जयश्रीराम के नारों से वातावरण गुंजायमान हो उठा। शोभायात्रा में भजन-कीर्तन पर भक्त जमकर झूमे। अखंड रामायण पाठ संपन्न होने के बाद भंडारा किया गया।

अब भजन संध्या होगी, जिसमें मशहूर गायक ज्ञानेंद्र सरधना प्रस्तुति देंगे। सोसाइटी में बड़ी स्क्रीन लगाकर राम मंदिर प्राण.प्रतिष्ठा का लाइव कार्यक्रम दिखाया गया। शाम को 5100 दीये जलाए गए। भाजपा संगठन ने गाजियाबाद के 61 मंदिरों पर एक-एक पदाधिकारी की ड्यूटी लगाई। राज्यमंत्री नरेंद्र कश्यप दूधेश्वर मंदिर में रहे। केंद्रीय मंत्री एवं गाजियाबाद के सांसद जनरल वीके सिंह अयोध्या में मौजूद हैं। राज्यसभा सांसद डॉक्टर अनिल अग्रवाल स्वयंभू मंदिर कविनगर, भाजपा महानगर अध्यक्ष संजीव शर्मा मोहन नगर दुर्गा मंदिर, मेयर सुनीता दयाल दिल्ली गेट देवी मंदिर में गए। दर्जा प्राप्त मंत्री कैप्टन विकास गुप्ता साईंधाम खोड़ा में उपस्थिति दर्ज कराई।

निगम मुख्यालय में 5100 दीप जलाए गए। मुख्यालय परिसर में राम मंदिर के दो मॉडल रखे गए हैं। पूरे मुख्यालय को रंग.बिरंगी लाइटों से सजाया गया है। इसके अलावा नगर निगम ने शहर के करीब 40 से ज्यादा मंदिरों, सभी पार्कों, चौराहों को सजाया है। नगर निगम ने कुछ जगहों पर तिरंगा लाइट भी लगाई हैं, क्योंकि गणतंत्र दिवस भी नजदीक है।

पैदा हुए बच्चों के नाम रखे राम, सीता, लवकुश

गाजियाबाद। अयोध्या धाम में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा हो रही है, ऐसे में देश भर में खुशी और उत्साह का माहौल देखा जा रहा है। गाजियाबाद के जिला सरकारी महिला अस्पताल में प्राण प्रतिष्ठा के दिन 5 बच्चों ने जन्म लिया है। इन बच्चों को जन्म देने वाली महिलाएं खुद को और अपने बच्चों को बहुत ही भाग्यशाली मान रही हैं। जिला सरकारी अस्पताल में जन्म लेने वाली बच्ची की दादी सुखदेवी कहती है कि प्राण प्रतिष्ठा के दिन बच्चों को जन्म देने वाली महिला बहुत ही सौभाग्यशाली हैं। उन्होंने परिवार में आई बच्ची का नाम सीता रखा है। जन्म लेने वाले एक बच्चे की बुआ प्रीति कहती है कि उनके परिवार में जन्म लिए बच्चे का नाम बुआ रखती है और वो अपने भतीजे का नाम राम रखेंगे। वही एक और जन्म लेने वाले बच्चे की मां सुलेखा बताती है कि भगवान राम ने संतान दी है। बेटा पैदा हुआ है ऐसे में उसका नाम लव कुश रखूंगी। वही क्रांति और नरेन्द्र बताया पोते के नाम राम रखेंगे।

श्रीराम के जयकारों के बीच व्यापारियों ने दीप जलाकर मनाई दिवाली

● दीपमाला कार्यक्रम में मुस्लिम कारोबारियों ने भी हिस्सा लिया

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा में उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल के प्रदेश कार्यालय में भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा की पूर्व संध्या पर दीपोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन ने बताया कि भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा से पूर्व संध्या पर आज का दिन छोटी दिवाली के रूप में 1100 दीपों के साथ मनाया गया। व्यापारियों ने भगवान राम की आरती की और श्रीराम के जयकारे लगाए। हम इस जीवन में धन्य हो गए। शायद हमने कोई अच्छे कर्म करें होंगे जिससे आज हम इस दिन को देख रहे हैं। प्रदेश महामंत्री निखिल अग्रवाल ने बताया कि आतिशबाज़ी के आज भगवान राम को याद किया गया। जिला सचिव शिवा चौहान ने कहा कि आज जीते जी स्वर्ग देख लिया। प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन ने कहा कि प्रतिवर्ष 22 जनवरी को हम भगवान राम को याद करते हुए

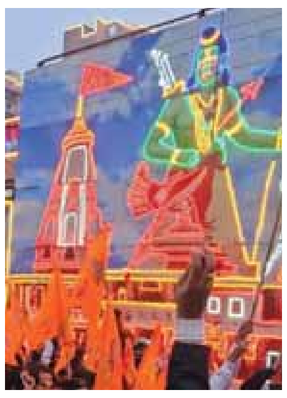

दीपोत्सव का कार्यक्रम करेंगे। पैंट एसोसिएशन के अध्यक्ष मोतीराम ने मिठाई बांटकर इस ख़ुशी को दोगुना कर दिया। आज उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल की सम्पूर्ण टीम ने इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया और सबसे ख़ास बात यह रही कि दीपमाला कार्यक्रम में मुस्लिम भाइयों ने भी हिस्सा लिया। उद्योग प्रकोष्ठ के अध्यक्ष अमित गोयल ने कहा कि हम सभी को मिलकर कल दीपावली मनानी है। अपने अपने घरों को सजाना है। कार्यक्रम में आकाश तोमर, हनीफ सैफी, प्रवीन गर्ग, सौरभ सिंगल, नवनीत गुप्ता, मनीष शर्मा, शाहरुख़ मोहम्मद व अन्य व्यापारियों ने हिस्सा लिया।

रामलला के स्वागत में मॉल में लाइव स्क्रीनिंग

नोएडा। राम लला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह से नोएडा भी राम की भक्ति में डूबा रहा। शहर के सभी प्रमुख मॉल में दिवाली जैसा माहौल देखा गया। इन सभी जगहों पर लाइव स्क्रीनिंग में बड़ी संख्या में दर्शकों ने भाग लिया और आयोजित धार्मिक कार्यक्रम प्रभु रामलला का स्वागत किया। शाम ढलते ही नोएडा के स्पेक्ट्रम मेट्रो, गौड़ सिटी और डीएलएफ मॉल में मंगलदीप जलाए गए। स्वागत में प्राण प्रतिष्ठा के बाद पूरा मॉल राममय नजर आया। इन सभी मॉल में बड़ी स्क्रीन पर अयोध्या में होने वाले राम लला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह का सीधा प्रसारण किया गया। इस दौरान लोगों में जबरदस्त उत्साह देखा गया और भक्तों ने जय श्री राम के नारे भी लगाए गए। वहीं डीएलएफ मॉल में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा के दौरान विशेष रूप से लाइव पेंटिंग का भी आयोजन किया गया।

नोएडा स्थित एक मॉल में प्राण प्रतिष्ठा का सीधा प्रसारण देखते लोग।

मेट्रो स्टेशन के नीचे चलती कार में युवक जिंदा जला

नोएडा। नोएडा में सोमवार की सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया। इस हादसे में एक कार सवार व्यक्ति की जिंदा जलने से मृत्यु हो गई।

मौके पर पहुंची नोएडा के थाना फेस 3 की पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक की शिनाख्त नहीं हो सकी है। मिली जानकारी के अनुसार, थाना फेस 3 क्षेत्रांतर्गत सेक्टर 59 मेट्रो स्टेशन के पास से एक टोयोटा कोरोला ऑल्टिस गुजर रही थी। संभावना जताई जा रही है कि कार तेज गति में थी और अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। कार के डिवाइडर से टकराने के बाद अचानक से कार में आग लग गई।

राहगीरों को लिफ्ट देकर लूटपाट करने वाले दो बदमाश पुलिस मुठभेड़ में घायल, तीन धरे

● आरोपियों से तीन तमंचा, जिंदा कारतूस व बेलोनों कार बरामद

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेटर नोएडा में राहगीरों को अपनी जबरदस्ती अपनी गाड़ी में बैठाकर मारपीट करने और लूटपाट करने वाले गिरोह के दो बदमाशों को कोतवाली बीटा-2 थाना पुलिस ने लंगड़ा करके अस्पताल में भर्ती करा दिया है। मुठभेड़ में दो बदमाश पुलिस की गोली लगने से घायल हो गए, जबकि एक बदमाश को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

रविवार की रात पुलिस से हुई मुठभेड़ के बाद घायल हुए धर्मपाल और मोहित को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, तीसरे बदमाश अनुराग को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। यह तीनों बदमाश बलेनो कार से सड़क पर घूमते रहते थे और राहगीरों को लिफ्ट देकर अपना शिकार बनाते थे।

जो लिफ्ट नहीं लेता था उसे जबरदस्ती अपनी कार में बैठाते थे और मारपीट करके मोबाइल फोन, आधार कार्ड और डेबिट कार्ड छीन कर मोबाइल फोन से उसके खाते से पैसे अपने बैंक में ट्रांसफर कर लेते थे और फिर राहगीर को सड़क पर फेंक कर भाग जाते थे। ग्रेटर नोएडा के एडिशनल डीसीपी अशोक कुमार ने बताया कि बदमाशों ने 21 जनवरी को सुबह होंडा चौक पर खड़े युवक से मारपीट कर 42 हजार रुपये अपने अकाउंट में ट्रांसफ र कर लिए थे और पीड़ित के दोस्तों को फोन कर पीड़ित को जान से मारने की धमकी देकर से 20 हजार और पैसे अपने अकाउंट में ट्रांसफर कराने के बाद और पीड़ित को गंभीर रूप से घायल कर सड़क पर फेंक कर भाग गए थे। एडिशनल डीसीपी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर कोतवाली बीटा-2 पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश कर रही थी। सूचना पर पुलिस ने 130 मीटर रोड पर बदमाशों को घेर लिया। अपने आप को घिरा देख बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर भागने की कोशिश की। इसी दौरान गोली लगने से दो बदमाश घायल हुए और एक बदमाश को पुलिस ने दबोच लिया। इन बदमाशों के पास से तीन तमंचा, तीन जिंदा कारतूस, बलेनो कार और लूटा हुआ डेबिट कार्ड और आधार कार्ड बरामद हुआ है।

वेबसाइट बनाकर चला रहे थे आनलाइन सट्टे का धंधा, गैंग के 6 सदस्य गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

● साइट पर खिलाते थे कसीनो

ग्रेटर नोएडा में वेबसाइट बनाकर आनलाइन जुए और सट्टे का कारोबार संचालित करने वाले एक गिरोह का ग्रेटर नोएडा की थाना बादलपुर पुलिस ने पर्दाफाश किया है। पुलिस आनलाइन जुआ और सट्टा खिलाने वाले गिरोह के छह सदस्यों को गिरफ्तार करके जेल भेजा है। सभी को जेल भेज दिया गया है।

जानकारी के अनुसार, रविवार को ग्रेटर नोएडा के थाना बादलपुर पुलिस ने लोकल इंटेलिजेंस एवं गोपनीय सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए ग्राम खेडा धर्मपुरा में प्रिन्स शर्मा पुत्र अवधेश शर्मा निवासी ग्राम खेडा धर्मपुरा के घर से आनलाईन जुआ और सट्टा लगाने व खिलाने वाले गिरोह के रविन्द्र कुमार सिंह, पंकज कुमार, राजन सिंह, रोहित शर्मा, अभिषेक कुमार तथा सचिन कुमार को गिरफ्तार किया है। मौके से अभियुक्त प्रिन्स शर्मा पुत्र अवधेश शर्मा निवासी ग्राम खेडा धर्मपुरा थाना बादलपुर जनपद गौतमबुद्धनगर फ रार हो गया है। जिसकी गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। पकड़े गए आरोपियों के कब्जे से 4 लेपटॉप, 21 मोबाइल, 5 पासबुक, 31 चैकबुक, 49 एटीएम कार्ड, 7 फर्जी आधार कार्ड, 2 डायरी व 4 रजिस्टर आदि बरामद हुए हैं।

पुलिस ने बताया कि पकड़े गए सभी आरोपी शातिर किस्म के सट्टेबाज है, जो गिरोह बनाकर वेबसाइट के माध्यम से इलैक्ट्रोनिक उपकरणो का उपयोग कर आनलाईन सट्टा खेलने व खिलाने का काम करते हैं। आरोपियों ने पूछताछ के दौरान बताया कि वह सट्टा वेबसाइट पर आनलाईन सट्टा खिलवाते है, इस वेबसाईट को भिलाई छत्तीसगढ़ निवासी सुभाष चन्द्रा आपरेट करता है। सुभाष चंद्रा आरोपियों को यूजर आईडी पासवर्ड दिए गए थे। इस वेबसाईट में क्रिकेट, फुटबाल, टेनिस आदि खेलों पर सट्टा लगाया जाता है तथा इसी सट्टे की साइट पर कसीनो भी खिलाया जाता है।

हर तरफ "रघुपति राघव राजाराम पतित पावन सीताराम" की गुंज

Public Notice

This is to inform the general public that **Davinder Kumar Bajaj** is the sole owner of Entire commercial shop bearing no. 113, area measuring 60 sq. yds., property ID no. 619O102851300, situated in ward-8 Main Bazar, old Faridabad, Tehsil & Distt. Faridabad. This ownership was legally acquired through a Transfer Deed within blood relation dated 29.10.2015 vide doc. No. 11973, executed by Mrs. Poonam Bajaj. **Davinder Kumar Bajaj** is now the process of mortgaging the aforementioned Shop with **SMFG India Credit Co. Ltd. (Formerly Fullerton India Credit Co. Ltd.).** Any objections or concerns regarding this transaction should be raised within a period of 14 days from the date of this public notice. Any objections submitted after the completion of this 14-days period will not be considered binding with respect to the said property or the interests of our client.

If anyone wishes to raise an objection, please do so within the stipulated 14-day period by contacting **Law Veritas: North (Advocates & Legal Consultants) at Office No. 11, 1st Floor, Building No. A-44/A, Sector-16, Noida, Uttar Pradesh-201301; Landline(s):+910120-3101683 / 4562809; e-mail: accounts@lvnorth.in**

PUBLIC NOTICE

We, (1) SMT. URVASHI NAYER W/O SHRI RAJESH NAYER AND (2) SHRI RAJESH NAYER S/O SHRI MANOHAR LAL NAYER BOTH RESIDENTS OF FLAT NO.C-201, GROUND FLOOR, MALVIYA NAGAR, SAKET, NEW DELHI- 110017, are the owners of DDA MIG FLAT NO.C-201, ON GROUND FLOOR, SITUATED AT MALVIYA NAGAR, SAKET, NEW DELHI-110017, VIDE DDA FILE NO.F.32(7-A)74/HB(M)I. The original documents i.e. Original **DEMAND CUM ALLOTMENT LETTER, POSSESSION LETTER, NOC FOR WATER & ELECTRICITY CONNECTION and SITE POSSESSION SLIP** of the above said property have been lost or misplaced by me and is not traceable inspite of my best efforts. An F.I.R./NCR to this effect has been lodged in the Police Station, Crime Branch, Delhi **(LR No.1368445/2024 dated 22.01.2024).** Any person(s) claiming any rights, interest, having any objection or found in possession of original documents, may write/contact with above named person at above Address/Phone No. 9312232694, within **15 days** from the date of publication of this notice. The person claiming any right, interest, objection with respect to this property, can personally inform or write to Deputy Director (Housing) MIG or Director (Housing), D Block, Vikas Sadan, New Delhi.

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सुचित किया जाता है की आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड द्वारा जारी किए गए 2 आईडी कार्ड नंबर बिटू पनवार -2338876 और आईडी कार्ड नंबर मंजीत मंजीत -2338778 के आईडी कार्ड 20 जनवरी 2024 को गायब या खो गया है। जो कोई भी ऊपर दिए गए आईडी कार्ड को पाता है, उससे अनुरोध है कि उक्त आईडी कार्ड प्रबंधक ऋण सेवा और प्रबंधन समूह, आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, एस.डी. टॉवर रोहिणी सेक्टर -8 नई दिल्ली -110085, को वापस कर दे। इसलिए आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के सभी ग्राहकों को सूचित किया जाता है कि उक्त आईडीकार्ड नंबर बिटू पनवार -2338876 और मंजीत मंजीत -2338778 रखने वाले किसी भी अनधिकृत व्यक्ति को कोई भुगतान न करें। कृपया आगे ध्यान दें कि उक्त आईडी कार्ड रखने वाले किसी भी व्यक्ति को भुगतान करने वाला कोई भी व्यक्ति अपने जोखिम और लागत पर ऐसा करेगा और आईसीआईसीआई बैंक किसी भी भुगतान के लिए बाध्य और/या जिम्मेदार नहीं होगा। आगे ध्यान दें कि उक्त आईडी कार्ड रखने वाले किसी भी व्यक्ति को भुगतान करने वाला कोई भी व्यक्ति अपनी लागत, और जोखिम पर ऐसा करेगा और आईसीआईसीआई बैंक किसी भी भुगतान के लिए बाध्य और/या जिम्मेदार नहीं होगा।

स्थान: दिल्ली, दिनांक 23-01-2024

के लिये/ वास्ते
आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, सडी

THE PIONEER CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Harvinder Kaur, W/o Sh. Amarjeet Singh, R/o V-272, Third Floor Rajouri Garden, West Delhi-110027, hereby declare that Harvinder Kaur and Harvinder Kaur Arora both are same person. In future I shall be known as Harvinder Kaur for all purposes.

PD(250)C

PUBLIC NOTICE

To be known to all, **RANJIT SINGH VIRDI S/o LATE SH. TEJ SINGH VIRDI R/o FLAT NO. 3203, FIRST FLOOR, POCKET-3, SECTOR-D, VASANT KUNJ, NEW DELHI-110070 one of the Mutatee/Owner of DDA SFS FLAT NO.3203, First Floor alongwith Scooter Garage No.3203, CAT-III, Pocket-3, Sector-D, Vasant Kunj, New Delhi-110070,** has applied for certified copies & amp; freehold in DDA. The original documents i.e. **ALLOCATION LETTER, DEMAND-CUM-ALLOTMENT LETTER, POSSESSION LETTER, NOC FOR WATER AND ELECTRICITY CONNECTION, SITE POSSESSION SLIP & amp; Other Documents** of the above said flat has been lost. **An F.I.R./NCR/LR NO. 1364783/2024** dated 20/01/2024 to this effect has been lodged in P.S.Crime Branch, Delhi. Any person(s) claiming any right, interest, having any objection or found in possession of original documents, may write/contact with ab ove named person at above Address/Phone No 9868930870 within 15 days from the date of publication of this notice. The person claiming any right, interest, objection with respect to this property, can personally inform or write to **Deputy Director (LAB-Housing)-SFS or Director (LAB-Housing)-SFS, Delhi Development Authority, Vikas Sadan, New Delhi-110023**

प्राण प्रतिष्ठा के जश्न में डूबी दिल्ली, भक्ति और आस्था का दिखा संगम

दिन में राम दरबार की भव्य झांकी निकाली, शाम को मनाई दीवाली

केसरिया रंग की पगड़ी पहने और रामध्वज लेकर नाचते व गाते नजर आए भक्त

संजय राय/अजित तिवारी/ ज़ाहिद अली। नई दिल्ली

भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर कश्मीरी गेट मार्केट में शोभा यात्रा निकालते भक्त।

रंगबिरंगी रोशनी से नहाया दिल्ली का दिल कनॉट प्लेस।

अयोध्या में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा से पहले दिल्ली में जगह-जगह शोभायात्रा निकाली गई। इस यात्रा के दौरान रामायण के किरदार के चरित्र का वर्णन कर राम दरबार की भव्य झांकियां निकाली गई। इस शोभायात्रा के दौरान केसरिया रंग की पगड़ी पहने और हाथों में रामध्वज लेकर बैंड बाजे की धुन पर महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग सभी नाचते-गाते हुए नजर आए। इससे भक्ति और आस्था का अनोखा संगम देखने को मिला। इससे पूरा इलाका राम नाम के जयकारों के साथ गूंज उठा। वहीं शाम में बाजारों, घरों में लोगों ने राम दीया प्रज्ज्वलित कर दिपावली मनाई और जमकर आतिशबाजी की।

प्राण प्रतिष्ठा के अवार पर दिल्ली में मंदिरों को विशेष रोशनी एवं पुष्पों से सजाया गया और जय श्री राम के उद्घोष राष्ट्रीय राजधानी में गूंजे। कई स्थानों पर लोगों ने सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया, शोभा यात्रा निकाली और भंडारे आयोजित किए गए। कनॉट प्लेस में, प्राण प्रतिष्ठा समारोह के सीधा प्रसारण के लिए विशेष प्रबंध किए गए थे। नई दिल्ली व्यापार संघ के संयुक्त सचिव अमित गुप्ता ने कहा कि कनॉट प्लेस में पूर्वाह्न 11 बजे समारोह शुरू हुए। कनॉट प्लेस में भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया है और भजनों की सूची संगीत कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले पांच व्यक्तियों (डीजे) ने तैयार की है। भगवान राम को 11 किलोग्राम लड्डू का भोग लगाया गया। गुप्ता ने कहा कि कनॉट प्लेस में राम दीए जलाए।

सदर बाजार व्यापार संघ के अध्यक्ष राकेश कुमार यादव ने कहा, पूजा और आरती संपन्न हो गई है। इस दौरान ढोल बजाया गया और भक्तों को प्रसाद भी वितरित किया गया। शहर के मंदिरों में विशेष पूजा और आरती की गई। भंडारों का आयोजन किया गया और लोगों को सर्दियों के कपड़े दान करते देखा गया।

असोला स्थित श्री सिद्ध शक्ति पीठ शनिधाम मंदिर में भी भगवान राम की मूर्ति स्थापित की गई। मंदिर प्रबंधन ने कहा, हमने अयोध्या में मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा समारोह के साथ इस मंदिर में भी भगवान राम की एक मूर्ति स्थापित की है। पूर्वी दिल्ली में आईएएस ऑफिसर्स कॉलोनी के मधुबन एन्क्लेव में निवासियों ने उत्सव आयोजित किया और इस दौरान एक सांस्कृतिक कार्यक्रम और सुंदरकांड पाठ आयोजित किया गया।

चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री चेयरमैन बृजेश गोयल और अध्यक्ष सुभाष खंडेलवाल ने बताया कि सोमवार को कश्मीरी गेट, चांदनी चौक, सदर बाजार, चावड़ी बाजार, खारी बावली, नया बाजार, भागीरथ प्लेस, रोहिणी, पीतमपुरा, कनोट प्लेस, करोल बाग, राजौरी गार्डन, तिलक नगर आदि दिल्ली के छोटे बड़े 700 बाजारों में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए और अलग अलग जगहों पर लगभग 1500 कार्यक्रम आयोजित किए गए, इस दौरान बाजारों में राम मंदिर से जुड़े सामानों की मांग 4 गुना बढ़ गई । इसके चलते चीजों के दाम दोगुना बढ़ गये।

कश्मीरी गेट में विशाल राम झंडा यात्रा निकाली गई और हजारों की संख्या में दुकानदारों ने हिस्सा लिया। चांदनी चौक, करोल बाग, लक्ष्मी नगर में सुंदरकांड पाठ रखा गया, दरीबा कलां में दिवाली की तरह लाइटिंग की गई, भागीरथ पैलेस में लड्डूओं के डिब्बे बांटे गए और गेट सजाए गए, नया बाजार में सुंदर रंग बिरंगी लाइट की सजाया गया। सरोजिनी नगर मार्केट में 21 हजार दीये जलाए गए, लाजपत नगर और सदर बाजार में भगवा गुब्बारे और झंडे लगाए गए, सुंदर काण्ड का पाठ किया गया अयोध्या में श्री राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर दिल्ली में भी कई कार्यक्रम आयोजित करने का ताँता लगा और सभी बाजार पूरी तरह से श्री राम के झंडों से सजे तथा रंगबिरंगी रोशनी से जगमग किए गए। चारो तरह श्री राम की जय से गूंजा और हर शहर अयोध्या-हर घर अयोध्या का सपना साकार हुआ। कनफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स के आहवान पर व्यापारिक संगठनों ने कई विभिन्न कार्यक्रमों किए ग्रेटर कैलाश एम ब्लॉक मार्केट एसोसिएशन द्वारा मार्केट में सुबह श्री राम मंदिर के मॉडल के विशेष पूजन से की गई। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल एवं मार्केट के प्रधान राजेंद्र शारदा ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच प्रभु श्री राम के विशाल कट आउट चित्र के आगे विधि विधान से श्री राम मंदिर के मॉडल का पूजन किया। इस दौरान जय श्री राम के उद्घोष से पूरा वातावरण राम मय को गया। ऐसा लग रहा था कि दिल्ली भी अयोध्या बन गई है। बाजारों में बड़ी संख्या में श्री राम के कार्यक्रम हुए।

कहीं सुंदरकांड का पाठ, कहीं हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। वहीं सोमवार को 2 हजार से अधिक अधिक भंडारे लगे हैं वहीं 500 से अधिक बाजारों में एलईडी स्क्रीन पर व्यापारियों और लोगों को अयोध्या से सीधा प्रसारण दिखाने की व्यवस्था की गई है। कनॉट प्लेस में नई दिल्ली ट्रेडर्स एसोसिएशन द्वारा शाम को एक लाख पच्चीस हजार दीपों को एक साथ प्रज्वलित किया वहीं सभी बाजारों में भी बड़े स्तर पर दीप जलाकर महा दीपावली भी मनाई गई।

राम मंदिर को लेकर दुकानदार उत्साहित

राम मंदिर उद्घाटन को लेकर दिल्ली में 15 हजार करोड़ रुपए का व्यापार होने की उम्मीद है। सदर बाजार, चांदनी चौक, मालीवाड़ा, किनारी बाजार, करोल बाग, गांधी नगर, टैंक रोड़ जैसे बाजारों से काफी सामान दूसरे शहरों में भेजा गया राम मंदिर मॉडल, राम पोशाक, माला, मुकुट, धनुष, ध्वजा, लॉकेट, चाबी के छल्ले, राम जी की फोटो आदि की विशेष डिमांड देखी जा रही है, झंडे 60 रूपए से लेकर 300 रूपए में बिक रहे हैं, बिल्ले ी कीमत 50 रूपए प्रति पीस है, राम मंदिर के खूबसूरत मॉडल 200 रूपए से लेकर 1000 रूपए में बिक रहे हैं,बाजारों में बड़ी संख्या में भगवान राम की फोटो के कुर्ते, टी शर्ट बिक रहे हैं, मिट्टी के दिए, रंगोली, मिठाइयां, गिफ्ट आइटम्स, फूलों की सजावट, आर्केस्ट्रा, टेंट एवं डेकोरेशन, बिजली की लड़ियों का कारोबार करने वाले लोगों का व्यापार एकदम से बढ़ गया है।

पांच सौ बाजारों में लोगों ने स्क्रीन पर देखा सीधा प्रसारण

नई दिल्ली। द्वारका स्थित वेगस मॉल में बड़ी स्क्रीन पर लोगों ने लाइव प्रसारण देखा। इसके साथ लेजर शो और राम भजन के जयकारों से पूरा मॉल भक्ति रस में डूब गया। मेकिंग ऑफ मर्यादा पुरुषोत्तम के माध्यम से भगवान श्रीराम की यात्रा की एक अद्भूत झलक प्रदान की गई जिससे उन्हें भक्तों के बीच प्यार और सम्मान मिला।

श्रीराम मंदिर सनातन संस्कृति का प्रतीक : शाह

बोलेः इस पल की प्रतीक्षा में न जाने कितनी पीढ़ियां खप गईं

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

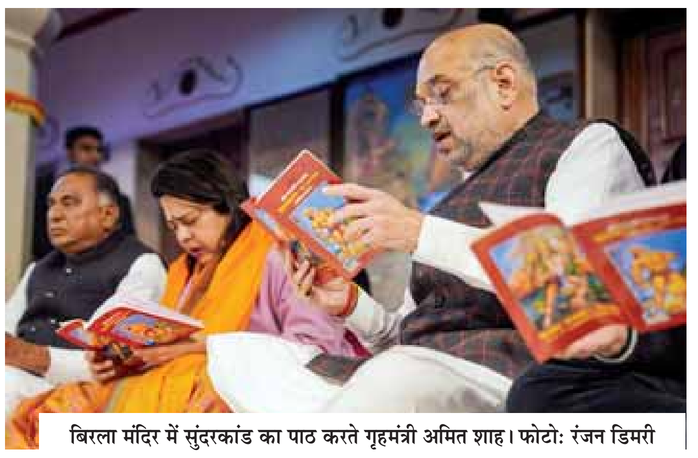
बिरला मंदिर में सुंदरकांड का पाठ करते गृहमंत्री अमित शाह। फोटोः रंजन डिमरी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अयोध्या में राम मंदिर के गर्भगृह में सोमवार को श्री रामलला के नवीन विग्रह की प्राण-प्रतिष्ठा को करोड़ों राम भक्तों के लिए अविस्मरणीय दिन करार दिया और कहा कि यह मंदिर युगों-युगों तक सनातन संस्कृति का अद्वितीय प्रतीक रहेगा। शाह ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, जय श्री राम-सदी की प्रतीक्षा और प्रतिज्ञा आज पूर्ण हुई।

उन्होंने कहा, आज का दिन करोड़ों रामभक्तों के लिए कभी ना भूलने वाला दिन है। आज जब हमारे रामलला अपने भव्य मंदिर में विराजमान हुए हैं तब असंख्य रामभक्तों की तरह मैं भी भावविभोर हूं।

इस भावना को शब्दों में समेट पाना संभव नहीं है। शाह ने कहा कि इस पल की प्रतीक्षा में न जाने कितनी पीढ़ियां खप गईं लेकिन कोई भी डर और आतंक रामजन्मभूमि पर फिर से मंदिर बनाने के संकल्प और विश्वास को डिगा नहीं पाया।

पूर्व भाजपा अध्यक्ष ने राम मंदिर के लिए अपने प्राणों की आहूति देने वाले सभी लोगों को नमन करते हुए कहा कि उन्होंने अनेक अपमान और यातनाएं सहीं पर धर्म का मार्ग नहीं छोड़ा। उन्होंने कहा, विश्व हिंदू परिषद्, हजारों श्रेष्ठ संत और असंख्य नामी-गुमनामी लोगों के संघर्ष का आज सुखद व सुफल परिणाम आया है। यह विशाल श्रीराम जन्मभूमि मंदिर युगों-युगों तक अविरल अविनाशी सनातन संस्कृति का अद्वितीय प्रतीक रहेगा।

शाह ने राम मंदिर निर्माण के संकल्प को सिद्ध करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार भी जताया। शाह ने राजधानी दिल्ली में स्थित बिरला मंदिर में पार्टी के अन्य नेताओं के साथ प्राण प्रतिष्ठा समारोह का सीधा प्रसारण देखा।

प्राण प्रतिष्ठा सांस्कृतिक अभ्युदय का सवेरा : नड्डा

नई दिल्ली। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सोमवार को अयोध्या के राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को सांस्कृतिक अभ्युदय का सवेरा करार दिया और विश्वास जताया कि यह गौरवशाली भारत को वैश्विक प्रगति व प्रतिष्ठा की आभा से प्रदीप्त करेगा। नड्डा ने इससे पहले यहां झंडेवालान मंदिर में पूजा-अर्चना की और प्राण प्रतिष्ठा समारोह का सीधा प्रसारण देखा।

नड्डा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, सनातन संस्कृति के धर्मावलंबियों के लिए यह पावन क्षण धन्य करने वाला है। सदियों की प्रतीक्षा, त्याग व बलिदान से प्राप्त हुए इस पुण्य अवसर ने हमारे अंतर्मन में प्रभु (श्री राम) के उच्च आदर्शों को आत्मार्पित कर अपने कर्तव्यों के निर्वहन की प्रेरणा दी है। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का संकल्प सिद्ध होने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार प्रकट करते हुए नड्डा ने कहा, मां भारती के सांस्कृतिक अभ्युदय का यह सवेरा हमारे गौरवशाली राष्ट्र को वैश्विक प्रगति व प्रतिष्ठा की आभा से प्रदीप्त करेगा। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि 500 से अधिक वर्षों के अनवरत संघर्ष के बाद आज का यह पावन क्षण भावुक करने वाला है। उन्होंने कहा, सियावर रामचन्द्र की जय अयोध्याधाम में प्रभु श्री रामलला विधि-विधान प्राण प्रतिष्ठित हुए हैं। भाजपा की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा और पार्टी के अन्य नेता झंडेवाला मंदिर में अध्यक्ष जेपी नड्डा के साथ मौजूद रहे। जबकि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने केंद्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी और भाजपा के अन्य नेताओं के साथ बिरला मंदिर के नाम से पहचाने जाने वाले लक्ष्मी नारायण मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

केजरीवाल ने अल्बर्ट स्क्वायर में श्रीराम की मूर्ति स्थापना की

गोल मार्केट में सुंदरकांड का पाठ करते मुख्यमंत्री केजरीवाल।

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

अयोध्या नगरी में भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर दिल्ली भी राममय हो गई। आम आदमी पार्टी ने जगह-जगह सुंदरकांड, भंडारा, शोभायात्रा, आरती समेत अन्य आयोजन किया। केजरीवाल ने अल्बर्ट स्क्वायर में श्रीराम की मूर्ति स्थापना की। राष्ट्रीय संयोजक एवं मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने नई दिल्ली में आयोजित कई कार्यक्रमों में भाग लेकर पूर्जा अर्चना की और दिल्ली वालों की सुख-शांति, समृद्धि और विकास की कामना की। इस दौरान उन्होंने आरके आश्रम मार्ग स्थित अल्बर्ट स्क्वायर में रामलला की मूर्ति स्थापना भी की। जबकि आप सरकार के कैबिनेट मंत्रियों के अलावा विधायकों और पार्षदों ने विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेकर लोगों की सेवा की। केजरीवाल ने दिल्ली समेत देशवासियों को अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के लिए बधाई दी।

श्रीराम ने विश्व को जीने का तरीका सिखाया : आतिशी

कैबिनेट मंत्री आतिशी द्वारा कालकाजी में विधिवत श्रीराम पूजा-स्तुति व हवन का आयोजन किया गया। उन्हों ने कहा कि भगवान श्रीराम मर्यादा पुरुषोत्तम थे और उन्होंने विश्व को जीने का सही तरीका सिखाया है।

सौरभ भारद्वाज ने सुंदरकांड पाठ लिया हिस्सा

मंत्री सौरभ भारद्वाज ने शेख सराय फेज-2 के एल-पॉकेट में आयोजित सुंदरकांड पाठ में हिस्सा लिया। इसके अलावा उन्होंने यहां आयोजित शोभायात्रा, शाहपुर जट व चिराग दिल्ली गांव में हुए सुंदरकांड पाठ और भव्य शोभायात्रा में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि सभी मंत्रियों, विधायकों और पार्षदों ने अपने-अपने क्षेत्र में भंडारे का कार्यक्रम रखा।

डीयू, जेएनयू, जामिया भी राम रंग से सराबोर

नई दिल्ली। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने राम-मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर दीप प्रज्ज्वलीत, भजन, हनुमान चालीसा, भंडारा का आयोजन किया। इन कार्यक्रमों में डीयू, जेएनयू, जामिया मिल्लिया इस्लामिया के छात्रों ने बड़ी संख्या में शामिल हुए। दिल्ली विश्वविद्यालय के अलग-अलग स्थानों पर राम-मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के उल्लास की अद्भुत छटा बिखरी हुई थी। छात्रा मार्ग पर विश्वविद्यालय मेट्रो स्टेशन से लेकर हंसराज कॉलेज तक केसरिया रंग के गुब्बारों से विश्वविद्यालय को सजाया गया था। आर्ट्स फैकल्टी में एलईडी स्क्रीन के माध्यम से राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा का सीधा प्रसारण देखा। शाम को एबीवीपी दिल्ली विश्वविद्यालय में ढाई लाख दीयों का प्रज्जवलीत किया। दीपक जलाने में बड़ी संख्या में छात्रों ने सहयोग दिया। पूरा दिन विवि का वातावरण राममय रहा। इस दौरान छात्र-छात्रओं में उल्लास नजर आए।

दरगाह परिसर में दीप जलाकर शांति का दिया संदेश

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राजधानी स्थित दरगाह मटका पीर में दीपोउत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान दरगाह परिसर में दीप जलाकर शांति का संदेश दिया। शाम को गायकों ने कव्वाली से लोगों का शमां बांध दिया। दिल्ली में जहां एक तरफ श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा को लेकर चारों तरफ जश्न का माहौल है वहीं कुछ मुस्लिम धार्मिक स्थलों पर भी स्वच्छता अभियान भी चलाया गया।

दिल्ली प्रदेश अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष अनीस अब्बासी के नेतृत्व में प्रगति मैदान के समीप स्थित दरगाह मटका पीर में दीपोउत्सव कार्यक्रम हुआ। इस दौरान मुस्लिम कार्यकर्ताओं ने दरगाह परिसर में दीप जलाकर शांति का संदेश दिया। इस मौके पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी, उपाध्यक्ष एस.एम अकरम एवं ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य आतिफ रशीद मुख्य रूप से उपस्थित रहे और सभी के साथ दीप रोशन किए। इस दौरान पर कव्वाली का भी आयोजन किया गया और पूरे परिसर में दीप जलाए गए।

परेड रिहर्सल के लिए यातायात परामर्श जारी

मध्य दिल्ली में यातायात प्रभावित होने की संभावना

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने गणतंत्र दिवस परेड के लिए फुल ड्रेस रिहर्सल के दौरान मंगलवार को मध्य दिल्ली में वाहनों का यातायात प्रभावित होने की आशंका जताई है। पुलिस ने साथ ही एक परामर्श जारी कर लोगों से इसके अनुसार अपनी यात्रा की योजना बनाने का आग्रह किया।

फुल ड्रेस रिहर्सल का रूट वही होगा जो गणतंत्र दिवस की परेड का होता है। रिहर्सल पूर्वाह्न 10.30 बजे विजय चौक से शुरू होगी और कर्तव्य पथ, सी-हेक्सागन, नेताजी सुभाष चंद्र बोस चौराहे, तिलक मार्ग, बहादुर शाह जफर मार्ग और नेताजी सुभाष मार्ग से होते हुए लाल किले पर समाप्त होगी। परेड के सुचारू संचालन के लिए, सोमवार शाम छह बजे से मंगलवार को रिहर्सल के अंत तक विजय चौक से इंडिया गेट तक कर्तव्य पथ पर यातायात की अनुमति नहीं दी जाएगी। सोमवार रात 11 बजे से परेड खत्म होने तक कर्तव्य पथ पर रफी मार्ग, जनपथ और मान सिंह रोड पर यातायात को मुड़ने की अनुमति नहीं होगी। परामर्श में कहा गया है कि सी-हेक्सागन-इंडिया गेट मंगलवार सुबह 9.15 बजे से परेड के तिलक मार्ग पार करने तक यातायात के लिए बंद रहेगा।

गणतंत्र दिवस की झांकियों में भी मन मोहेंगे श्रीराम

कर्तव्य पथ पर दर्शक कर सकेंगे भगवान श्रीराम के दर्शन

संजय राय। नई दिल्ली

26 जनवरी की परेड में शामिल झांकियों में आकर्षण का केंद्र बनेंगे इस बार श्रीराम। उत्तर प्रदेश की झांकी में कर्तव्यपथ पर दर्शक कर सकेंगे भगवान श्रीराम के दर्शन। इसके अलावा ब्रह्मोस मिसाइल और नमो भारत ट्रेन भी प्रदर्शित की जाएगी।। हरियाणा दिखाएगा-परिवार पहचान पत्र की उपयोगिता। बिहार की झांकी में गंगाजल और विदेश मंत्रालय की झांकी में मिलेगी जी-20 की झलक। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की झांकी में मिलेगी उन सुरंगों की झलक, जो हाइवे पर जानवरों के गुजरने के लिए देश में अलग-अलग हिस्सों में बनाई जा रही।

गणतंत्र दिवस की सभी झांकियों के दो थीम पर तैयार की गई हैं। पहला विकसित भारत और दूसरा मदर आफ डेमोक्रेसी अयोध्या के राम मंदिर में भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा के मद्देनजर गणतंत्र दिवस परेड की झांकी के अगले भाग में मंदिर जैसे बेस पर स्थापित रामलला की सुंदर प्रतिमा को स्थापित किया गया है। ट्रेलर पर सर्वप्रथम कलश के प्रतीक के साथ दो साधुओं को दिखाया गया है प्रयागराज में होने वाले माघ मेले एवं 2025 में होने वाले महाकुंभ का प्रतीक है। नीचे फ्रिल के ऊपर लोअर एरिया में प्रभु राम के अयोध्या आगमन के प्रतीकस्वरूप होने वाले दीपोत्सव को दिखाया गया है। अगली तस्वीर दुनिया के चौथे सबसे बड़े इंटरनेशनल एयरपोर्ट जेवर एयरपोर्ट की है। नोएडा में एशिया की सबसे बड़ी मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग फैक्ट्री और मोबाइल को उत्तर प्रदेश के मोबाइल मैन्यूफैक्चरिंग का हब बनने के प्रतीक के तौर पर लिया गया है। झांकी के पीछे एलईडी स्क्रीन में एक्सप्रेसवे के माध्यम से 6 संचालित एवं 7 निर्माणाधीन एक्सप्रेसवे वाले प्रदेश के एक्सप्रेसवे-प्रदेश बन जाने को भी दर्शाया गया है। ट्रैक्टर पर साधुओं के बाद रैपिड रेल का मॉडल है, गाजियाबाद से दुहाई तक संचालित रैपिड रेल सेवा का देश में सर्वप्रथम आगमन उत्तर प्रदेश में हुआ है। सबसे अंत में रैपिड रेल के ऊपर से निकलती हुई ब्रह्मोस मिसाइल को दिखाया गया, अंत में मेक इन इंडिया का शेर इसका प्रतीक है कि उत्तर प्रदेश किस तरह से देश में ही निर्माण के अभियान को आगे ले जा रहा है।

राममय हुई द्रोण नगरी, सुबह से रात तक गूंजते रहे जय श्री राम के नारे

बच्चे, बड़े, बुजुर्ग हर किसी जुबां पर रहा जय श्री राम, शहर में करीब 250 स्थानों पर हुए भंडारे

प्राण प्रतिष्ठा की खुशी में गुरुग्राम में कीर्तन में हनुमान जी बना कलाकार।

कार्यक्रम में जयकारे लगाते लोग।

गुरुग्राम के गांव सिकंदरपुर बढ़ा में राम मंदिर निर्माण की खुशी में कलश यात्रा में शामिल महिलाएं और पुरुष।

संजय मेहरा। गुरुग्राम

जय श्री राम...जय श्री राम...। ये तीन शब्द सोमवार को सुबह से देर रात तक हर किसी की जुबां पर रहे। क्या बच्चे, क्या बड़े, क्या बुजुर्ग। क्या आम क्या खास। क्या गृहस्थ क्या साधु-संत। हर कोई राम नाम में लीन था। हर किसी के मुख से जय श्री राम नाम निकल रहा था। गुरू द्रोण की नगरी राममय रही। राम जी की तस्वीरों के ध्वज लेकर, माथे पर तिलक लगाकर लोग एक-दूसरे को राम मंदिर में राम लला के विराजमान होने की शुभकामनाएं दे रहा था। सडक़ों पर शोभा यात्राएं निकलती रही। सडक़ों के किनारे भंडारे होते रहे। शहर में करीब 250 स्थानों पर भंडारे लगाए गए।

गुरुग्राम विवि में राम मंदिर निर्माण की खुशी में दीये जलाते कुलपति।

अयोध्या में बनाए गए भव्य मंदिर में राम लला विराजमान हुए। इसकी खुशी मिलेनियम सिटी गुरुग्राम में भी कम नहीं थी। बाजारों को भव्य तरीके से सजाया गया। रंग-बिरंगे गुब्बारे, लडिय़ां बाजारों में सजावट को भव्य बना रही थी। थोड़ी-थोड़ी दूरी पर बजते धार्मिक गीतों से ऐसा लगा रहा था जैसे आज बाजार भी मंदिर बन गए हैं। शहर के मंदिरों में स्क्रीन पर अयोध्या के कार्यक्रम को लाइव दिखाया गया। जगह-जगह पर भंडारों का आयोजन किया गया। शहर में करीब 250 स्थानों पर भंडारे लगाए गए। भंडारों में हर किसी में उत्साह नजर आ रहा था। कोई अपने स्तर पर तो कहीं लोगों ने सामूहिक रूप से भंडारे आयोजित किए। किसी ने हल्वा, पूड़ी, सब्जी का प्रसाद बांटा तो कोई चाय, ब्रेड पकोड़े का प्रसाद बांट रहा था। सर्दी के मौसम में राम लला के आने की खुशी का तापमान इस कद्र बढ़ा रहा कि सर्दी किसी ने महसूस ही नहीं की। मंदिरों में एक दिन पहले से ही कार्यक्रम को लेकर तैयारियां कर ली गई थी। ऐसा पहली बार हुआ कि हर किसी के मन में धार्मिक भावना थी। हर कोई एक-दूसरे से प्रेमपूर्वक बोल रहा था। जाने-अनजाने लोग एक-दूसरे को जय श्री राम कह रहे थे। शहर में शोभा यात्राओं में खाटू वाले श्याम बाबा, माता की झांकी, भगवान राम जी की झांकी निकाली गई।

शहर में कई यात्राओं में विशालकाय हनुमान बने कलाकार आकर्षण का केंद्र रहे। यहां पूर्व मंत्री स्वर्गीय सीता राम सिंगला चौक के पास आयोजित कीर्तन में हनुमान बने कलाकार ने जब छाती फाडक़र श्रीराम-सीता की तस्वीर दिखाई तो श्रद्धालु भी भाव-विभोर हो गये। यहां पहुंचे विधायक सुधीर सिंगला ने कलाकार की कला को सराहा, वहीं उन्हें भगवान स्वरूप नमन भी किया। इसके बाद उन्होंने भंडारे में प्रसाद वितरण किया। जैकबपुरा स्थित रामलीला मैदान में श्री दुर्गा रामलीला कमेटी ट्रस्ट की ओर से कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान भव्य कलश यात्रा भी निकाली गई, जिसमें काफी महिलाओं ने शिरकत की। इस दौरान रामलीला कमेटी की ओर से पूजन किया गया।

भाग्यवान है आज की पीढ़ी जो इस पल की साक्षी बनी : प्रो. दिनेश कुमार

गुरुग्राम। सोमवार को अयोध्या में रामलला प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम का जहां एक तरफ पूरा देश-विदेश साक्षी बना, वहीं गुरुग्राम विवि के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने भी इस ऐतिहासिक क्षण का सीधा प्रसारण गुरुग्राम विश्वविद्यालय के ऑडिटोरियम में बड़ी स्क्रीन पर देखा। सुबह से ही श्री रामलला के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव को लेकर गुरुग्राम विश्वविद्यालय के छात्रों में काफी उत्साह देखने को मिला। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय परिसर को आकर्षक रंगोली एवं दीपमालाओं से सजाया। कार्यक्रम का शुभारंभ गुरुग्राम विवि के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् के राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री बालकृष्ण एवं जीयू के कुलसचिव डॉ. राजीव कुमार सिंह द्वारा भगवान श्री राम की प्रतिमा के समक्ष दीपक जलाकर किया। इस अवसर पर राम आएंगे गीत पर विद्यार्थियों द्वारा दी गयी भक्तिमय प्रस्तुति ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया और पूरा सभागार राम धुन से गूंजने लगा। इस मौके पर गुरुग्राम विवि के कुपति प्रो. दिनेश कुमार ने भगवान श्रीराम के जीवन तथा अयोध्या में श्रीराम मंदिर के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भगवान राम हमारे आदर्श हैं।

रामलला के आने की खुशी में सिकंदरपुर में निकाली कलशयात्रा

गुरुग्राम। मानेसर नगर निगम के गांव सिकंदरपुर-बढा में भगवान श्रीराम मंदिर में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा की खुशी में कलश यात्रा निकाली गई। इसके साथ ही गांव में भंडारे का आयोजन किया गया। गांव के सरपंच सुंदरलाल यादव ने बताया कि यह ऐतिहासिक पल हम देख रहे हैं, यह हमारा सौभाग्य है। इस दिन के लिए लाखों लोगों ने अपने जीवन का बलिदान दिया है। यह उन सबके लिए सच्ची श्रद्धांजलि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दी है। आज पूरा देश में राममय माहौल बन गया है। उन्होंने कहा कि यह ऐतिहासिक कार्य हुआ है। अयोध्या से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को धर्म की राह पर चलने के लिए जिस तरह से प्रेरित किया, वह देश को गौरवान्वित करने वाली बात है। उन्होंने कहा कि राम विवाद नहीं समाधान हैं। राम की राह पर हमें चलना चाहिए। देश की तरक्की ही हम सबका एक मात्र लक्ष्य होना चाहिए। सरपंच सुंदर लाल ने कहा कि देश को तपस्वी जैसे प्रधानमंत्री मिले हैं। सनातन संस्कृति को उन्होंने मजबूत बनाया है। कलश यात्रा के बाद हजारों लोगों को प्रसाद खिलाया गया। इस दौरान मनजीत, सत्तू प्रधान, अशोक, सज्जन, मुकेश, दीपक, विनोद, सोनू, धर्मवीर, कर्मबीर समेत कई लोग मौजूद रहे।

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा राष्ट्रीय गौरव और जागरण का प्रतीक : बोधराज सीकरी

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

22 जनवरी 2024 के ऐतिहासिक दिन को रामलला प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर पूरे भारतवर्ष में हर्ष और उल्लास का माहौल है। इसी निमित गुरुग्राम में हुए विभिन्न कार्यक्रमों में बोधराज सीकरी ने शिरकत की।

वे सुबह 7:30 बजे फ्लायर पार्क सुशांत लोक में आयोजित हनुमान चालीसा पाठ में शामिल हुए। वहां बोधराज सीकरी ने कहा कि अयोध्या में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा राष्ट्रीय गौरव के पुन: जागरण का प्रतीक है। इसके बाद वे आरडब्ल्यूए सेक्टर 45 में आयोजित सुन्दरकांड पाठ, कम्युनिटी सेंटर सुशांत लोक सी-ब्लॉक में सुंदरकांड पाठ, हनुमान मंदिर सुशांत लोक में चाय प्रसाद वितरण कार्यक्रम, आर्केड प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में शिरकत की। वहां 2000 से अधिक लोगों के भंडारे की व्यवस्था के साथ-साथ चाय पानी की व्यवस्था की गई। शाम पांच बजे बोधराज सीकरी ने श्री दुर्गा देवी मंदिर प्रताप नगर में शिरकत की व कार सेवकों के बलिदान पर अपना सम्बोधन दिया। शाम 6:30 बजे आदर्श रामलीला क्लब अर्जुन नगर में आयोजित सुंदरकांड पाठ में और फिर श्री श्याम मंदिर न्यू कॉलोनी के कार्यक्रम में शामिल हुए।

गुरुग्राम में हनुमान चालीसा पाठ में शिरकत करते बोधराज सीकरी।

उन्होंने सभी जगह बताया कि राम लला के प्राण प्रतिष्ठा की खुशी में पंजाबी बिरादरी महा संगठन गुरुग्राम 28 जनवरी रविवार को प्रातः ग्यारह बजे दशहरा ग्राउंड न्यू कॉलोनी से एक अत्यंत ही शोभनीय यात्रा निकालेगी। इसमें गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी और महा महामण्डलेश्वर स्वामी धर्म देव जी के कृपा पात्र स्वामी उमानंद जी रथ पर शोभायमान होंगे।

जनमानस के ह्रदय में हुई श्री राम की प्राण प्रतिष्ठा

गुरुग्राम। सामाजिक समरसता समिति के मुख्य संरक्षक एवं भाजपा हरियाणा के प्रदेश उपाध्यक्ष जीएल शर्मा के संयोजन में सदर बाजार के हनुमान मंदिर में सनातन हर्ष महोत्सव आयोजित किया गया। कार्यक्रम में श्रद्धालुओं के लिए बड़ी एलईडी स्क्रीन की व्यवस्था की गई थी। जिस पर अयोध्या के पूरे कार्यक्रम का सीधा प्रसरण दिखाया गया। जैसे ही 12:28 बजे रामलला के विग्रह की प्राणा प्रतिष्ठा का आलौकिक पल आरंभ हुआ, पूरा वातावरण जय श्री राम के जयघोष से गूंज उठा औ देर तक श्री राम के जयकारों से गूंजायमान होता रहा। महोत्सव का शुभारंभ सुबह 9:20 बजे सुंदरकांड के पाठ से हुआ। करीब सवा घंटे तक चले सुदंरकांड पाठ के बाद भजनों से श्री राम जी की महिमा का गुणागान किया गया। आयोजन समिति की ओर से पूरे कार्यक्रक को भव्य रूप प्रदान किया गया था। अपना बाजार के पास सदर बाजार के प्रवेश पर आंगतुकों के लिए स्वागत द्वार बनाया गया था। पूरे बाजार को श्री राम की लड़ियों और भगवा झंडों से सजाया गया।

ताऊ देवीलाल स्टेडियम में हुआ 1008 कुण्डीय यज्ञ

गुरुग्राम। अयोध्या में प्रभु श्रीराम के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा की खुशी में सोमवार को यहां ताऊ देवीलाल स्टेडियम में 1008 कुण्डीय यज्ञ किया गया। यह कार्य शहर की कई संस्थाओं ने एक बैनर तले आकर किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ हरियाणा के प्रांत संघचालक पवन जिंदल ने शिरकत की। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया। साथ ही अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम लाइव दिखाया गया। इसके बाद प्रसाद वितरित किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए पर्यावरण संरक्षण गतिविधि से जुड़े प्रत्येक कार्यकर्ताओं, संगठनों, विद्यालयों, धार्मिक संस्थानों, गैर सरकारी संगठन विश्व हिंदू परिषद, आर्ट ऑफ लिविंग, इस्कॉन, आर्य समाज, गायत्री परिवार, आरपीएस स्कूल, एचएसवी स्कूल, प्रयत्न स्कूल, सेवा सारथी फाउंडेशन, स्मार्टप्रो, एक्यूस्टर, अर्थ ग्रीन फाउंडेशन, रूट एसएपीएस फाउंडेशन, मेरा सहारा फाउंडेशन समेत विभिन्न धार्मिक संगठन के साथ सिख संगत भी अग्रणी रहे। यह कार्यक्रम पूर्णतया भक्तिमय, पर्यावरण पूरक, 1008 हवन कुंड में 1008 यजमान, बड़ी एलईडी स्क्रीन पर अयोध्या का कार्यक्रम प्रमुखता रही। सामाजिक समरसता का यह कार्यक्रम अनूठा उदाहरण बना। कार्यक्रम पूरी तरह से जीरो वेस्ट आधारित रहा।

तपस्वी राम नारायण महाराज लोगों को बांटते रहे बेर

जिस तरह से शबरी ने भगवान राम को बेर खिलाए थे, उसी तरह से गुरुग्राम के सेक्टर-17सी में रहने वाले तपस्वी राम नारायण महाराज ने भी लोगों को बेर बांटे। वे आज भी किसी से कुछ मांगने की बजाय पुरुषार्थ करके अपना पेट पालने में विश्वास रखते हैं। वे शहर में रिक्शा चलाकर अपनी आजीविका कमाते हैं। दो गुलदस्ते लेकर उनमें अपने गुरू श्री श्री 108 महंत नृत्य गोपाल दास जी महाराज की तस्वीर और एक में तिरंगा झंडा लगाकर वे लोगों को राम मंदिर में भगवान राम लला के विराजमान होने की बधाई देते रहे। साथ में उपहार स्वरूप बेर भी बांटते रहे। उनकी एक विशेषता यह भी है कि वे अपनी कमाई और कुछ लोगों से सहयोग से मंदिर बना चुके हैं। उन्होंने 70 फुट ऊंचा शिवजी का मंदिर इसी तरह से बनाया है। वर्ष 2007 में उन्होंने मंदिर का शुभारंभ किया था। पांच साल तक एक समय भोजन उन्होंने किया। अब वे हनुमान जी का मंदिर बनवा रहे हैं, जिसका काम 70 प्रतिशत तक पूरा हो चुकी है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को राम मंदिर की बधाई देते हुए शुभकामनाएं भेजी हैं।

तपस्वी राम नारायण महाराज।

शहर में निकाली गई शोभा यात्राओं में हजारों लोगों ने भाग लिया

एन. रोहिल्ला। सोहना

अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में समूचा शहर भगवान राम के नाम से पूर दिन गूंजता रहा। जगह-जगह किए गए भंडारों में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। शहर में निकाली गई शोभा यात्राओं में हजारों की संख्या में लोगों ने भाग लिया।

सोमवार को 50 हजार की आबादी वाले समूचा शहर में सुबह से ही भगवान राम के नाम का गुणगान होता रहा। शहर का ऐसा कोई बाजार, मार्ग व चौक-चुराहा नहीं बचा। जहा पर भगवान राम के नाम का गुणगान न हो रहा हो। हर दस कदम पर लगी प्रसाद वितरण के स्टाल पर दूध, चाय, हलवा, सब्जी-पूरी आदि के भंडारे पूरे दिन चले। जगह-जगह डीजे लगाकर भगवान राम के नाम की आराधना होती रही।

बाइक-स्कूटी से लेकर चार पहिया वाली गाड़ियों लगे भगवा रंग के झंड़ों से हर और राम ही राम का नाम गूंजा। शहीद भगत सिंह फव्वारा चौक से पुराना अलवर मार्ग पर लोगों को पैदल निकलने के रास्ता तक नहीं मिला। हनुमान बगीची में सुबह सुंदर का पाठ होने के बाद दोपहर 12 बजे लगी स्क्रीन पर लाइव टेलीकॉस्ट दिखाया गया। जिसे देखने के लिए करीब 800 लोगों के बैठने की सुविधा की गई थी

भगवान राम और सीता की झांकियां।

सोहना में निकाली गई शोभा यात्रा।

सोहना में बड़े पर्दे पर अयोध्या से प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम को लाइव देखते हुए लोग।

सोहना के शहीद भगत सिंह फव्वारा चौक पर मिट्टी के दिये बेचती महिला।

सोहना में लगी स्टालों पर प्रसाद वितरण करते हुए।

दो स्थानों से निकली शोभा यात्रा : सोमवार को शहर के वार्ड-18 में स्थित जैन मंदिर और गर्म पानी के चश्मा शिव कुंड से शौभा यात्रा निकाली। जैन मंदिर से जैन समाज द्वारा तथा शिव कुंड से शानदार रामलीला क्लब द्वारा निकाली गई। शौभा यात्राओं में हजारों की संख्या में राम भक्त मौजूद थे। नन्हे बच्चों से लेकर महिलाएं और पुरुषों ने भाग लिया।

सोमवार को प्राण प्रतिष्ठा होने के कारण लोग अपने घर और मौहल्लों में आयोजित प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रमों में ही लगे रहे। जिसके कारण सामान्य बस स्टैंड पर यात्रियों की संख्या नाममात्र रही। बस स्टैंड पर 4 से 5 यात्री ही बसों की इंतजार में बैंठें होते थे। पूरे दिन बसें खाली सीटों के साथ दौड़ती रही।

दिये बेचने वालों की चांदी : सोमवार को प्राण प्रतिष्ठा के इस अवसर पर शाम को अपने घरों पर दिये जालने के लिए उद्देश्य से बाजार से खरीदकर ले गए। शहर में जगह-जगह मिट्टी से बने दिये बेचने वाले बैठें नजर आए।

40 से 45 स्थानों पर भंडारे : सोमवार की सुबह 10 बजे से ही शहर में जगह-जगह प्रसाद वितरण किया गया। सामाजिक कार्यकर्ता और संगठनों ने मिलकर भंडारे चलाए।

सामाजिक संगठन के कार्यकर्ताओं ने घर-घर जाकर कराया जय घोष

सोहना। सामाजिक संगठनों द्वारा भी भगवान राम के नाम का जय घोष करते हुए गली-गली, घर-घर जाकर लोगों के बीच में खुशियां मनाई। शहर की सामाजिक संस्था उन्नति चैरिटेबल के पदाधिकारी बलबीर सिंह गब्दा और बबीता यादव ने अपनी टीम के साथ शहर के विभिन्न कॉलोनियों में जाकर लोगों को भगवान राम के नाम का जाप कराया।

उनकी इस खुशी में छोटें बच्चों से लेकर बड़ों ने साथ दिया। बलबीर सिंह गब्दा ने बताया कि आज दिन भगवान राम के अयोध्या लौटकर आने की खुशी में दीपावली के रुप में मनाया जाएगा। कॉलोनियों में रहने वाले परिवारजनों को भी त्योहार के रुप में मनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होने 1992 के दिन भगवान राम के मंदिर की मांग में कुर्बान होने वालों लोगों को शहीद का दर्जा दिए जाने की मांग। बबीता यादव ने कहा कि आज हुए प्राण प्रतिष्ठा से देशवासियों ने एक युग जीत लिया है। राष्ट्र की एकता की जीत हुई है। 22 जनवरी को पूरे देश को हर वर्ष दीवाली के रूप में मनाने का प्रण लेने की बात कही है।

उन्नति चैरिटैबल के पदाधिकारी और कार्यकर्ता भगवान राम के नाम का जयघोष करते हुए।

राममय माहौल में आम आदमी पार्टी ने कराया सुंदरकांड पाठ

प्रदेश के सभी 22 जिला कार्यालयों पर हुआ आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

आम आदमी पार्टी ने अयोध्या में भगवान श्रीराम लला की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर एक साथ हरियाणा के सभी जिला मुख्यालयों पर भव्य सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया। इस दौरान फरीदाबाद में आम आदमी पार्टी के लोकसभा अध्यक्ष राजेंद्र शर्मा और शहरी जिला अध्यक्ष हरेंद्र भाटी शामिल हुए।

उनके साथ प्रदेश सह सचिव राकेश भड़ाना, प्रदेश सह सचिव प्रवेश मेहता, प्रदेश उपाध्यक्ष महिला मंजू गुप्ता, लोकसभा उपाध्यक्ष संतोष यादव, ब्लाक प्रधान चौधरी चंद्रपाल, पूर्व जिलाध्यक्ष पलवल कौशल ततारपुर, जिला सचिव चौधरी मेहरचंद हरसाना, ओबीसी विंग उपाध्यक्ष देवराज, धर्मबीर भड़ाना, तेजवंत बिट्टू आदि मौजूद रहे। वहीं सभी जिला मुख्यालयों पर हुए कार्यक्रमों में आम जनता से लेकर सभी पार्टियों से जुड़े लोग कार्यक्रमों में पहुंचे। पूरे हरियाणा में प्रदेश के सभी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और बड़ी संख्या में लोगों ने भगवान श्री राम के सबसे बड़े भक्त हनुमान की आराधना की। उन्होंने विद्वान पंडितों के साथ विधिवत सुंदरकांड का पाठ किया और प्रदेश की सुख-शांति और समृद्धि के साथ देश की तरक्की के लिए कामना और प्रार्थना की।

इस भव्य सुंदरकांड का समापन यज्ञ और हनुमान जी की आरती के साथ हुआ। राजेंद्र शर्मा ने कहा कि आम आदमी पार्टी ने प्रदेश की सुख-शांति और तरक्की के लिए पूरे हरियाणा के सभी जिलों में सुंदरकांड का पाठ करवा रही है।

पलवल में रसूलपुर चौक पर हुआ संदरकांड पाठ : पलवल में रसूलपुर चौक स्थित जिला कार्यालय पर जिलाध्यक्ष एडवोकेट चंद्रशेखर रावत व सभी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और बड़ी संख्या में लोगों ने भगवान श्री राम के सबसे बड़े भक्त हनुमान की आराधना की। उन्होंने विधिवत सुंदरकांड का पाठ किया और जिले, प्रदेश और संसार की सुख-शांति और समृद्धि के साथ देश की तरक्की के लिए कामना और प्रार्थना की। इस भव्य सुंदरकांड पाठ मे हनुमान जी द्वारा किये गये महान कार्यों का वर्णन किया। जिला अध्यक्ष एडवोकेट चंद्रशेखर रावत ने कहा कि भगवान श्री राम और भगवान हनुमान का महिमामंडन किया जा रहा है। सभी लोगों को इस प्रोग्राम में आने के लिए आमंत्रित किया है, इसमें जिला पलवल के पलवल, हथीन और होडल विधानसभा के आम आदमी पार्टी कार्यकर्ताओ के साथ-साथ सभी धर्मों के लोग शामिल हुए।

श्री विश्वकर्मा विवि में देखा सीधा प्रसारण

फरीदाबाद। हृदय में श्रद्धा... चेहरे पर उत्साह और मुंह में राम-राम... श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय में सोमवार को ऐसा ही दृश्य नजर आया। अवसर था अयोध्या में श्री राम जन्म भूमि मंदिर में राम लला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के सीधे प्रसारण का। कुलपति डॉ. राज नेहरू एवं कुल सचिव प्रोफेसर ज्योति राणा की उपस्थिति में विश्वविद्यालय के अधिकारियों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों ने मिलकर अयोध्या से इस आयोजन का सीधा प्रसारण देखा। सभी प्रभु राम की भक्ति में रंगे हुए नजर आए।

इस अवसर पर कुलपति डॉ. राज नेहरू ने कहा कि भगवान राम हम सबके आराध्य हैं। वह जीवन के हर आयाम में हमारे आदर्श हैं। उन्होंने मानव जाति को मर्यादा सिखाई और सामाजिक जीवन में सबके सामने आदर्श स्थापित किया। कुलपति डॉ. राज नेहरू ने सभी से भगवान रामचंद्र की शिक्षाओं को अपने जीवन में धारण करने का आह्वान भी किया। साथ ही उन्होंने कहा कि श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के लिए यह दिन इसलिए भी ऐतिहासिक है कि 22 जनवरी 2018 को ही विश्वविद्यालय के नए परिसर निर्माण के लिए इरकॉन के साथ अनुबंध हुआ था। यह दिन हमारे लिए हमेशा यादगार रहेगा। कुलसचिव प्रोफेसर ज्योति राणा ने कहा कि भगवान रामचंद्र का चरित्र हम सबके लिए अनुकरणीय है। हमें उनको अपने जीवन में धारण भी करना चाहिए।

विद्यार्थियों को वैज्ञानिक व गणित की शिक्षा देने वाले संस्थानों का कराया जाएगा भ्रमण

विद्यालय शिक्षा परियोजना परिषद ने पत्र जारी कर दिए आदेश

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

पीएमश्री विद्यालयों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को वैज्ञानिक और गणित उन्मुखी संस्थानों का भ्रमण करने का अवसर मिलेगा। इन विद्यालयों में 10वीं एवं 12वीं कक्षा में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को यह भ्रमण कराया जाना है। इसे लेकर हरियाणा विद्यालय शिक्षा परियोजना परिषद ने पत्र जारी किया है।

प्रदेश के राजकीय विद्यालयों में पढ़ने वाले तकनीकी शिक्षा जैसे रोबोटिक्स, एनिमेशन जैसे आधुनिक विषयों से रूबरू कराने के लिए पीएमश्री योजना की शुरुआत की गई है। योजना में शामिल होने वाले विद्यालयों को सीबीएसई से मान्यता दिलाई गई है। इसके तहत इन विद्यालयों के जीर्णोद्धार के लिए केंद्र सरकार की ओर से 50 लाख रुपये दिए गए हैं। यह विद्यालय की शिक्षा के आधारभूत ढांचे को मजबूत बनाने पर खर्च किए जाने हैं। इन विद्यालयों को पीएमश्री में परिवर्तित किए जाने का मुख्य उद्देश्य छात्रों के गणित एवं विज्ञान के कौशल का विकास करना है। अब इन विद्यालयों के छात्रों में पढ़ने वाले बच्चों को गणित एवं विज्ञान के प्रति बौद्धिक विकास किया जाएगा। इसके तहत वैज्ञानिक स्थलों को भ्रमण कराया जाएगा। इसमें भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, टीएचएसटीआई, केंद्रीय भूजल बोर्ड फरीदाबाद सहित अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों की प्रयोगशालाओं का दौरा कराया जाएगा। वहां पर होने वाले अनुसंधानों के बारे में जानेंगे। इससे छात्रों को वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित होगा। पीएमश्री योजना के तहत स्मार्ट सिटी में एनआईटी दो,

> “ हरियाणा विद्यालय शिक्षा परियोजना परिषद के निर्देश प्राप्त हुए हैं। विद्यालय प्रमुखों को अवगत भी करा दिया गया है। यह भ्रमण छात्रों के कौशल विकास के लिए आवश्यक है। -**आशा दहिया,** जिला शिक्षा अधिकारी

खंदावली और फतेहपुरतगा विद्यालयों को शामिल किया है। वहीं अगले नए शिक्षा सत्र से सागरपुर विद्यालय को भी इसमें शामिल किया जाएगा। इसके लिए विद्यालय शिक्षा परिषद परियोजना ने प्रत्येक छात्र के हिसाब से 800 रुपये का बजट भी जारी किया है। विज्ञान भ्रमण के लिए जिले 450 विद्यार्थी जाएंगे। इसके लिए अध्यापकों को निर्देश दिए गए हैं कि वह अपने यहां के बच्चों से आवेदन मांगे। इसके बाद शिक्षा विभाग विज्ञान पर आधारित संस्थानों के प्रमुख से बात करेगा।

बिजली चोरी पकड़ने गई टीम पर ग्रामीणों ने किया हमला

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

गांव बड़ौली में बिजली चोरी पकड़ने गए दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम की टीम पर ग्रामीणों ने हमला कर दिया। इसमें एसडीओ, जेई और लाइनमैन घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर छानबीन कर रही है।

पुलिस को दी शिकायत में निगम के खेड़ीकलां सबडिवीजन में तैनात एसडीओ सुनील ने बताया, सूचना मिली थी कि गांव बड़ौली में बड़े पैमाने पर बिजली चोरी की जा रही है। इस पर वह जेई अमित, रोहित और लाइनमैन रवि के साथ गांव में पहुंचे। टीम रीना नामक उपभोक्ता के मीटर की जांच कर रही थी, तभी अन्य ग्रामीण आए और बहस करने लगे। देखते ही देखते आरोपियों ने उन्हें पीटना शुरू कर दिया। शोरशराबा सुनकर पहुंचे आसपास के लोगों ने भी टीम की पिटाई करने लगे। आरोपी मीटर जांच का विरोध कर रहे थे। पीड़ितों का दावा है करीब आधे घंटे तक उनकी पिटाई की गई। किसी तरह से एसडीओ ने मामले की सूचना डायल-112 पर दी। पुलिस को देखते ही आरोपी भाग निकले। पुलिस ने दो नामजद सहित अन्य के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

घर छोड़ने से इंकार पर दोस्त को चाकू मारा

फरीदाबाद। ग्रीन फील्ड कॉलोनी में जन्मदिन पार्टी मनाकर घर लौटे रहे युवक ने गांव सारन निवासी दोस्त राहुल को चाकू मारकर घायल कर दिया। राहुल ने आरोपी को अपनी कार से घर छोड़ने से मना कर दिया था। पीड़ित को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूरजकुंड पुलिस केस दर्जकर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में राहुल के पिता विरेंद्र ने बताया, आरोपी मोहित के कहने पर राहुल दोस्त मनीष के साथ ग्रीन फील्ड कॉलोनी स्थित होटल में शशि की जन्मदिन की पार्टी में पहुंचा।

संक्षिप्त समाचार

चौबीसी पाल के प्रधान नारायण सैनी का किया स्वागत

फरीदाबाद। सैनी समाज चौबीसी पाल के प्रधान नारायण सिंह सैनी का गांव अटाली में फूलमाला डालकर और पगड़ी बांधकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर वीर सिंह सैनी, परशुराम सैनी, किशन सिंह सैनी, सैनी समाज अटाली के प्रधान जीतमल सैनी, शेर सिंह सैनी, लहरी सैनी, बदले राम सैनी, पृथ्वी सैनी, गिर्राज सैनी, मास्टर मीर सिंह सैनी, कलुआ सैनी, धर्मवीर सैनी सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे। सैनी समाज चौबीसीपाल के प्रधान नारायण सिंह सैनी ने समाज के लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि समाज के युवाओं को शिक्षित बनाने के लिए पहल की जाएगी। युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि समाज को एकजुट करने के लिए गांव गांव जाकर जनसंपर्क करेंगे। बेटियों को शिक्षित करने के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। युवाओं को स्वरोजगार के लिए प्रेरित किया जाएगा, समाज के उत्थान के लिए कार्य किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि सैनी समाज किसी भी समाज से पीछे नहीं है। समाज के लोग मेहनतकश है और हमेशा लोगों की मदद करने के लिए तत्पर रहते हैं। सैनी समाज में अनेक महापुरुष हुए हैं, जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपना जीवन बलिदान कर दिया। हमें अपने समाज के महापुरुषों के जीवन से प्रेरणा लेने चाहिए।

एनएसएस शिविर में विद्यार्थियों ने सीखीं गतिविधियां

फरीदाबाद। सेक्टर-9 स्थित फरीदाबाद डीसी मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में राष्ट्रीय सेवा योजना विशेष शिविर का सातवां दिन था। इस अवसर पर विद्यालय की वरिष्ठ आईटी विभाग की अध्यक्षा शालू भाटिया ने स्वयंसेवकों को साइबर सेफ्टी विषय पर व्याख्यान दिया और भविष्य में आने वाले खतरों से सतर्क रहने का उपाय बताए। स्वयंसेवकों ने भी सामने आकर अपने विचार व्यक्त किया। सात दिन के इस विशेष शिविर में सभी स्वयंसेवकों ने बहुत सारी गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया तथा समाज में जाकर समाज के साथ मिलकर समाज की उन्नति के लिए किस प्रकार से कार्य किया जाए, इसका प्रशिक्षण लिया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. ज्योति गुप्ता ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्हें भविष्य में सेवा तथा सहयोग के मार्ग पर चलकर समाज और राष्ट्र की सेवा के लिए आगे आने का आह्वान किया। इस प्रकार इस राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर का समापन किया गया।

सरस्वती स्कूल में मनाई मूलचंद मंगला की पुण्यतिथि

पलवल। सरस्वती सीनियर सेकेंडरी स्कूल पलवल में स्वर्गीय मूलचंद मंगला भूतपूर्व विधायक पलवल की पुण्यतिथि पर मेधावी छात्रों को छात्रवृत्ति स्वरूप चेक तथा प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर विद्यालय में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। जिसमें प्रबंध समिति के अध्यक्ष अतुल मंगला, उपाध्यक्ष अनिल मोहन मंगला, महासचिव हेमचंद मंगला, कोषाध्यक्ष यशपाल गुप्ता, दिनेश मंगला सहित प्रबंध समिति तथा नगर के विभिन्न गणमान्य लोगों ने बाबू मूलचंद मंगला के समाज कल्याण के कार्यों को याद करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। छात्राओं द्वारा मधुर श्लोक उच्चारण तथा भजन गायन से सभा को भाव विभोर कर दिया। विद्यालय के प्रधानाचार्य अनिल कुमार ने सरस्वती शिशु मंदिर प्रबंध समिति के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया एवं विद्यार्थियों को सतत परिश्रमी होने का संदेश दिया।

रतन इंस्टीट्यूट में प्राण प्रतिष्ठा पर किया हवन

फरीदाबाद। रतन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, सीकरी, बल्लभगढ़ ने अयोध्या में भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा के शुभ अवसर पर हवन समारोह का आयोजन किया। सभी संकाय सदस्यों को हवन समारोह में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया। अध्यक्ष यशवीर डागर भी उपस्थित हुए। उन्होंने समारोह का नेतृत्व किया। चेयरपर्सन यशवीर डागर समेत सभी लोगों ने हवन किया। भगवान राम के प्रति शुभ सम्मान दिखाने के लिए हवन समारोह का आयोजन किया गया। प्रसाद सभी उपस्थित लोगों और आसपास के सभी लोगों के बीच वितरित किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियां के साथ अनेक शिक्षक मौजूद रहे।

लोगों को घर-द्वार पर ही मुहैया करवाया जा रहा है लाभ :दीपक

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

देश के हर पात्र व्यक्ति को सरकार की योजनाओं से जोड़कर उनका लाभ प्रदान करना विकसित भारत संकल्प यात्रा का लक्ष्य है। इसलिए संकल्प यात्रा लोगों के घर द्वार पर जाकर नागरिकों को इस संबंध में जागरूक कर रही है।

यह वक्तव्य विधायक दीपक मंगला ने इस्लामाबाद के सरकारी स्कूल में नगर परिषद पलवल के वार्ड नंबर- 05, 06 व 07 में विकसित भारत संकल्प यात्रा का स्वागत करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि कोई भी पात्र व्यक्ति योजनाओं के लाभ से वंचित नहीं रहेगा। विधायक दीपक मंगला ने इस दौरान उपस्थित लोगों को विकसित एवं आत्मनिर्भर भारत की संकल्प शपथ भी दिलवाई।

विकसित भारत संकल्प यात्रा में एलईडी वैन पर लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा मुख्यमंत्री मनोहर लाल के संदेशों को सुनकर उत्सुक नजर आ रहे हैं तथा योजनाओं का लाभ उठा चुके लोगों की सक्सेस स्टोरी को भी ध्यान पूर्वक सुन रहे हैं। विकसित भारत संकल्प यात्रा की इस एलईडी वैन के साथ जिला प्रशासन के विभाग अपनी-अपनी स्टाल लगाकर लोगों को अपने-अपने विभागों द्वारा लोगों के हित के लिए चलाई जा रही तमाम जनकल्याणकारी योजनाओं से अवगत करवा रहे हैं और मौके पर ही लोगों के दस्तावेज देखकर पात्रता की जांच करके लाभ भी प्रदान कर रहे हैं। इन कार्यक्रमों में पेंशन, राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, फैमिली आईडी, आधार कार्ड, प्रोपर्टी आईडी जैसे जरूरी दस्तावेजों को बनाया जा रहा है और उनमें व्याप्त त्रुटियों को भी दूर किया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग जांच शिविर लगाकर लोगों के स्वास्थ्य की जांच कर रहा है और कृषि विभाग किसानों को नैनो यूरिया तथा अन्य खरपतवारों को नष्ट करने के लिए खेत में छिड़काव करने के उद्देश्य से बनाया गया नमो दीदी ड्रोन का परीक्षण भी करवा रहे हैं। इस मौके पर अनेक लोग मौजूद रहे।

एकॉर्ड अस्पताल ने भतौला में चलाया स्वच्छता अभियान

शहर को गंदगी से कराएं मुक्त

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

अयोध्या के राम मंदिर में भगवान श्रीराम की प्राण-प्रतिष्ठा को लेकर ग्रेटर फरीदाबाद सेक्टर-86 स्थित एकॉर्ड अस्पताल की तरफ से गांव भतौला में सफाई अभियान चलाया गया। जिसमें विधायक राजेश नागर, नरेंद्र गुप्ता और अस्पताल चेयरमैन डॉ. प्रबल रॉय मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

विधायक राजेश नागर और नरेंद्र गुप्ता ने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन अभियान को प्रभावी तरीके से लागू करने के लिए हम सभी को मिलकर अपनी सहभागिता इसमें सुनिश्चित करनी होगी, तभी यह अभियान सफल हो सकेगा। स्वच्छता के लिए हमें स्वयं पहल कर दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करना है। डॉ. प्रबल ने कहा कि हम सभी के सहयोग से फरीदाबाद को क्लीन और ग्रीन सिटी बनाने का सपना साकार होगा।

एकॉर्ड अस्पताल की टीम सुबह नौ बजे गांव भतौला पहुंची। जिसमें कार्डियोलॉजी डिपार्टमेंट के चेयरमैन डॉ. ऋषि गुप्ता, नेफ्रोलॉजी डिपार्टमेंट चेयरमैन डॉ. जितेंद्र कुमार और मार्केटिंग प्रमुख संदीप मौजूद रहे। टीम ने गांव में रैली निकाल कर लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। इसके बाद विधायक ने टीम के साथ मिलकर गांव की झाड़ू लगाकर सफाई की। जगह जगह लगे कूड़े के ढेर को साफ किया गया। नालियों को साफ कराया गया। डॉ. जितेंद्र कुमार ने कहा कि फरीदाबाद क्लस्टर के लिए ठोस कूड़ा प्रबंधन प्लांट स्थापित होने के बावजूद कूड़े की डंपिंग की समस्या बनी हुई है। नगर निगम द्वारा तो काफी हद तक अच्छा कार्य किया जा रहा। डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन किया जा रहा, लेकिन लोगों के सहभागिता की काफी कमी नजर आ रही है। लोगों के सहयोग से निश्चित रूप से शहर को साफ-सुथरा बनाने में मदद मिलेगी।

उन्होंने लोगों से अनुरोध किया कि वे स्वच्छता अभियान में शामिल होकर शहर को गंदगी मुक्त और सुंदर बनाने में अपना सहयोग दें। इस मौके पर ग्रामीण छत्रपाल सहित अनेक लोग मौजूद रहे। अस्पताल प्रबंधक ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम आगे भी जारी रहेंगे। इस बेहतर कार्य के लिए ग्रामीणों के साथ विधायक ने एकॉर्ड अस्पताल प्रबंधन का आभार व्यक्त किया।

राम आगमन पर नवजात और परिजनों के खिले चेहरे

फरीदाबाद। अयोध्या में राम जन्मभूमि स्थल पर विशाल राम मंदिर निर्माण प्राण प्रतिष्ठा के साथ ही पूरे देश में राम के नाम का माहौल बनाने में सामाजिक संगठन पलवल डोनर्स क्लब ज्योतिपुंज द्वारा छोटे बड़ों के चेहरे पर खुशी लाने का प्रयास किया गया। इसके तहत संस्था ने श्री राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा के पावन पर्व के अवसर पर नागरिक अस्पताल में नवजात नन्हे बच्चों, उनके परिजनों और अस्पताल के कर्मचारियों के चेहरों पर खुशी लाने का प्रयास किया।

कार्यक्रम का संयोजन क्लब के संयोजक विकास मित्तल और सहसंयोजक अल्पना मित्तल ने किया। इस अवसर पर सभी नवजात शिशुओं को गर्म वस्त्र, डायपर और अस्पताल में उपस्थित कर्मचारियों को श्री राम मंदिर के निमंत्रण अक्षत एवं पांच-पांच दीपक वितरित किए गये। जिसे पाकर बच्चों के परिजनों और कर्मचारियों के चेहरे खिल उठे। कार्यक्रम संयोजक विकास मित्तल और अल्पना मित्तल ने सभी को श्री राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा के पावन पर्व की शुभकामनाएं देते हुए बताया कि समाज में आपसी सहयोग एवं परोपकार की भावना से अभावों एवं निराशा के अंधकार को दूर किया जाए, तभी वास्तविक खुशी मिलती है। यदि हमारे थोड़े से प्रयास से किसी के चेहरे पर कुछ समय के लिए मुस्कान आती है तो इससे एक खुशी का एहसास होता है।

पृथला के बेहतर भविष्य को लेकर लड़ूंगा विधानसभा चुनाव

पूर्व चेयरमैन सुरेंद्र तेवतिया ने लिया निर्णय

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

पृथला विधानसभा क्षेत्र के समाजसेवी एवं पूर्व चेयरमैन सुरेंद्र तेवतिया के मच्छगर स्थित कार्यालय पर कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया। जिसमें क्षेत्र के 104 गांवों के मौजिज लोगों ने हिस्सा लिया। सम्मेलन में गांवों के मौजिज लोगों ने सर्व सम्मति से सुरेंद्र तेवतिया को पृथला क्षेत्र से चुनाव लड़ाने का निर्णय लिया। सम्मेलन में उपस्थित लोगों ने हाथ उठाकर सुरेंद्र तेवतिया को अपना उम्मीदवार चुना और उन्हें विश्वास दिलाया कि इस चुनावी रण में क्षेत्र की जनता उनके कंधे से कंधा मिलाकर चलेगी।

क्षेत्र की सरदारी द्वारा लिए गए इस निर्णय को सुरेंद्र तेवतिया ने सहर्ष स्वीकार करते हुए कहा कि उनके लिए समाज का आदेश सर्वोपरि है, इसलिए वह इस निर्णय का सम्मान करते हैं और चुनावी मैदान में मजबूती से उतरेंगे। सम्मेलन में उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए सुरेंद्र तेवतिया ने कहा कि वह पिछले 30 वर्षो से सक्रिय राजनीति में रहकर लोगों की सेवा में समर्पित है और पृथला क्षेत्र उनका परिवार है। उन्होंने एक लायक बेटे की तरह क्षेत्र के लोगों के सुख-दुख में अपनी भागीदारी निभाई है, लेकिन उन्हें बहुत दुख होता है, जब क्षेत्र का युवा रोजगार के लिए धक्के खाता नजर आता है, क्योंकि पृथला क्षेत्र एक औद्योगिक हब के रूप में विकसित हो रहा है। ऐसे में यहां रोजगार की अपार संभावनाएं है, लेकिन क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों की अनदेखी के चलते युवा धक्के खाने को विवश है।

श्री तेवतिया ने कहा कि अगर क्षेत्र की जनता ने उन्हें अपना आशीर्वाद देकर चंडीगढ़ भेजा तो युवाओं को रोजगार दिलवाना उनकी पहली प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि वह पिछले दस सालों से पृथला क्षेत्र के कोने-कोने में घूम चुके हैं और क्षेत्र की समस्याओं से भली भांति परिचित है। ऐसे में इस क्षेत्र की विकास की धुरी को वह पहचान चुके है, अगर जनता ने मौका दिया तो वह योजनाबद्ध तरीके से इस क्षेत्र का विकास करेंगे। इसके अलावा पृथला क्षेत्र को विकास के मामले में हरियाणा ही नहीं अपितु भारत की सबसे विकसित विधानसभा बनाना उनका लक्ष्य रहेगा और छत्तीस बिरादरी को साथ लेकर वह इस लक्ष्य को पूरा करने की दिशा में कार्य करेंगे। सुरेंद्र तेवतिया ने सम्मेलन में आए गणमान्य लोगों का आभार जताते हुए कहा कि जब समाज ने उन्हें चुनाव लड़ाने का आदेश दे ही दिया है तो अब वह चुनाव किस पार्टी से लड़ेंगे या फिर निर्दलीय रूप से लड़ेंगे, यह निर्णय भी वह समाज के ऊपर छोड़ते है, जो आदेश होगा, वह उसी के अनुरूप आगे बढ़ेंगे। इस मौके पर तेवतिया पाल के प्रधान बिजेंद्र सिंह, प्रेम दलाल, भिडूकी की सरपंच शशिबाला तेवतिया, डॉ. पप्पू सरपंच, चौधरी वेदपाल सरपंच, ओमप्रकाश धनखड़, भूपेश रावत, रणजीत थानेदार आदि मौजूद थे।

सीएम फ्लाइंग ने पकड़ा नकली पतंजलि घी

फरीदाबाद। मुख्यमंत्री उड़नदस्ते की टीम ने अग्रसेन चौक के पास सीही रोड स्थित गोपाल किराना स्टोर से नकली देसी घी व अन्य खाद्य सामग्री पकड़ी। उड़नदस्ते के डीएसपी मनीष सहगल के नेतृत्व में एसआई सतबीर सिंह, राजेंद्र कुमार, सिपाही राजीव ने कंपनी द्वारा नियुक्त जांच अधिकारी मुकेश व खाद्य निरीक्षक डॉ. सचिन को साथ लेकर गोपाल किराना स्टोर की जांच शुरू की थी।

टीम को मौके पर सेक्टर-तीन निवासी गौरव सिंगला मौजूद मिला। टीम ने मिल्कफूड व पतंजलि कंपनी के देसी घी के डिब्बों की जांच शुरू की। शक के आधार पर डॉ. सचिन ने डिब्बों से घी का नमूना लिया। जांच में पतंजलि घी के मौजूद डिब्बों का मिलान करने के बाद कंपनी अधिकारी से राय ली गई।

पश्चिम एशिया में शांति

अमेरिका-इज़राइल मतभेद

अमेरिका-इज़राइल संबंधों में दरार बढ़ने से पश्चिम एशिया में शांति की संभावना कमजोर हो गई है। इज़राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतनयाहू ने स्पष्ट रूप से वर्तमान युद्ध समाप्त होने पर फिलिस्तीनी राज्य गठन को अनुमति देने का विचार खारिज कर दिया है। इस जिद्दी दृष्टिकोण से न केवल इज़राइल-फिलिस्तीन संघर्ष के शीघ्र समाधान की उम्मीद टूटी है, बल्कि इज़राइल और उसके सहयोगी अमेरिका के बीच बढ़ती खाई का भी संकेत मिलता है। बढ़ते मानवीय संकट के बीच इस बयान से दशकों से चल रही इस वैश्विक समस्या के निदान पर दुनिया भर का ध्यान आकर्षित हुआ है। अपने मजबूत व कट्टरपंथी दृष्टिकोण के लिए जाने जाने वाले नेतनयाहू ने जोर दिया है कि फिलिस्तीन राज्य की स्थापना से इज़राइल के सुरक्षा हित तथा क्षेत्रीय अखंडता प्रभावित होगी। यह न केवल उनके पहले के दृष्टिकोण से विचलन है, बल्कि अन्य इज़राइली नेताओं द्वारा अपनाये दृष्टिकोण के भी विपरीत है जिन्होंने समय-समय पर द्विराष्ट्र समाधान के लिए चर्चाओं में भाग लिया है। नेतनयाहू के बयान से समस्या और जटिल हो गई है। लेकिन अमेरिका की पश्चिम एशिया नीति में परिवर्तन से नेतनयाहू का गाजा अभियान प्रभावित हो सकता है। ऐतिहासिक रूप से अमेरिका इज़राइल का प्रमुख सहयोगी रहा है और उसने उसका समर्थन किया है। लेकिन इज़राइल-फिलिस्तीन टकराव पर अब उनके मतभेद सामने आ गए हैं। नेतनयाहू द्वारा फिलिस्तीनी राज्य का विचार अस्वीकार करने के बाद तनाव और बढ़ गया है क्योंकि इससे अमेरिका का दृष्टिकोण प्रभावित हुआ है जिसने द्विराष्ट्र समाधान पर अपनी स्थिति मजबूत की थी।

इज़राइली और अमेरिकी दृष्टिकोणों में अंतर से राजनयिक पहलों के लिए चुनौती पैदा हो गई है। इससे क्षेत्र में शांति स्थापित करने के बाइडेन के प्रयासों को धक्का लग सकता है। यदि अमेरिका इज़राइल की सहायता करना बंद कर दे तो वह बातचीत की मेज पर आ सकता है। नेतनयाहू द्वारा फिलिस्तीन राज्य का विचार अस्वीकार करने से न केवल इज़राइल-अमेरिका संबंध प्रभावित हो सकते हैं, बल्कि इससे क्षेत्रीय शांति के बारे में भी चिन्ता पैदा होती है। यह मुद्दा पश्चिम एशिया में लंबे समय से टकराव का कारण बना हुआ है जिसका प्रभाव पड़ोसी देशों तथा वैश्विक भूराजनीति पर पड़ता है। युद्ध पहले ही क्षेत्रीय सीमाओं के बाहर जा रहा है और अब इसके वैश्विक विभीषिका बनने का खतरा पैदा हो गया है। व्यापार मार्गों में बाधा के कारण तनाव बहुत बढ़ गया है और इससे दुनिया में भूख और गरीबी बढ़ रही है। लाल सागर भारत और अन्य एशियाई देशों के लिए महत्वपूर्ण व्यापार मार्ग है और इससे भारत का अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रभावित हो सकता है। यदि युद्ध का विस्तार होता है तो इससे सप्लाई श्रृंखलायें बाधित होंगी तथा पूरी दुनिया को प्रभावित करने वाला संकट पैदा होगा। क्षेत्रीय शांति का भविष्य राजनयिक पहलों, संवाद तथा समान आधार तलाशने की प्रतिबद्धता पर निर्भर है। एकपक्षीय रूप से फिलिस्तीनी राज्य का विचार खारिज करने से शांतिपूर्ण समाधान की दिशा में प्रगति बाधित होगी तथा तनाव बढ़ेगा। उम्मीद है कि अंतरराष्ट्रीय शक्तियां मध्यस्थता में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हुए संवाद को प्रोत्साहित करेंगी ताकि टकराव के मूल कारणों को संबोधित किया जा सके। इनमें अमेरिका तथा पड़ोसी अरब देश शामिल हैं। क्षेत्रीय शांति का भविष्य विश्व शक्तियों की क्षमता पर निर्भर है कि वे संबंधित पक्षों पर दबाव डाल कर उनको संवाद के लिए तैयार कर सकें। इससे इज़राइल-फिलिस्तीन टकराव के समग्र समाधान की दिशा में प्रगति संभव होगी।

अयोध्या में नवीन सूर्योदय के निहितार्थ

अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा के साथ भारत में आधुनिक हिंदू राष्ट्र ऐतिहासिक रूप से उभर रहा है। भारत पहले की तुलना में अधिक विश्वास से भरा, प्रगति पथ पर अग्रसर तथा सांस्कृतिक विरासत को समाहित कर रहा है।

प्रफुल्ल गोराडिया
(लेखक, पूर्व राज्यसभा सदस्य हैं)

सोमवार 22 जनवरी, 2024 को सूर्योदय के साथ भारत एक आधुनिक हिंदू राज्य बन गया है। अतीत पर गौर करें तो स्पष्ट होगा कि उत्तर भारत हिंदू शासन से बहुत पहले अलग हो गया था। विडंबना है कि इसका कारण हिंदू आदर्श 'क्षमा वीरस्य भूषणम' रहा है, अर्थात क्षमा करना वीरों का गुण है। लेकिन ऐतिहासिक रूप से देखें तो हिंदू समाज और राजाओं द्वारा इस गुण का पालन करने के विपरीत परिणाम निकले। 1191 में वर्तमान समय में हरियाणा में स्थित तराइन के युद्ध में दिल्ली के शासक पृथ्वीराज चौहान ने तुर्क हमलावर मुहम्मद शहाबुद्दीन गोरी को पराजित कर दिया था, लेकिन जल्द ही पराजित सेना द्वारा क्षमा मांगने के बाद उन्होंने गोरी को क्षमा कर दिया। इसके साथ ही उन्होंने मुहम्मद गोरी को उसके मूल देश अफगानिस्तान लौटने की भी अनुमति दे दी। लेकिन आक्रमणकारी गोरी ने अपने देश लौटने के बाद अगले साल फिर और ज्यादा सैनिक तैयारी कर पुनः हमला किया और तराइन युद्धक्षेत्र में उसका फिर पृथ्वीराज चौहान से मुकाबला हुआ। संयोग है कि इस युद्ध में पृथ्वीराज चौहान पराजित हुए और गोरी ने उनको बंदी बना लिया।

दुष्ट मुहम्मद गोरी ने पराजित पृथ्वीराज चौहान पर भयानक अत्याचार किए और उनकी आंखें फोड़ दीं और उनको मार डाला। पृथ्वीराज चौहान का शासन समाप्त होने के बाद दिल्ली में हिंदू शासन का अंत हो गया। विदेशी आक्रमणकारियों ने भारतीय संस्कृति व सभ्यता नष्ट करने के सुनियोजित प्रयास किए जिनके दुष्परिणाम आगे आने वाले सालों में पूरे भारत को भुगतने पड़े। इसके बाद दिल्ली में कुतुबुद्दीन एबक का 'सुल्तान शासन' स्थापित हो गया और हिंदू दिल्ली के सिंहासन पर फिर कब्जा नहीं कर सके। लेकिन विदेशी आक्रमणकारियों व विधर्मी आततायियों के अत्याचारों के बावजूद भारत में हिंदू संस्कृति सौभाग्य से दक्षिण भारत के अनेक भागों में फलती-फूलती रही। दक्षिण भारत के अनेक भागों तथा असम में हिंदू संस्कृति के दीपक अनेक समस्याओं के बावजूद जलते रहे। लेकिन इनके अलावा बाकी भारत को इस्लामी शासकों ने अपने पैरों से रौंदने का प्रयास किया। भारत के बड़े भूभाग पर इस्लामी विजेताओं के कब्जे के भयानक दुष्परिणाम सामने आए। अंग्रेजों के चले जाने के बाद भी आज तक भारत के पड़ोसी पाकिस्तान और बांग्लादेश आधिकारिक रूप से अपने इस्लामी संविधानों पर चल रहे हैं।

दिखावे के लिए भारत एक 'सेक्युलर' देश बन गया और उसने 'वसुधैव कुटुम्बकम', अर्थात पूरी दुनिया एक परिवार है, आदर्श के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रकट की। नेहरू-गांधी परिवार के संस्थापक जवाहरलाल नेहरू ने बहुत गर्व से कहा था कि वे 'संस्कृति से मुसलमान, पालन-पोषण से अंग्रेज तथा केवल जन्म के संयोग से हिंदू' थे। नेहरू का परिवार आज भी सत्ता में लौटने के सपने देख रहा है, लेकिन सत्ता के अनेक अन्य दावेदार भी हैं। हालांकि, अब समय बदल गया है और भारत की बहुसंख्य जनता एक सच्चे हिंदू शासक के पक्ष में है। भारत की जनता अब 'हिंदू राज्य' में 'हिंदू शासक' चाहती है और उसे इसका अधिकार है। आज देश की जनता गैर-हिंदू शासकों का कोई मिश्रण नहीं चाहती है, भले ही उस पर कोई लेबिल लगा हो। इस इच्छा को फलीभूत करने के लिए संविधान में परिवर्तन जरूरी है। वैसे भी संविधान में लंबे समय से मूलभूत परिवर्तन की आवश्यकता अनुभव की जा रही है। संविधान का वर्तमान स्वरूप आजादी के फौरन बाद काफी जल्दबाजी में स्वीकार किया गया था। देश के विद्वान विधि विशेषज्ञों के समक्ष आजादी के समय गवर्नमेंट आफ इंडिया एक्ट, 1935 मौजूद था जिसे ब्रिटिश संसद ने अपने सबसे बड़े उपनिवेश भारत पर बेहतर शासन के लिए पास किया था। निश्चित रूप से अंग्रेजों ने गवर्नमेंट आफ इंडिया एक्ट किसी नए देश के विकास या उसके प्रशासन के उद्देश्य से नहीं लिखा था। अंग्रेजों ने धर्म के आधार पर भारत का विभाजन करने की परिस्थितियां तैयार कीं और अंततः वे इसका विभाजन करने में सफल हुए।

धर्म के आधार पर विभाजित भारत का छोटा हिस्सा इस सीमा तक इस्लामवाद को स्वीकार करने तक गया कि उसने अपनी संप्रभुता धरती पर किसी चीज के बजाय 'अल्लाह' को समर्पित कर दी। 1935 के गवर्नमेंट आफ इंडिया एक्ट ने ब्रिटिश राजा के प्रति संप्रभुता प्रकट की थी। इसमें अनुच्छेद 25 से लेकर 30 तक आज भी इस प्रकार लिखे लगते हैं जैसे वे मुस्लिम लीग के लिए लिखे गए थे ताकि वह देश के विभाजन पर जोर न दे। भारतीय संविधान को बहुत जल्दबाजी में तैयार किया गया था जिसका प्रमाण इस तथ्य से मिलता है कि उसमें अब तक 140 बार संशोधन किए गए हैं। हालांकि, कुछ मूल हिंदू आकांक्षाओं को भारतीय संविधान में राज्य नीति के निर्देशक सिद्धान्तों में शामिल किया गया है। लेकिन इनको मूलाधिकार की तरह लागू नहीं किया जा सकता है। इन नीति निर्देशक सिद्धान्तों में गौवध निषेध, समान नागरिक संहिता का क्रियान्वयन, आदि शामिल हैं। इसमें समानता पर आवश्यकता से अधिक जोर दिया गया है। लेकिन 'समानता' का सिद्धान्त उस समय निरर्थक सिद्ध हो जाता है जब वह किसी पुरुष को चार पत्नियां रखने की अनुमति तो देता है, लेकिन किसी महिला के एक से अधिक पति नहीं हो सकते हैं। हर संविधान में संशोधन के प्राविधान होते हैं। यदि कोई परिवर्तन इतना बड़ा हो कि उसके लिए पूरे दस्तावेज को पुनः लिखने की आवश्यकता हो तो ऐसा किया जा सकता है और किया जाना चाहिए। जर्मनी और फ्रांस वर्तमान समय में अपने पांचवें राज्य स्वरूप में हैं, फिर भारत क्यों 'दूसरा राज्य' नहीं बन सकता है?

भारत की स्थितियों पर गौर करें तो स्पष्ट होगा कि पूरे दस्तावेज की समीक्षा की आवश्यकता सामने है, केवल इसके अनुच्छेदों में संशोधन काफी नहीं है और पश्चिमी देशों की तरह हमें पूर्णतः नए संविधान की आवश्यकता है। 'समानता' की अवधारणा पर भी अनेक विवाद हैं। उदाहरण के लिए, ईसाइयत की भावना समानता की अनुमति दे सकती है क्योंकि ईश्वर ने सभी पुरुषों को समान बनाया है। इससे अलग हट कर हिंदू विश्व दृष्टिकोण 'जीवात्मा' या कोई व्यक्ति केवल ऊपर से आया एक अंश है और अंततः एक दिन उसे 'परमात्मा' में समाहित हो जाना है। किसी का भाग्य उसके कर्मों पर निर्भर करता है और दो व्यक्तियों के कर्म समान नहीं हो सकते हैं।

संविधान एक प्रकार के संस्थान हैं जिनकी खोज ईसाई दुनिया ने की थी। अन्य संस्कृतियों ने स्वयं को उनके अनुसार केवल बदला है। यूरोप के अधिकांश स्थल पर चर्च का स्वामित्व था और उसकी शक्ति असाधारण थी। फ्रांस के संविधान ने राष्ट्रीय असेम्बली में एक सदन 'एबटों' और 'बिशपों' को आबंटित कर दिया था, इस प्रकार राज्य के भीतर ईसाई धर्मगुरुओं की शक्ति बहुत अधिक थी। इस कारण समय बदलने के साथ यूरोप में ऐसी स्थिति आ गई जब राज्य और चर्च को अलग करना पड़ा। इसके आधार पर 'सेक्युलरवाद' को उचित ठहराया गया। पैगंबर मूसा के 'दस आदेशों' में मूर्ति पूजा का निषेध किया गया है। इसके साथ ही किसी विश्वासी को ईश्वर की झलक पाने तक का अधिकार नहीं है। लेकिन हिंदू विचारधारा इसके उलट है जहां किसी भक्त के लिए ईश्वर का दर्शन करने से बड़ा कोई आनन्द नहीं है। इस प्रकार हिंदू विचारधारा में 'सेक्युलरवाद' या पंथनिरपेक्षता का कोई स्थान नहीं है।

वैसे भी भारत में व्यवहृत 'सेक्युलरवाद' का अर्थ एक प्रकार से कुछ को वरीयता देना हो गया है। हिंदू मंदिरों का पैसा सरकार के पास जाता है, जबकि वह देश में चर्चों या मस्जिदों को छू तक नहीं सकती है। इसके उलट भारत में कुछ राज्य सरकारों ने 'अल्लाह के पुजारियों' को अपनी ओर से वेतन देना शुरू कर दिया है। चाहे हम अपने दूसरे संविधान को 'दूसरा गणतंत्र' कहें या नहीं, हमें निश्चित रूप से अपने संवैधानिक ढांचे की समीक्षा की आवश्यकता है। ऐसा करने पर हमारी जनता को अपनी पूर्ण प्रतिभा प्रकट करने का अवसर मिलेगा।

दिमाग को खोलने में शिक्षा की भूमिका

> “शिक्षा की भूमिका शिक्षार्थी के लिए आविष्कार और खोज की संभावनाएं पैदा करने में महत्वपूर्ण है।”

साक्षी सेठी
(लेखिका, शिक्षा प्रदाता हैं)

कला शिक्षा की आधारशिला है और स्व-चित्र रचनात्मकता और आत्म-अभिव्यक्ति को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। लगातार बदलती दुनिया में, रचनात्मकता अब एक विलासिता नहीं बल्कि एक आवश्यकता है।

सर केन रॉबिन्सन के शब्दों में रचनात्मकता मूल विचारों को रखने की प्रक्रिया है जिनका मूल्य है। जीवंत दुनिया में, कल्पना तब तक महान नहीं बनती जब तक मनुष्य साहस और शक्ति देकर इसका उपयोग सृजन में नहीं करता। यह केवल ज्ञान प्राप्त करने के बारे में नहीं है, बल्कि यह सृजन, नवप्रवर्तन और सीमाओं से परे सपने देखने का साहस पैदा करने के बारे में है। युगों से, मनुष्यों में जिज्ञासु होने की प्रवृत्ति रही है, लेकिन कठोर संरचना, अनिवार्य पाठ्यक्रम और मानकीकृत परीक्षण ने अक्सर उनकी प्राकृतिक रचनात्मकता को खत्म कर दिया है, जिससे सीखने वाला यथास्थिति से आगे बढ़ने के लिए अनिच्छुक हो जाता है।

प्रत्येक बच्चा एक निर्माता है और एक रचनात्मक पाठ्यक्रम विकसित करने से युवा दिमागों को लीक से हटकर सोचने और उनकी कल्पना और नवीनता को जगाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। जब बच्चों को रचनात्मक रूप से सोचने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, तो वे चुनौतियों का सामना अनोखे और प्रभावी तरीके से करना सीखते हैं। इससे उन्हें खुद को और अधिक समृद्ध ढंग से अभिव्यक्त करने में मदद मिलती है। कला, संगीत और कहानी कहने के माध्यम से, वे अपने विचारों और भावनाओं को विविध और गहन तरीकों से संप्रेषित करना सीखते हैं। रचनात्मकता आत्मविश्वास पैदा करती है, क्योंकि

बच्चे अपने विचारों और क्षमताओं पर भरोसा करना सीखते हैं। अक्सर यह माना जाता है कि रचनात्मकता वंशानुगत होती है और व्यक्ति के वातावरण से इसमें वृद्धि होती है। एक व्यक्ति जो ऐसी जगह पर रहता है जहां संगीत जीवन का एक तरीका है, इस बात की अधिक संभावना है कि वे सीखने की अंतर्निहित इच्छा के साथ बड़े होंगे जो उन्हें इसमें बहुत अच्छा करने के लिए तैयार करेगी। वास्तव में, रचनात्मकता की कला को कम उम्र में ही सामने लाया जाना चाहिए, ऐसा करने से सीखने वाले को इसे निखारने के लिए अधिक समय मिलेगा ताकि वह अपने करियर और उद्योग को फलदायी रूप से चुन सके।

रचनात्मक कौशल उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि रचनात्मक दृष्टिकोण। आज रचनात्मक विचारों और कार्यों को विकसित करने के लिए डीएफईएस और अन्य प्राथमिक विद्यालयों द्वारा रचनात्मकता के साथ-साथ नवाचार को भी वैध बनाया गया है। ऐसा माना जाता है कि सीखने की प्रक्रिया के केंद्र में रचनात्मकता वाला स्कूल कर्मचारियों और उसके शिक्षार्थियों की प्रेरणा को बढ़ाकर लाभान्वित होगा। अन्य शैक्षणिक संस्थानों के साथ-साथ अधिक से अधिक स्कूलों को बच्चों को रचनात्मक अनुभवों की एक बड़ी विविधता प्रदान करने की आवश्यकता है क्योंकि जिस दुनिया में हम रहते हैं वह लगातार नए विचारों, प्रौद्योगिकी और अवधारणाओं का विकास कर रही है जो भविष्य के लिए एक महत्वपूर्ण तत्व हैं और साथ ही एक रचनात्मक संकट का समाधान करती है।

याद रखें, शिक्षा का लक्ष्य ज्ञान की मात्रा बढ़ाना नहीं है, बल्कि शिक्षार्थी के लिए आविष्कार और खोज करने की संभावनाएं पैदा करना है, ऐसे लोगों का निर्माण करना है जो किसी भी परिस्थिति में नई चीजें करने में सक्षम हों।

ऐसी दुनिया में जहां नए विचार, तकनीक और अवधारणाएं लगातार उभर रही हैं, रचनात्मकता को बढ़ावा देना केवल भविष्य की तैयारी का साधन नहीं है; यह रचनात्मक संकट का समाधान है। शिक्षा का अंतिम लक्ष्य केवल ज्ञान प्राप्त करना नहीं है, बल्कि शिक्षार्थियों के लिए आविष्कार और खोज करने की संभावनाओं का निर्माण करना है, जिससे वे किसी भी परिस्थिति में नई चुनौतियों से निपटने में सक्षम हो सकें।

जैसे-जैसे हम 21वीं सदी की जटिलताओं से जूझ रहे हैं, यह जरूरी है कि हम शिक्षा में रचनात्मकता को प्राथमिकता दें, ऐसे व्यक्तियों को आकार देने में इसकी परिवर्तनकारी शक्ति को स्वीकार करें जो एक गतिशील और लगातार विकसित हो रही दुनिया में सार्थक योगदान दे सकें।

आप की बात

भाव विभोर भारत

सदियों के संघर्ष के बाद श्रद्धालुओं के ह्रदय में बसे भगवान राम ने राम मंदिर में प्रतिष्ठित होकर आशंकाओं पर पूर्णविराम लगा दिया। सरयू के पावन तट पर बसी अयोध्या नगरी के ह्रदय स्थल में अवतार लेने वाले भगवान श्रीराम अब पुनः बहुत धूमधाम से जन्म-जन्मांतर के लिए स्थापित हो गए। इससे पूरा भारत भाव विभोर, भाव विह्वल व राममय हो गया है। भगवान राम की अयोध्या भव्य व दिव्य मंदिर के साथ ही देश की संस्कारिक व सांस्कृतिक विरासत की वाहक आकर्षक व मनमोहक पर्यटन व तीर्थ नगरी बन गई है। आजादी के बाद भी दशकों से राम मंदिर के लिए संघर्षरत जीवित व दिवंगत कारसेवकों की आत्मा इस अलौकिक अवसर का आनन्द उठा रही है। भगवान राम का दिव्य और भव्य मंदिर देश-दुनिया के सभी हिंदुओं के साथ ही अनेक अन्य धर्मावलंबियों के लिए आकर्षण, श्रृद्धा एवं प्रतिबद्धता का प्रतीक बनने जा रहा है। एक प्रकार से यह भारत राष्ट्र का मंदिर है। भव्य राम मंदिर निर्माण के साथ ही अयोध्या व आसपास का विकास देख कर यहां आने वाले सभी लोग अभिभूत हैं। आने वाले समय में निश्चित ही अयोध्या दुनिया के सबसे सुंदर, पवित्र व पर्यावरणीय दृष्टिकोण से समृद्ध नगरों में शामिल होगी। इससे लाखों लोगों की भौतिक प्रगति भी सुनिश्चित होगी।

– **शकुंतला महेश नेनावा,** इंदौर

राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा

पांच सौ वर्ष के वनवास के बाद अयोध्या में अपने जन्मस्थान में बन रहे भव्य राम मंदिर में आज रामलला विराजमान हुए। हमारे देश में एक से बढ़कर एक कार्यक्रम होते हैं, मगर अयोध्या का कार्यक्रम अपने आप में विशिष्ट है क्योंकि इसमें प्रधानमंत्री से लेकर सभी क्षेत्रों के विशिष्ट लोगों, नेताओं, अभिनेताओं, अभिनेत्रियों, खिलाड़ियों, गायकों व सभी पंथों व विचारधाराओं के संत महात्मा एक साथ पहुंचे। इतना बड़ा समागम पहले शायद ही कभी हुआ होगा। कुछ राजनीतिक दलों को इस भव्य कार्यक्रम से अपने पैरों तले जमीन खिसकती हुई नजर आ रही है। विपक्षी दलों का कार्यक्रम में नहीं आना खुद उनके लिए ही राजनीतिक दृष्टि से नुकसानदायक होगा। संकुचित राजनीतिक व चुनावी दृष्टिकोण से सरकार और धर्म को अलग करना उचित नहीं है। भगवान राम, भगवान कृष्ण, रामायण और गीता आदर्श भारतीय शासन पद्धति के प्रणेता हैं। अयोध्या में भगवान राम की निज मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के बाद भारत सरकार राम-राज्य की अवधारणा जमीन पर उतारने की दिशा में सक्रिय होगी। इसका अर्थ भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाना है, जहां कोई दुःखी-दरिद्र न हो, किसी को भारत को आंख दिखाने की हिम्मत न हो तथा सभी लोग परस्पर प्रेम भाव से रहें।

– **सुभाष बुड़ावन वाला,** रतलाम

इंडिया गठबंधन

नीतीश कुमार द्वारा इंडिया गठबंधन का संयोजक पद ठुकराना एक सामान्य घटना नहीं है। इसे इंडिया गठबंधन के लिए यह खतरे की घंटी समझा जाना चाहिए। जदयू कार्यकारिणी में ललन सिंह को नहीं रखा गया है। इसके बाद सत्ता के गलियारों मे यह चर्चा जोरों पर है कि क्या नीतीश कुमार की एनडीए में वापसी हो सकती है? जदयू और राजद के बीच भी विरोधाभास और विश्वास की कमी की चर्चा राजनीतिक विश्लेषक कर रहे हैं। हाल ही में लालू, तेजस्वी और नीतीश की बंद कमरे में हुई बैठक को इसी दृष्टिकोण से देखा जा रहा है। इसके अलावा इंडिया गठबंधन के सहयोगियों में कांग्रेस को लेकर भी खटास बढ़ती जा रही है। नीतीश कुमार एक महत्वाकांक्षी नेता है जिनको भाजपा से नाता तोड़ने के बाद लगा था कि उन्हें ही इंडिया गठबंधन का संयोजक बनाया जाएगा और प्रधानमंत्री उम्मीदवार भी घोषित किया जाएगा। लेकिन कांग्रेस ने नीतीश कुमार की बार-बार पालाबदल राजनीति को देखते हुए ऐसा नहीं होने दिया। शायद इसी कारण है बिहार में कांग्रेस, राजद और जदयू अभी सीट साझा पर बातचीत नहीं शुरू कर पाए हैं। दूसरी ओर भाजपा राम मंदिर को लेकर राज्य में जनता से ज्यादा मजबूते से जुड़ने का प्रयास कर रही है।

– **वीरेंद्र कुमार जाटव,** दिल्ली

भगवान राम के आदर्श

भगवान राम से जुड़े आदर्श भारतीय सभ्यता का आधार है। यह ऐसे अवतारी पुरुष की प्राण प्रतिष्ठा है जिनमें सर्वोच्च दैवी शक्ति अभिव्यक्त हुई है। भारतीय सभ्यता में धार्मिक सहिष्णुता को महत्व दिया गया है और भगवान राम उसके भी प्रतीक हैं। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम ने जीवन के सभी पक्षों के लिए आदर्श प्रस्तुत किए हैं। अयोध्या के वनवासी राजकुमार ने उस समय के सर्वाधिक शक्तिशाली अत्याचारी व साम्राज्यवादी रावण के विरुद्ध जिस प्रकार आम जनता को युद्ध के लिए तैयार कर दिया और उससे युद्ध के लिए अयोध्या की सेना का प्रयोग नहीं किया, इससे स्पष्ट होता है कि वे महान लोकतंत्रवादी तथा आदर्श जननेता थे। भगवान राम ने रावण पर विजय के बाद भी लंका का राज्य विभीषण को सौंप दिया तथा अनाचारी बाली का वध करने के बाद उसके भाई सुग्रीव को किष्किंधा का राजा बनाया। राम के राज्य में सभी लोग धर्म पर चलते थे, एक दूसरे से प्रेम करते थे तथा बुद्धि, विद्या एवं कौशल प्राप्त करने का निरंतर प्रयास करते थे। भगवान राम के आदर्श पूरे भारत की जनता को प्रेरित कर रहे हैं।

–**अवनीश कुमार गुप्ता,** आजमगढ़

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से responsemail.hindipioneer@gmail.com पर भी भेज सकते हैं।

मतभेद त्याग कर एकजुट रहें, राम राज्य आ रहा है: मोहन भागवत

पायनियर समाचार सेवा। अयोध्या

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने सोमवार को भगवान राम के बाल स्वरूप के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा के बाद कहा कि राम राज्य आ रहा है और देश में सभी को मतभेद त्याग कर एकजुट रहना चाहिए। सोमवार को अयोध्या में नवनिर्मित राम मंदिर में रामलला की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा की गई, जिसका नेतृत्व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया और इसे लाखों लोगों ने अपने घरों और देशभर के मंदिरों में टेलीविजन पर देखा। अयोध्या में श्री रामलला के नवीन विग्रह की प्राण-प्रतिष्ठा के बाद यहां आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए मोहन भागवत ने कहा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अकेले ही तप किया है और अब हम सभी को यह करना है। भागवत ने कहा कि अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के साथ साथ भारत का आत्म गौरव भी लौटा है। उन्होंने कहा आज का कार्यक्रम नए भारत का प्रतीक है जो खड़ा होगा और पूरी दुनिया की मदद करेगा। भागवत ने कहा कि रामलला 500 साल बाद कई लोगों की तपस्या की वजह से वापस लौटे हैं और मैं उन लोगों के कठोर परिश्रम और त्याग को शत शत नमन करता हूं। उन्होंने कहा लेकिन राम क्यों गए? वह इसलिए गए क्योंकि अयोध्या में कलह थी। राम राज्य आ रहा है और हमें सभी मतभेद त्याग कर, कलह खत्म कर छोटे छोटे मुद्दों पर लड़ना झगड़ना बंद करना होगा। हमें अपना अहंकार त्यागना होगा और एकजुट रहना होगा। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि यह सर्वविदित है कि राम सर्वव्यापी हैं तथा हमें अपने बीच ही समन्वय करना होगा। उन्होंने कहा कि धर्म का पहला सत्य आचरण ही एकजुट रहना है। भागवत ने कहा कि करुणा दूसरा आचरण है। उन्होंने लोगों से कहा कि जो कुछ भी अर्जित किया जाता है, उसका न्यूनतम हिस्सा अपने लिए रख कर शेष को परमार्थ के लिए देना चाहिए। उन्होंने कहा, यही करुणा का मतलब है। आपको अपनी इच्छाओं पर नियंत्रण रखना होगा। सरकारी योजनाएं गरीब को राहत दे रही हैं, हमें भी समाज को देखना चाहिए क्योंकि हर कोई हमारा भाई है, अपना है। जहां भी आप दुख या पीड़ा देखते हैं, वहां आपको सेवा करनी चाहिए। उन्होंने लोगों से लालची न बनने और अनुशासित जीवन जीने के लिए कहा। उन्होंने कहा हमें हमारे देश को एक वैश्विक पथ प्रदर्शक बनाने के लिए मिलकर काम करना होगा। मणिराम छावनी के महंत और राम जन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष नृत्य गोपाल दास ने अपने संबोधन में कहा, हम लोग भगवान राम की पावन भूमि पर हृदय से अपनी श्रद्धा अर्पित करते हैं। राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरि जी महराज ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा, हमारा संपूर्ण राष्ट्र व पूरा विश्व आज भगवान राम की प्रतिष्ठा से आलोकित है। यह केवल एक मंदिर में एक मूर्ति की प्रतिष्ठा नहीं है, यह इस देश के आत्मविश्वास की प्रतिष्ठा है। उन्होंने प्राण प्रतिष्ठा के लिए प्रधानमंत्री मोदी के व्रत व साधना की सराहना करते हुए कहा, हमने कहा था कि तीन दिनों तक भूखे रहना, भूमि पर शयन करना लेकिन मोदी ने 11 दिन तक अन्न का त्याग किया। और भूमि पर शयन किया। उन्होंने मोदी की तुलना छत्रपति शिवाजी महाराज से की।

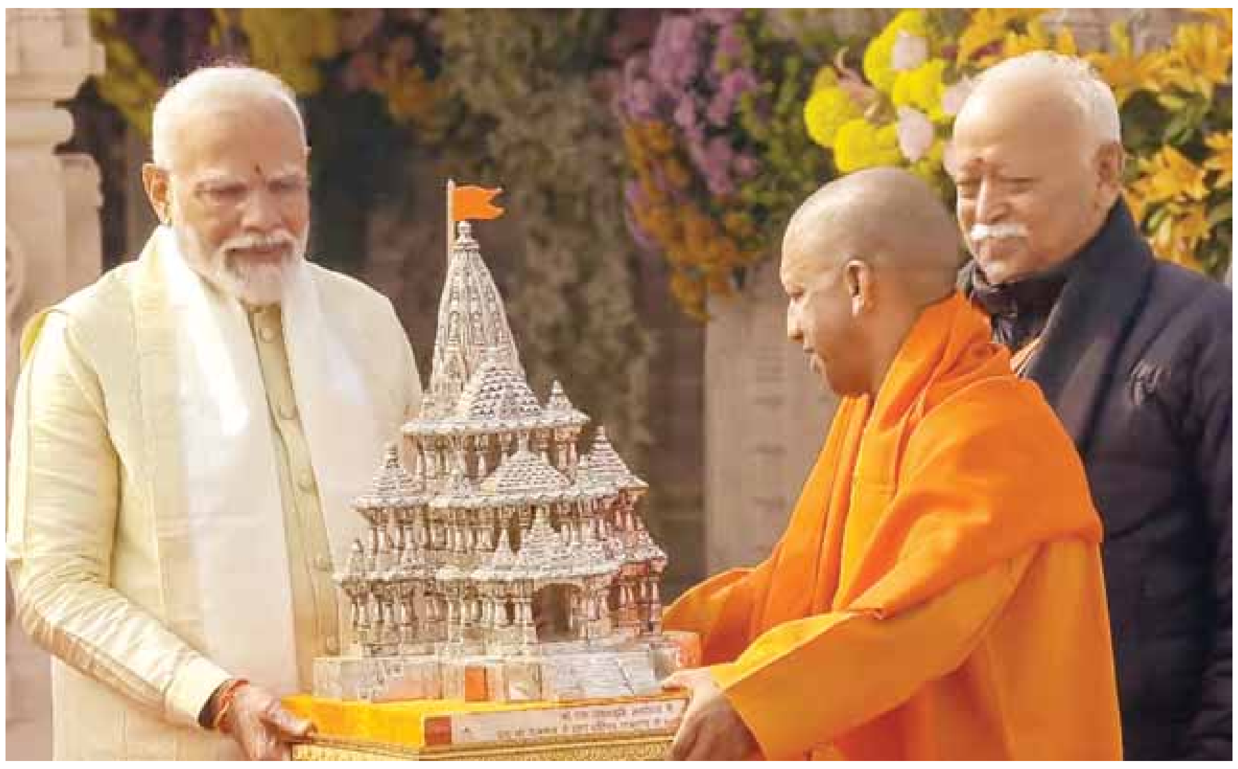

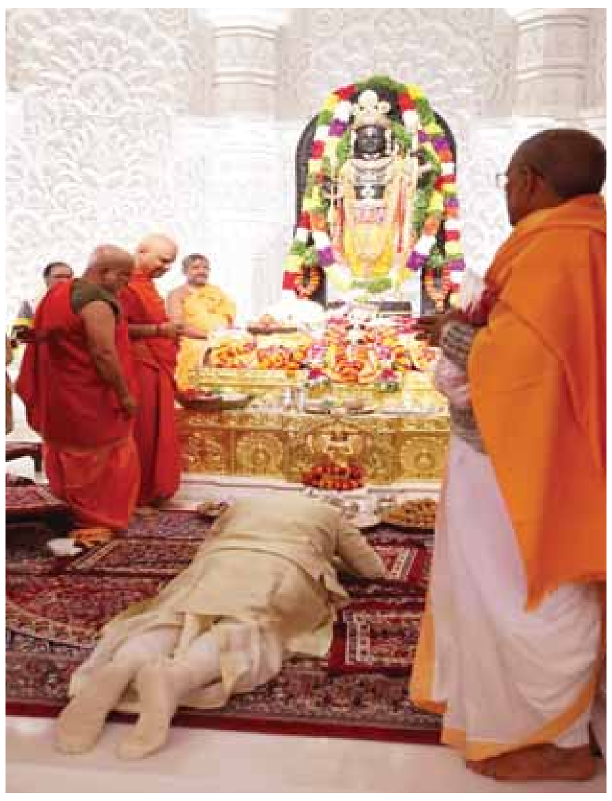

कुशल मेजबान के रूप में नजर आए सीएम योगी

● प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के लिए मंदिर परिसर पहुंचने वाले मेहमानों का मुख्यमंत्री ने किया स्वागत

पायनियर समाचार सेवा। अयोध्या, लखनऊ

श्रीराम लला विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर सोमवार को सीएम योगी एक कुशल मेजबान के तौर पर नजर आए। उन्होंने मेहमानों का स्वागत भी किया और मंदिर में सभी तैयारियों को भी परखा। पीएम मोदी के स्वागत के साथ ही कायक्रम के सफल आयोजन के लिए निगरानी के अलावा वो अफसरों को निर्देश देते भी नजर आए। उनके निर्देश के अनुसार अफसरों ने भी पूरी सक्रियता बरतते हुए मेहमानों का पूरा ख्याल रखा। इस ऐतिहासिक अवसर का साक्षी बनने के साथ ही सभी मेहमान योगी सरकार की मेहमाननवाजी से भी खुश नजर आए।

सीएम योगी मंदिर परिसर में सुबह ही पहुंच गए और उन्होंने वहां मेहमानों का स्वागत किया। बतौर मेजबान सीएम योगी ने राजनीतिए कला, खेल, साहित्य, फिल्म जगत, उद्योग एवं विभिन्न क्षेत्रों के विशिष्ट अतिथियों का ससम्मान सत्कार किया। वह सुबह ही मंदिर परिसर में पहुंच गए और आए हुए मेहमानों से मिले। उन्होंने मंदिर निर्माण कार्य से जुड़े रहे इंजीनियर्स और श्रमिकों व उनके परिजनों से भी भेंट कर उनका सत्कार किया। इसके साथ ही उन्होंने प्राण प्रतिष्ठा के लिए की जा रही तैयारियों का भी जायजा लिया। मेहमानों के बैठने के स्थल से लेकर गर्भ गृह में अनुष्ठान एवं अन्य कार्यक्रमों की पूरी जानकारी ली। पीएम मोदी के मंदिर परिसर में पहुंचने पर सीएम योगी और राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने उन्हें रामनामी पटका पहनाकर एवं पुष्प गुच्छ देकर उनका स्वागत किया।

8 बजे से ही पहुंचने लगे थे मेहमान

इससे पहले सुबह 8 बजे से ही मेहमानों का मंदिर परिसर में आगमन शुरू हो गया। सभी मेहमानों को जन्मभूमि पथ होते हुए मंदिर परिसर में प्रवेश दिलाया गया। उन्हें रामनामी पटका पहनाया गया। मेहमानों में सांसद हेमामालिनी, रजनीकांत, कंगना रनौत, चिरंजीवी, उनके पुत्र रामचरन, सचिन तेंदुलकर, अमिताभ बच्चन, साइना नेहवाल, कट्रीना कैफ विक्की कौशल, आलिया भट्ट, रणबीर कपूर, जैकी श्राफ, देवकीनंदन ठाकुर, रणदीप हुड्डा समेत अलग-अलग क्षेत्रों के विशिष्ट अतिथि ऐतिहासिक कार्यक्रम स्थल में पहुंचे।

550 वर्षों के उपरान्त रामलला के गर्भगृह में स्थापित होने पर जब रो पड़ीं दो साध्वियां-उमा भारती-साध्वी ऋतंभरा

पद्मश्री मालिनी अवस्थी के गीतों से सुरमयी हुई रामनगरी की सांझ

अयोध्या, लखनऊ। श्रीराम मंदिर में एक तरफ रामलला विराजमान हो रहे थे तो दूसरी तरफ सुबह से ही लोग रामनगरी में समूचे भारत की सांस्कृतिक गतिविधियों से रूबरू हो रहे थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की परिकल्पना श्सांस्कृतिक अयोध्या का दिव्य रूप सोमवार को ही दिख गया, जब 100 से अधिक मंचों पर सुरमयी प्रस्तुतियों से संस्कृति के विविध रंग दिखे। यह न सिर्फ अयोध्यावासियों बल्कि बाहर से आये अभ्यागतों के लिए भी गौरव का क्षण रहा। सुबह की ठंड भी कलाकारों के हौसले न डिगा पाई। रामनगरी में सोमवार की सुबह कलाकारों के इंद्रधनुषी रंग में रंगी नजर आई तो सांझ मालिनी अवस्थी. कन्हैया मित्तल के गीतों से सुरमयी हो उठी। प्राण-प्रतिष्ठा पर रामनगरी में सिर्फ अवध ही नही, बल्कि पूरा उत्तर प्रदेश नजर आया। डमरू वादन, शंख वादन से अतिथि देवो भव: की परंपरा का साक्षात्कार कराया गया। धोबिया लोकनृत्य, फरुआही नृत्य से माटी की खुशबू बिखरी तो गोरखपुर के वनटांगिया जनजातीय लोकनृत्य का दीदार कर हर आंखों में चमक दिखी। अवधी व उत्तरांचल के नृत्य से अभ्यागतों का स्वागत किया गया। बम रसिया, मयूर लोकनृत्य से ब्रज की खुशबू से अवध महक उठा।

सीएम योगी ने प्रधानमंत्री व सर संघचालक को भेंट किया राम मंदिर का रजत मॉडल

समारोह के पूर्व उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री व गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सर संघचालक मोहन भागवत का स्वागत किया। सीएम ने दोनों अभ्यागतों को श्रीराम मंदिर का चांदी का मॉडल भेंट कर अयोध्या धाम की पावन धरा पर अभिनंदन किया।

200 कलाकारों ने भी दी प्रस्तुति

उप्र के विभिन्न अंचलों के लोकनृत्यों के कलाकारों के साथ ही संस्कृति मंत्रालय के क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्रों के 200 कलाकारों की तरफ से अयोध्या के 100 चिह्नित स्थलों पर सांस्कृतिक शोत्रायात्रा हुई।

दीप जलाकर उतारी सरयू मां की आरती

प्रतिदिन की भांति सरयू मैया की आरती भी उतारी। इस दौरान आज अलग ही उमंग देखने को मिला। यहां अनेक साधु.संतों के साथ अनेक विशिष्ट जनों द्वारा घाटों पर आरती की गई।

अलौकिक दिखी अवधपुरी

त्रेतायुग की अयोध्या सोमवार को कलियुग में भी अलौकिक दिखी। सभी ने अपने आराध्य के प्रति श्रद्धा के दीप जलाए। चौराहों पर रंगोली बनाकर समृद्धि की कामना की गई। बाहर से आए लोगों ने भी श्रद्धा का एक दीप जलाया।

राम की पैड़ी पर लेजर शो व इको फ्रेंडली आतिशबाजी

22 जनवरी को प्राण-प्रतिष्ठा के उपरांत सात बजे तक राम की पैड़ी पर प्रोजेक्शन शो का आयोजन किया गया है। इसके बाद यहां पर लेजर शो हुआ। इको फ्रेंडली आतिशबाजी का नजारा भी प्रस्तुत किया जाएगा, जिसे देख हर किसी का मन पुलकित हो उठा।

राम नाम से गुंजायमान हो उठी अवधपुरी

2017 में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जब सत्ता संभाली तो दीपोत्सव के भव्य.दिव्य आयोजन की परिकल्पना तैयार की। प्रतिवर्ष इसकी भव्यता बढ़ती चली गई। 2023 में योगी सरकार के दूसरे कार्यकाल का पहला दीपोत्सव भी हर रिकॉर्ड तोड़कर अभूतपूर्व हुआ। इसमें 22.23 लाख दीप प्रज्वलित हुए। हर तरफ बस श्री राम, मेरे राम से अवधपुरी गुंजायमान हो उठी। ठीक तीन माह के अंतराल पर 2024 में अयोध्यावासियों ने श्रीराम की प्राण.प्रतिष्ठा पर पुन: दीपावली मनाई। डबल इंजन की सरकार की परिकल्पना के अनुरूप सोमवार को रामनगरी में एक भारत, श्रेष्ठ भारत भी दिखा। डबल इंजन की सरकार के मार्गदर्शन में प्रज्वलित राम ज्योति में हर भाषा, शैली, जाति के लोग आस्था का दीप प्रज्वलित करने उमड़े।

शब्दों में बयां नहीं हो सकता श्रीराम की लीलाओं का वर्णन: महंत नृत्यगोपाल दास

रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्यगोपाल दास ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि यह बड़े सौभाग्य की बात है कि श्रीराम की पावन जन्मभूमि पर भगवान का महोत्सव हो रहा है। यह अत्यंत हर्ष और उत्कर्ष का विषय है।

ये हस्तियां बनीं रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह की गवाह

चार चरण का पालन कर समाज दे श्रीराम व देशभक्ति की सच्ची मिसाल

श्रीमद्भागवत में धर्म के जो चार चरण बताए गए हैं उनका हमें पालन कर इस ब्रह्म सत्य को अंगीकार करना होगा। हम सबसे हैं और सब हमारे हैंए इसे मानने से ही हम सत्य का आचरण कर सकेंगे। दूसरा चरण है करुणा का, जिसके जरिए हमें समाज में सभी की सेवा करनी है। शुचिता तीसरा चरण है, जिसके जरिए हमें स्वच्छता को भी बढ़ावा देना है। हम अगर अपने को संयम में रखेंगे तो पृथ्वी सभी मानवों को जीवित रखेगी। लोभ नहीं करना और संयम का पालन करते हुए अनुशासित रहना ही सच्ची राम भक्ति है। इनसे जीवन में पवित्रता आती है। वह बोले कि हम साथ चलेंगे.बोलेंगे और मन.वाणी, वचन.क्रम को एकीकृत कर भारत को विश्वगुरू बनाएंगे। हमें इस व्रत को आगे लेकर जाना है।

राम आए तो अयोध्यावासियों ने सजाए घर-आंगन

● सरयू तीरे जलाए गए आस्था व आत्मीयता के दीप

अयोध्या, लखनऊ। अद्भुत, अलौकिक अविस्मरणीय, कल्पनातीत सौंदर्य। अनगिनत दीपों से जगमगाती रामनगरी को जिसने भी देखा, अपलक निहारता ही रह गया। प्रभु श्रीराम की नगरी के वासी होंए श्रद्धालु हों या भारत के सुदूर कोने.कोने से आए श्रद्धालुए सभी दीपधाम ज्योति प्रज्वलित कर श्रीराम की प्राण.प्रतिष्ठा के उपरांत अवधपुरी के कण.कण, रज.रज में अपने राम को निहार रहे थे, अपने घर में लल्ला की गूंज से हर ओर राम.राम नाम गुंजायमान रहा, सब में राम, जय जय श्रीराम। सोमवार को श्रीरामलला के अपने दिव्य.भव्य मंदिर में प्राण.प्रतिष्ठा के उपरांत दीपोत्सव मनाया गया। प्रभु के भक्त संकटमोचक हनुमानगढ़ी मंदिर के सामने भी भक्ति में लीन अवधपुरी में यह आयोजन अद्वितीय हो गया। सभी के मन में इस बार अलग ही उमंग, उत्साह व उल्लास रहाए क्योंकि 500 वर्षों का संघर्ष समाप्त हो गया। अयोध्या दीपोत्सव में सोमवार को आस्था, आह्लाद और आत्मीयता के दीप जले। सहज आह्लाद के साथ आत्मीयता के भावों को संजोए हुए आराध्य प्रभु के प्रति आस्था निवेदित करते हुए सरयू तीरे, राम की पैड़ी, मठ.मंदिरों व अन्य सार्वजनिक स्थलों पर जल रहे अनगिनत दीपों के बीच निहाल श्रद्धालुओं का हर्षए उमंग और अनुभूति हर कोई महसूस कर रहा था। सहज भाव से हो रहे राम राम जय राजा राम, जय सिया राम, सियावर रामचन्द्र की जय जयघोष के साथ सरयू की लहरों में उठती तरंगें देख ऐसा लगता था कि मानो सरयू मैया भी अपने राम की जयकार कर रही हों। श्रीराम के इस महाउत्सव पर पूरी अवधपुरी को सजाया गया था। अयोध्या के मंदिरो, छोटी गलियों से लेकर मुख्य मार्गों, सभी सरकारी, धार्मिक भवनों पर तो आकर्षक लाइटिंग की ही गई थी।

प्राण प्रतिष्ठा का साक्षी बना जनपद, झंडियों व सजावट से हुआ राममय

● जगह जगह भंडारे व अनुष्ठान, प्राण प्रतिष्ठा व प्रधानमंत्री के भाषण का लाइव प्रसारण

फतेहपुर। अयोध्या स्थित भगवान रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के दौरान जनपद के सभी मंदिरों की साज सज्जा की गई थी। राम धुन के बीच जगह जगह पर भंडारे का आयोजन किया गया। वहीं अनेक स्थानों पर लोगों ने साज सज्जा के साथ प्राण प्रतिष्ठा के दौरान सामूहिक पूजा अर्चना की। शहर की सड़कों को भगवा झंडियो से सजाया गया था। किनारों पर राम मंदिर के बड़े बड़े चित्र व भगवान के विभिन्न रूपों के फोटो से सजावट की गयी थी। प्राण प्रतिष्ठा के दिन को उत्सव की तरह मनाने के लिये लोगों ने प्रतिष्ठान लगभग बन्द रखे व घरों में सजावट कर पूजा अर्चना की गई। भवनों पर भगवा ध्वज लगाए गए थे। युवाओं की टोली सड़कों पर नारेबाजी कर उत्सव मनाती दिखाई दी। सड़कों की सजावट एवं झांकियों की अद्भुत सजावट देखकर माहौल भगवा मय हो गया।

भंडारे में भक्तों ने ग्रहण किया प्रसाद

रामगंज पक्का तालाब में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमे बड़ी संख्या में लोगो ने प्रसाद ग्रहण किया। इस दौरान अयोध्या स्थित भगवान राम की प्राण पीएम के हाथों प्राण प्रतिष्ठा का एलईडी टीवी के माध्यम से सजीव प्रसारण व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लोगो ने उद्बोधन देखा। इस मौके पर ब्लाक प्रमुख भिटौरा अमित तिवारी, अजय तिवारी, धीरू यादव, धीरू तिवारी, नीरज त्रिपाठी, पंकज त्रिपाठी, अश्विनी बाजपेई, अनिल साहू, शिवम गुप्ता, सुशील गुप्ता आदि मौजूद रहे। वहीं आईटीआई रोड स्थित गोमती पेंट में श्री राम जन्मभूमि अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा को लेकर विशाल भंडार का आयोजन किया गया। जिसमें अजय साहू, पुनीत गुप्ता, अभिषेक बाजपेई, ओम प्रकाश, रोहित पांडेय आदि मौजूद रहे।

कारसेवकों को किया सम्मानित

अयोध्या स्थित श्री राम जन्मभूमि आंदोलन के दौरान कारसेवा करने आंदोलन के दौरान अपनी जान गंवाने वाले कारसेवकों को याद किया गया। वहीं आंदोलन के दौरान गिरफ्तार किये गये व कई दिन जेल में बिताने वाले कार्यसेवकों को भाजपा जिलाध्यक्ष मुखलाल पाल व पूर्व सदर विधायक विक्रम सिंह द्वारा पगड़ी पहनाकर अंग वस्त्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान पूर्व कॉपरेटिव चेयरमैन प्रतिनिधि मनोज शुक्ला, एमजी पीजी कालेज छात्र संघ के पूर्व अध्यक्ष स्वरूप राज सिंह जूली, अमित शिवहरे, अभिषेक शुक्ला, सोनू यादव, बच्चा तिवारी, कुलदीप भदौरिया, देवनाथ धाकड़े, अर्चना त्रिपाठी, अपर्णा गौतम आदि रहे।

सुंदरकांड की बही बयार

अयोध्या स्थित भगवान राम की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा के दौरान लोगों ने अपने-अपने अंदाज में ऐतेहासिक पल के साक्षी बने व भगवान राम की उपासना की। इस दौरान समाजसेवी पूनम श्रीवास्तव द्वारा अपने आवास में सुंदर कांड का आयोजन किया गया। जिसमें मंडली द्वारा सुंदर कांड का पाठ किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में महिलाओं व पुरुषों ने सुंदर कांड को सुनकर भक्ति मे भाव विभोर दिखाई दिए। इस मौके पर विनोद श्रीवास्तव, प्रभाकर समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

सनातम राष्ट्र धर्म परिषद ने मनाया दीपोत्सव

प्रभु रामलला व मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर को अखिल भारतीय सनातन राष्ट्र धर्म परिषद संस्थापक शुभम रस्तोगी मयंक व अध्यक्ष राकेश गुप्ता द्वारा भगवान पूजा अर्चना व आरती कर दीप उत्सव मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में एडवोकेट सुनीता गुप्ता व भाजपा के बहुआ मंडल प्रभारी अजय गुप्ता रहे।

लोगों ने एलईडी पर देखा सजीव प्रसारण

जगन्नाथ एंड सन्स द्वारा वर्मा चौराहे पर अपनी प्रतिष्ठान के बाहर बड़ी एलईडी लगाकर लोगों को अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि का प्राण प्रतिष्ठा का लाइव प्रसारण दिखाया गया। प्राण प्रतिष्ठा के एतिहासिक पल को देखने के लिये बड़ी संख्या में लोग एकत्र रहे व कार्यक्रम के साक्षी बने। इस मौके पर राजेश तिवारी, संस्थान के प्रोपाइटर अविनाश तिवारी, पप्पू मिश्रा, राजेश मिश्रा, मनोज कुमार, राकेश गुप्ता, राम प्रकाश, रविंद्र आदि मौजूद रहे।

श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा पर भगवामय हुआ नगर

● जगह जगह हुये सुन्दरकाण्ड, हवन पूजन भण्डारा कार्यक्रम

गुरसहायगंज (कन्नौज)। अयोध्या में भगवान श्रीराम मंदिर में भगवान रामलला की प्राण प्रतिष्ठा पर नगर के मंदिरों सहित प्रमुख मार्गों को कारीगरों द्वारा बिजली की झालरों एवं भगवा झण्डों से सजावट कर भव्य रूप प्रदान किया गया। नगर के दर्जनों स्थानों पर सुन्दर काण्ड, हवन पूजन, भण्डारा कार्यक्रम हुये। सम्पूर्ण नगर भगवामय हो गया। सोमवार को नगर के प्रचीन श्रीराम मंदिर में पालिकाध्यक्ष प्रतिनिधि मयंक गुप्ता, विनय वर्मा, राजीव ठाकुर, संतोष चतुर्वेदी, नीरज मिश्रा, धर्मेन्द्र कौशल, उमाकान्त सैनी, विजय दुवे आदि नें विधि विधान से हवन पूजन कर प्रसाद वितरित किया।

नगर के सर्विस रोड स्थित प्राचीन सती माता मंदिर में आयोजित सुन्दरकाण्ड के समापन पर वरिष्ठ समाज सेवी अशोक गुप्ता नें परसाद वितरित किया। नगर के चौराहा, तिर्वारोड, रामगंज में आयोजकों द्वारा विशाल एलईडी लगाकर अयोध्या से लाईव प्रसारण दिखाया गया। रामभक्तों ने आराध्य श्रीराम की सजीव प्राण प्रतिष्ठा को देखकर जयकारे लगाये। जिसके बाद परसाद वितरित किया गया। इसके अलावा रामगंज स्थित दुर्गा माता मंदिर, बाईपास, तिराहा स्थित संतोषी माता मंदिर, जीटीरोड बाजा धाम, तिर्वारोड, पॉवर हाउस स्थित गंगेश्वर नाथ मंदिर सहित पॉवर हाउस के सामनें आयोजित विशाल भण्डारा कार्यकम में सैकडों लोगों नें पहुचंकर परसाद ग्रहण किया।

हवन करते चेयरमैन प्रतिनिधि, पूजा करते समाजसेवी व भण्डारा में मौजूद श्रद्धालु।

बारात में गए युवक का मिला शव, दोस्तों पर शक

● पुलिस दोस्तों को हिरासत में लेकर कर रही पूछताछ

संवाददाता। फतेहपुर

घर से बारात के लिए निकले 28 वर्षीय युवक का हत्यायुक्त शव शाह कस्बा स्थित विवाह घर/जिला पंचायत घर में ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस ने बरामद किया है। मृतक के पिता ने गांव के ही दो लोगों पर हत्या करने का आरोप लगाया है। उधर पुलिस ने दोनों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी।

जानकारी के अनुसार शाह कस्बा निवासी नवल किशोर शुक्ला का पुत्र प्रदीप उर्फ सोनू कल शाम लगभग सात बजे अपने घर यह कहकर निकला कि वह बारात में जा रहा है और सुबह लौटकर आयेगा। काफी देर बीत जाने पर जब वह नहीं आया तो परिजनों ने उसकी खोजबीन शुरू की। तभी किसी ने बताया कि प्रदीप का शव विवाह घर/पंचायत घर में पड़ा है। इसकी सूचना पुलिस को दे दी।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर विच्छेदन गृह भेज दिया। पोस्टमार्टम हाउस में मृतक के पिता नवल किशोर शुक्ला ने बताया कि गांव के ही मोंटी गुप्ता उर्फ मोहित व नरेंद्र प्रजापति उसके बेटे के अच्छे दोस्त हैं और रात मोंटी गुप्ता ही उसे बुलाने आया था। उनके अनुसार दोनों ने ही उसके पुत्र की गला दबाकर हत्या की है। बताया कि नरेंद्र प्रजापति ने डेढ़ वर्ष पूर्व उसके पुत्र से छह हजार रूपये उधार लिया था। कुछ दिन पूर्व जब उसने पैसा मांगा तो नरेंद्र ने उसे देख लेने की बात कही थी। पिता की तहरीर पर पुलिस ने दोनों को हिरासत में ले लिया है।

सीवर टैंक में मिले महिला शव का खुलासा, चार गिरफ्तार

● प्रेम-प्रसंग के शक में तीन लाख रूपये देकर सऊदी में रह रहे पति ने करवाई हत्या ● मेला दिखाने के बहाने मायके से महिला को लेकर गये थे भाड़े के हत्यारे

पत्रकारों से बातचीत करते एसपी एवं पीछे खड़े पकड़े गये हत्यारे।

फतेहपुर। अड़तालीस घंटे पूर्व ललौली थाना क्षेत्र के ग्राम बस्तापुर में निर्माणाधीन मकान के टैंक में मिली एक महिला की हत्यायुक्त लाश का पर्दाफाश पुलिस ने करते हुए हत्याकांड में लिप्त चार लोगों को जहां गिरफ्तार कर लिया वहीं हत्या के कारणों से भी पर्दा उठाया है। मृतका का पति सऊदी में रहता है और पत्नी के प्रेम-प्रसंग के शक में तीन लाख रूपये देकर भाड़े के हत्यारों से पत्नी को मौत के घाट उतरवा दिया।

पत्रकारों से बातचीत करते हुए एसपी उदय शंकर सिंह ने बताया कि गाजीपुर थाना क्षेत्र के ग्राम सोनवरसा (जिंदईपुर) निवासी चुन्नीलाल ने अपनी पुत्री सोनी देवी की शादी दो वर्ष पूर्व ग्राम बीबीपुर निवासी छोटू लोधी के साथ की थी। सोनी देवी ससुराल से पंद्रह दिन पूर्व मायके आई थी। 15 जनवरी को शाम चार बजे पुत्री के ससुराल के पुत्तन लोधी पुत्र श्यामू एवं ननकू लोधी पुत्र रामू मोटरसाकिल से उसके गांव के बाहर खेत आये थे। शराब पीकर घर आकर पुत्री सोनी को मेला दिखाने के बहाने साथ ले गये। पुत्री के वापस न आने पर पूछने पर अनभिज्ञता प्रकट की और सोनी देवी का शव ललौली थाना क्षेत्र के ग्राम बस्तापुर में निर्माणाधीन मकान के सीवर टैंक में मिली थी। शव की बरामदगी होने पर खुलासे के लिए ललौली थाना पुलिस, सर्विलास व एसओजी की टीमें लगाई गई थीं। पुलिस टीम ने संकलित साक्ष्य के आधार पर चार अभियुक्तों रोहित लोधी पुत्र इंद्रजीत निवासी दलीपुर मजरे रारा थाना राधानगर, रामचंद्र उर्फ पुत्तू पुत्र हरिश्चंद्र लोधी निवासी बीबीपुर थाना राधानगर, शिवम उर्फ पंचम पुत्र श्यामू बाबू लोधी निवासी सैदाबाग थाना राधानगर, सोनू लोधी पुत्र राकेश कुमार निवासी सैदाबाग थाना राधानगर को नहर पुलिया खुरमानगर के समीप से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस टीम ने घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल पल्सर, सीडी डिलक्स व मृतका सोनी देवी का सैमसंग एंड्रायड मोबाइल व की पैड मोबाइल बरामद कर लिया। एसपी ने बताया कि नामित अभियुक्त ननकू लोधी उर्फ सूरज पुत्र रामू लोधी मृतका सोनी देवी का रिश्ते में पारिवारिक देवर है। सोनी का पति छोटू लोधी सऊदी में मेहनत मजदूरी करता है। पारिवारिक रिश्ते में जेठ पुत्तन लोधी से प्रेम प्रसंग व बातचीत की परिवार एवं गांव में आम चर्चा थी। एसपी ने बताया कि प्रेम-प्रसंग के चलते पति छोटू ने पारिवारिक चचेरे भाई ननकू लोधी से पत्नी सोनी देवी को मरवाने की बात कर तीन लाख में सौदा तय किया। जिसमें काम होने के बाद एक लाख रूपया ननकू लोधी व शेष दो लाख रूपया काम करने वालों को देने की बात तय थी। मृतका के पति छोटू लोधी ने ननकू लोधी को कुछ रूपये खर्चा व खाने पीने के लिए भेजा था। अभियुक्त ननकू लोधी ने अपने साथी रोहित लोधी, रामचंद्र उर्फ पुत्तू लोधी, शिवम उर्फ पंचम लोधी एवं सोनू लोधी को फतेहपुर में शराब पिलाई व घटना का प्लान बनाया।

क्विक न्यूज

दो चचेरे भाइयों की ट्रैक्टर पलटने से दबकर मौत

फर्रुखाबाद। दो चचेरे भाइयों की ट्रैक्टर पलटने से उसमे दबकर मौत हो गयी।सूचना मिलने पर सीओ अरुण कुमार, थानाध्यक्ष जेपी शर्मा आदि मौके पर आ गये । मिली जानकारी के अनुसार अनियंत्रित होकर ट्रैक्टर तालाब में पलट गया। जिसमे दबकर दो चचेरे भाईयों नें दम तोड़ दिया। जबकि ट्रैक्टर पर सबार आधा दर्जन मजदूर मामूली घायल हो गये। पुलिस नें मौके पर पंहुच कर शवों को कब्जे में ले लिया। राजस्थान के अलबर सिमौर निवासी ठेकेदार महेश कुमार के साथ मजदूरी कर रहे जनपद मथुरा के बरसाना देवपुरा निवासी 20 वर्षीय सागर पुत्र रतन व उसका चचेरा भाई दौलत अपने गाँव के ही दो अन्य व आधा दर्जन और मजदूरों के साथ ट्रैक्टर पर टंकी निर्माण का सामान भरकर जा रहे थे । थाना नवाबगंज के मोहम्मदाबाद मार्ग पर ट्राली का हुक टूटने से वह खड्ड में पलट गयी। जिससे उसमे दबकर सागर वउसके चचेरे भाई दौलत की मौके ही मौत हो गयी। सूचना मिलने पर सीओ अरुण कुमार, थानाध्यक्ष जेपी शर्मा आदि मौके पर आ गये। मौके पर भीड़ लग गयी। भीड़ की मदद से दोनों के शवों को पुलिस नें बाहर निकाला। दो जेसीबी की मदद से ट्राली को सीधा किया गया।

प्राण प्रतिष्ठा पर वातावरण हुआ भक्तिमय

संडीला (हरदोई)। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम की अयोध्या में मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर नगर में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। अयोध्या स्थित श्री राम की मूर्ति की प्रांण प्रतिष्ठा देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हाथों होने पर नगर में अत्यंत हर्षोल्लास का वातावरण देखा गया। लोगों ने अपने घरों पर भगवा ध्वज फहराए तथा बिजली की सजावट की। इसके अलावा लोगों ने घरों में दीपक भी जलाए। इसके अलावा लोगों ने जमकर आतिशबाज़ी भी की। नगर स्थित भुइयन देवी मंदिर से भव्य शोभा यात्रा का भी आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में सभी आयु के लोगों ने भाग लिया। इसके अलावा नगर में दर्जनों स्थानों पर भण्डारे का आयोजन किया गया। जहां बड़ी संख्या में लोगों ने भोजन गृहण किया। इसके अलावा अनेक स्थानों पर प्रसाद का भी वितरण किया गया। इसके अलावा नगर में दर्जनों स्थानों पर अखंड रामायण के पाठ के साथ साथ सुंदर कांड का पाठ भी कराया गया। कई सरकारी कार्यालयों में भी इस अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। नगर के सरकारी विद्यालयों में भी रोशनी की गयी। ग्राम प्रधान संघ के अध्यक्ष डॉ0 उमेश सूर्या ने इस अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया।

बाइक की टक्कर से मोपेड सवार अधेड़ की मौत

फतेहपुर। हथगाम थाना क्षेत्र के ग्राम सरांय इदरीस के समीप रविवार की शाम फेरी कर वापस आ रहे 55 वर्षीय मोपेड सवार को तेज रफ्तार बाइक सवार ने टक्कर मार दिया जिससे उसकी घटनास्थल पर मौत हो गई। जानकारी के अनुसार सरांय इदरीस गांव निवासी स्व. सगीर अहमद का पुत्र मो. सलीम फेरी करके गैस चूल्हा की मरम्मत करता था। बताते हैं कि शाम को लौटते समय गांव के पास ही स्थित मछली की दुकान में मोपेड खड़ी कर मछली खरीद रहा था। इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार आ रहे बाइक सवार ने टक्कर मार दिया जिससे उसकी मौत हो गई। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर विच्छेदन गृह भेज दिया।

अधेड़ की हालत बिगड़ी, मौत

फतेहपुर। थरियांव थाना क्षेत्र के ग्राम करनपुर में खेत से काम कर वापस आये 55 वर्षीय अधेड़ की हालत बिगड़ गई। जिसे उपचार के लिए सदर अस्पताल ला रहे थे तभी रास्ते में उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार करनपुर गांव निवासी स्व. रामेश्वर का पुत्र रामनरेश रविवार की शाम पांच बजे खेतों में काम करने गया था वापस लौटने पर उसकी अचानक तबियत बिगड़ गई जिस पर परिजन उसे तत्काल उपचार के लिए जिला चिकित्सालय ला रहे थे तभी रास्ते में उसने दम तोड़ दिया। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर विच्छेदन गृह भेज दिया। घटना के बाद मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया।

घर में घुसकर युवक से की मारपीट

गुरसहायगंज (कन्नौज)। रंजिश के चलते युवक के साथ गांव के ही चार लोगों ने घर में घुसकर अभद्रता व मारपीट कर न सिर्फघायल कर दिया बल्कि धमकी भी दी। पीडित ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। क्षेत्र के ग्राम मिरगावां निवासी गुड्डू पुत्र अब्दुल समद द्वारा कोतवाली में दर्ज कराए गए मुकदमे में कहा गया है कि शनिवार की शाम वह अपने घर में था तभी गांव के ही राशिद उर्फराजू, सगीर, शमा परवीन, मुन्ना आए और रंजिश के चलते गाली गलौज करते हुए घर में घुसकर लात घूसो से मारपीट कर घायल कर दिया तथा जान से मारने की धमकी दी एवं घरेलू सामान को तोड़फोड़ कर नष्ट कर दिया। घटना के संबंध में कोतवाली पुलिस द्वारा मुकदमा दर्ज कर जॉच शुरू कर दी गई है।

अध्यापक ने प्रेमिका संग खाया जहर, दोनों की मौत

फतेहपुर। खागा कस्बा के मुहल्ला विजयनगर में किराए का मकान लेकर रह रहे प्राइमरी पाठशाला के अध्यापक ने अपनी प्रेमिका बीए की छात्रा के साथ जहर खा लिया। जिन्हें उपचार के लिए हरदों अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सक ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार असोथर थाना क्षेत्र के खैदीपुर गांव निवासी रामकृपाल की 20 वर्षीय पुत्री रेशमा का किशनपुर कस्बा के नई बस्ती निवासी नवनीत पुत्र बच्चीलाल के साथ प्रेम-प्रसंग हो गया था। बताते हैं कि नवनीत खैदीपुर स्थित प्राइमरी पाठशाला में अध्यापक के पद पर तैनात था। 19 दिसंबर 2023 को उसने खागा कस्बा के विजयनगर में किराए का मकान ले लिया था। सोमवार की रात दोनों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई और मौके पर जहर खा लिया। कुछ समय बाद जब उनकी हालत बिगड़ी तो मौके पर पहुंची पुलिस ने तत्काल दोनों को एंबुलेंस से हरदों अस्पताल भेजा। जहां चिकित्सक ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।

पुण्यतिथि पर सपाइयों ने किया जनेश्वर मिश्र का भावपूर्ण स्मरण

फर्रुखाबाद। जनेश्वर मिश्र की पुण्यतिथि आज आवास विकास स्थित समाजवादी पार्टी कार्यालय पर छोटे लोहिया के नाम से जाने जानेवाले पंडित जनेश्वर मिश्र की पुण्यतिथि मनाई गई। सभी सपाइयों ने जिला अध्यक्ष चंद्रपाल सिंह यादव की अध्यक्षता में एक गोष्ठी की। सर्वप्रथम स्व. जनेश्वर मिश्र की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उनके सम्पूर्ण जीवन परिचय से चर्चा की। जिला अध्यक्ष चंद्रपाल सिंह यादव ने कहा कि उनके सानिध्य में उन्हें काम करने का अवसर प्राप्त हुआ, वह एक बड़े हृदय के धनी थे व उनमें त्याग की भावना कूट कूट कर भरी थी।

जिला अध्यक्ष ने कहा कि उनमें हमेशा समाजवाद को आगे बढ़ाने को भावना रही। उनकी बात को स्व नेताजी मुलायम सिंह यादव भी नहीं टालते थे। महानगर अध्यक्ष राघव दत्त मिश्रा ने कहा कि वह जनेश्वर मिश्र जी का अनुसरण करते हुए समाजवादी पार्टी को आगे बढ़ाने का कार्य करते रहेंगे। जनेश्वर मिश्र ने हर समाज को समाजवादी विचारधारा से जोड़ने का काम किया। जिला प्रवक्ता विवेक यादव ने कहा कि 2024 का चुनाव विचारधारा बनाम झूठ फैलाने वालों के बीच की है। यूनुस अंसारी ने जनेश्वर मिश्र से मिले सानिध्य को साझा किया।

जिला उपाध्यक्ष सौरभ कटियार ने कहा जनेश्वर मिश्र एकमात्र नेता थे जो अगड़े होने के बाद उन्होंने पिछड़ों की लड़ाई लड़ी।कार्यक्रम प्रभारी जिला पंचायत सदस्य मनोज मिश्रा ने कहा कि समाजवादी पार्टी में काम करने वालों की बहुत कद्र है, वह अपने समाज से अपील करते हैं कि समाजवादी पार्टी का साथ दें। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष जहान सिंह लोधी जितेंद्र यादव सिरौली, नंदकिशोर दुबे, धीरज मिश्रा, सुधांशु पाठक, बेंचेलाल यादव आदि ने विचार व्यक्त किए।

प्राण प्रतिष्ठा पर उल्लास से सराबोर रहे लोग

● सुंदरकाण्ड, फेरी, भंडारों का किया गया आयोजन

कानपुर देहात। अयोध्या में भगवान राम के बाल स्वरूप रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर जनपद में उल्लास का वातावरण व्याप्त रहा। जगह लाोगों ने मॅदिरों में सुन्दर काण्ड, अखण्ड रामायण के पाठ व विशाल भण्डारे का आयोजन किया, सोमवार की शाम को लोगों ने छतो, छज्जों पर राम ज्योति जलाकर दीपावली पर्व की स्मृतियॉ दोबारा जीवॅत कर दी। सोमवार को विधिविधान से 498 वर्ष बाद अयोध्या की रामजन्मभूमि मॅदिर में भगवान रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जन-जन व समाज की दैनिक दिनचर्या में समाये भगवान रामलला की प्राण प्रतिष्ठा में जनपद में लोगों ने उत्साह के साथ प्रतिभाग किया। रूरा कस्बे के सॅकटमोचन हनुमान मॅदिर मुख्य तिराहा में किन्नर नेहा द्वारा विशाल भण्डारे का आयोजन किया गया, जिसमें प्रमुख रूप से शिवम मिश्रा, रवि मामा, अनुराग भट्ट, नीरज शुक्ला, राहुल विश्वकर्मा, मयॅक मिश्रा, कल्लू मिश्रा, ललित नारायण, शारदा गुप्ता, श्याम गुप्ता, नीरज गुप्ता सहित अन्य श्रद्धालु मौजूद रहे, यहॉ सुन्दरकाण्ड का भी आयोजन किया गया, अपौना गॉव में भी सुन्दर काण्ड का आयोजन किया गया सुन्दर काण्ड के विश्राम के उपरान्त भण्डारे का आयोजन किया गया, जिसमें प्रमुख रूप से शिवा सिंह, अमन सेंगर, संदीप सिंह, शैलेन्द्र अक्षतपॅडेय, अभिषेक सिंह, रमित वर्मा, विकास सिंह, अॅशू सिंह, भूरे सिंह और श्यामू सिंह मौजूद रहे। पाथामाई मॅदिर में व्यापार मण्डल के नेतृत्व में भव्य प्रकाश पर्व मनाया गया। भगवान राम के चित्र के साथ आरयसयस के कार्यकर्ताओं ने भटौली से रूरा के बीच जुलूस निकाला तथा जयकारे लगाये। अकबरपुर, शिवली, सिकन्दरा, पुखरायॉ, झींझक, डेरापुर, रसूलाबाद सहित अन्य कस्बों व गॉवों में लोगों ने उत्साह के साथ विभिन्न धार्मिक आयोजन कर प्रसाद का वितरण किया।

आम आदमी पार्टी ने श्रीराम मन्दिर प्राण प्रतिष्ठा पर यज्ञ हवन करके बांटा प्रसाद

फर्रुखाबाद। भगवान श्री राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा के शुभ अवसर पर सोमवार को हवन पूजन और प्रसाद वितरण किया है और इस अद्वितीय क्षण में भगवान श्री राम कीउपस्थिति में देश को कमजोर करने वाली ताकतों के खिलाफ लड़ने का संकल्प लिया है। जिला अध्यक्ष इंजी नीरज प्रताप शाक्य ने कहा कि भगवान राम के प्रति हम सभी की श्रद्धा अत्यधिक है। भक्ति और समर्पण के साथ पूजते है। देश दुनियां में रामलीला, रामनवमी, और दीपावली जैसे त्योहार उनकी भक्ति को अभिवादन के रूप में मनाये जाते हैं। हम सभी ने देश के संविधान की रक्षा और देश की एकता अखंडता को बचाये रखने के लिए के लिए भगवान श्री राम से आशीर्वाद मांगा और प्रार्थना कि देश में अमन और चौन कायम हो देश तरक्की के रास्ते पर आगे बढ़े, हर बच्चे को अच्छी शिक्षा मिले. अच्छा स्वास्थ्य मिले देश में रोजगार हो माता बहनों का सम्मान होमहिलाएं सुरक्षित हो और उनका सम्मान सदा बना रहे विश्व में मानवता की रक्षा हो और पूरी दुनिया पर भगवान राम की कृपा बनी रहे। वसुदेव कुटुंबकम हमारी परंपरा सदियों से रही है मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम पूरे देश विश्व में करुणा मैत्री प्रेम मजबूत करें। हवन पूजन में प्रमुख रूप से जिला उपाध्यक्ष अवनीश तोमर, सच्चिदानंद लोधी जिला अध्यक्ष किसान प्रकोष्ठ कैप्टन श्याम पाल सिंह जिला अध्यक्ष सैनिक प्रकोष्ठ जिला उपाध्यक्ष जगतपाल ब्लॉक अध्यक्ष, सनी वर्मा, सैंकड़ो की संख्या में माताएं बहने समाजसेवी बुजुर्ग बच्चे आदि मौजूद रहे।

जिले भर में रही श्रीराम मंदिर स्थापना व प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम की धूम

● भक्तो ने जलाए सवा लाख दिए ● जगह जगह आयोजित किया भंडारे

● झूम झूम मनवा ये गाए श्रीराम घर आज आए सबके हर्षा, श्रीराम घर आज आए

लखीमपुर खीरी। सदियों से पीढ़ी दर पीढ़ी चली आ रही सनातन समाज के राम राज्य की आस आखिरकार आज पूरी हो गई। 500 का इंतजार खत्म हुआ। बाबर के जमाने से हो रहा संघर्ष 22 जनवरी को समाप्त हो गया। अयोध्या में पीएम मोदी द्वारा ष्बाल रामष् प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा की गई। लखीमपुर जिले के बहुत से लोग इस पौराणिक और यादगार पल को मन मस्तिस्क में संजोने अयोध्या पहुंचे थे। वही बाकी लोगों ने टीवीए यूट्यूब और सोशल साइट्स के जरिए धार्मिक कार्यक्रम को देखा। पूरा दिन लखीमपुर शहर व जिले के अन्य इलाके श्री राम के जयकारों से गुंजायमान रहे। मंदिरों के साथ साथ सरकारी महकमों को भगवा रंग से रंगा गया। बहुत जगहों पर रामायण पाठ आयोजित हुए। सबसे खास तैयारी थी सवा लाख दिए जलाने की। मिश्राना चौकी चौराहे से लेकर हीरालाल धर्मशाला चौराहे तक दिया जलाने के स्टॉल लगाए गए थे। शाम के छः बजते ही लोगो ने दिए जलाने शुरू कर दिए थे। इसके बाद दीपवाली की तरह आतिशबाजी कर लोगों ने अपनी खुशी का इजहार भी किया। हिंदू समुदाय के लोगों ने अपने घरों को दीवाली की भांति ही न केवल दीयों, झालरों और मोमबत्तियों की रोशनी से रोशन किया बल्कि पूजा पाठ भी की। पूरा दिन शहर में भंडारे आयोजित किए गए। प्रशासनिक अमले ने भी कई जगहों पर धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए। पूरा दिन पुलिस महकमा मुस्तैद रहा।

सप्तपुरियों में प्रथम श्रीअयोध्या धाम में प्रभु श्रीराम के बाल रूप विग्रह का प्राण प्रतिष्ठा समारोह पर जनपद खीरी में उत्सव का माहौल है। घरों पर

लहराते ध्वज, मंदिरों से लेकर बाजार, सरकारी भवनों, दफ्तरों, मोहल्लों में सजीं रंग.बिरंगी लाइटें, जगह.जगह पर होने वाले भंडारे आकर्षण का केंद्र बने हुई हैं। शहर में जय श्रीराम अंगना मैं सजाऊंगी राम आएंगे, सजा दो घर गुलशन साए मेरे राम आए हैं जैसे भक्ति गीतों की धुनों पर नाचते.गाते भक्त हर जगह यही नजारे थे। मंदिरों में जहां एक ओर सुंदरकांडए अखंड रामायण के पाठ चल रहे वही दूसरी ओर श्रद्धालुओं की लंबी कतारे लगी रही। अयोध्या धाम में श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा पर डीएम आवास के मुख्य प्रवेश द्वार पर भव्य भंडारा हुआ, जिसका डीएम महेंद्र बहादुर सिंह ने अपनी धर्मपत्नी अल्पना सिंह, दोनों पुत्री मिशिका और मायरा के साथ पूरे विधि विधान से पूजन अर्चन कर भव्य भंडारे का शुभारंभ किया। सर्वप्रथम गोमाता और कन्याओं को भोजन प्रसाद कराके भंडारे की शुरुआत हुई। डीएम में पत्नी संग स्वयं भंडारे का प्रसाद परोसा। डीएम ने सीडीओ अनिल कुमार सिंह, एडीएम संजय कुमार सिंह सहित सभी बड़ी संख्या में जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ प्रसाद ग्रहण किया।

जिला प्रशासन के तत्वावधान में अयोध्या धाम में श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा पर शहर के कुष्ठ आश्रम हाथीपुर, वृद्ध आश्रम नौरंगाबाद और जिला चिकित्सालय ओयल में फल और कंबल वितरण कार्यक्रम हुआ। डीएम ने सीडीओ अनिल कुमार सिंह सहित अपनी पूरी प्रशासनिक अफसरो की टीम संग हाथीपुर कोठार मोहल्ले में संचालित कुष्ठ आश्रम में पहुंचकर कुष्ठरोगियों को फल और कंबल वितरित किए। डीएम ने कुष्ठ रोगियों तथा उनके परिजनों का कुशल क्षेम पूछा। इस दौरान कुष्ठ पीड़ितों ने जय श्रीराम का उद्घोष करते हुए अफसर का अभिवादन किया। इसके बाद अफसरों की टीम वृद्धाश्रम में पहुंचकर वृद्ध व असहाय लोगों को मिष्ठान, फल व कंबल आदि वितरित कर हालचाल लिया। सीडीओ अनिल कुमार सिंह ने वृद्धजनों को हर संभव मदद दिलाने का भी भरोसा दिया। इसके बाद जिला चिकित्सालय ओयल में पहुंचकर मरीज व उनके तीमारदारों को फल वितरित किया।

निजी स्थानों पर प्राण प्रतिष्ठा के लिए मंजूरी जरूरी नहीं: मद्रास उच्च न्यायालय

भाषा। चेन्नई

मद्रास उच्च न्यायालय ने सोमवार को तमिलनाडु में श्री राम मंदिर में श्री राम लला की प्राण प्रतिष्ठा से संबंधित कार्यक्रमों के आयोजन पर राज्य सरकार के रुख का हवाला देते हुए कहा कि निजी परिसरों में कार्यक्रमों के लिए किसी अनुमति की आवश्यकता नहीं है। साथ ही अदालत ने कहा कि भगवान के प्रति भक्ति केवल शांति और खुशहाली के लिए है, न कि इसका उद्देश्य सामाजिक संतुलन को बिगाड़ना है। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में भव्य मंदिर में श्री राम लला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर उच्च न्यायालय ने यह भी कहा कि समारोह के सीधे प्रसारण की व्यवस्था करने का अधिकार आयोजकों पर छोड़ा जाएगा।

न्यायमूर्ति एन. आनंद वेंकटेश ने एक रिट याचिका पर आदेश पारित किया, जिसमें सहायक पुलिस आयुक्त, अवाडी डिवीजन, पट्टाभिराम डिवीजन प्रभारी (प्रथम प्रतिवादी) द्वारा शहर के पट्टाभिराम में एक विवाह हॉल में सोमवार को भजन और अन्नदानम आयोजित करने की अनुमति देने से इनकार किए जाने के आदेश को चुनौती दी गई थी। याचिका एल गणपति ने दायर की थी।

राज्य की ओर से पेश हुए अतिरिक्त लोक अभियोजक ए. दामोदरन ने कहा कि मंडप, निजी मंदिरों और किसी अन्य निजी स्थान जैसे निजी परिसरों में आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों, भजन और अन्नदानम के लिए पुलिस से किसी भी अनुमति की आवश्यकता नहीं होती है। उनके अनुसार, अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह के सीधे प्रसारण की व्यवस्था का जिम्मा आयोजकों का होगा।

न्यायाधीश ने कहा, राज्य सरकार और पुलिस द्वारा उठाए गए उपरोक्त रुख से यह बिल्कुल स्पष्ट हो जाता है कि इस अवसर को ध्यान में रखते हुए समारोह आयोजित करना, भजन गानागाम नाम का उच्चारण करना, (अन्नदानम का आयोजन) करना अपने आप में निषिद्ध या प्रतिबंधित नहीं है। इनका आयोजन इस बात को ध्यान में रखते हुए किया जाए, कि यह सब आज कानून-व्यवस्था की समस्या पैदा किए बिना जिम्मेदारीपूर्ण तरीके से होगा। अदालत ने याचिका का निपटारा करते हुए कहा, किसी भी गलत सूचना का या गलत सूचना के प्रसार की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। सभी संबंधित पक्षों को यह ध्यान में रखना चाहिए कि भगवान के प्रति भक्ति केवल शांति और खुशी के लिए है, न कि समाज में संतुलन को बिगाड़ने के लिए।

तमिलनाडु में आध्यात्मिक दमन कर रही द्रमुक सरकार : राज्यपाल रवि

भाषा। चेन्नई

तमिलनाडु के राज्यपाल आर.एन. रवि ने सोमवार को आरोप लगाया कि पूरा देश अयोध्या में राम लला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह का जश्न मना रहा है जबकि यहां राज्य सरकार के नियंत्रण में एक श्रीराम मंदिर के पुजारियों और कर्मचारियों को दमन का सामना करना पड़ रहा है। भाजपा ने द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सरकार पर प्राण प्रतिष्ठा संबंधी समारोहों के सार्वजनिक प्रसारण पर प्रतिबंध लगाने का आरोप लगाया है। इसकी पृष्ठभूमि में रवि ने यहां एक मंदिर की अपनी यात्रा का जिक्र करते हुए भाजपा के आरोप का समर्थन किया।

राज्यपाल ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, सोमवार सुबह मैंने चेन्नई के पश्चिम माम्बलम में स्थित श्री कोडंडारामस्वामी मंदिर में दर्शन किए और जन कल्याण के लिए प्रभु श्री राम से प्रार्थना की। यह मंदिर राज्य सरकार के हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग के अधीन है।

उन्होंने आरोप लगाया, पुजारियों और मंदिर के कर्मचारियों के चेहरे पर भय और आशंकाओं के भाव स्पष्ट रूप से देखे जा सकते थे। देश के बाकी हिस्सों में जिस तरह का माहौल है, यह उससे ठीक विपरीत है। पूरे देश में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के जश्न का माहौल है जबकि मंदिर परिसर में दमन की भावना झलक रही थी। तमिलनाडु सरकार ने अयोध्या स्थित नवनिर्मित मंदिर में भगवान राम के बाल स्वरूप के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में राज्य के मंदिरों में समारोह आयोजित करने की अनुमति देने से इनकार करने के भाजपा के आरोपों को खारिज कर दिया।

एक करोड़ घरों पर रूफटॉप सोलर के लक्ष्य के साथ पीएम सूर्योदय योजना शुरू होगी: मोदी

भाषा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि केंद्र सरकार प्रधानमंत्री सूर्योदय योजना आरंभ करेगी जिसके तहत एक करोड़ घरों की छतों (रूफटॉप) पर सोलर पैनल लगाए जाएंगे। मोदी ने अयोध्या में भव्य राम मंदिर में रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होकर दिल्ली लौटने के बाद यह घोषणा की। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, सूर्यवंशी भगवान श्री राम के आलोक से विश्व के सभी भक्तगण सदैव ऊर्जा प्राप्त करते हैं। आज अयोध्या में प्राण-प्रतिष्ठा के शुभ अवसर पर मेरा ए संकल्प और प्रशस्त हुआ कि भारतवासियों के घरों की छतों पर उनका अपना सोलर रूफ टॉप सिस्टम हो।

उन्होंने कहा, अयोध्या से लौटने के बाद मैंने पहला निर्णय लिया है कि हमारी सरकार एक करोड़ घरों पर रूफटॉप सोलर पैनल लगाने के लक्ष्य के साथ प्रधानमंत्री सूर्योदय योजना प्रारंभ करेगी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इससे गरीब और मध्यम वर्ग का बिजली बिल तो कम होगा ही, साथ ही भारत ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर भी बनेगा। प्रधानमंत्री ने अयोध्या से लौटने के बाद इस संबंध में एक बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने इसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा कीं। बाद में प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने एक बयान में कहा कि प्रधानमंत्री सूर्योदय योजना का उद्देश्य सौर पैनल के माध्यम से निम्न और मध्यम आय वाले व्यक्तियों को बिजली प्रदान करना है। साथ ही इसका लक्ष्य अधिशेष बिजली उत्पादन से अतिरिक्त आय का स्रोत भी उपलब्ध कराना है। प्रधानमंत्री ने यह भी निर्देश दिया कि बड़ी संख्या में सोलर पैनल लगाने के मद्देनजर आवासीय इलाकों के उपभोक्ताओं के लिए एक व्यापक राष्ट्रीय अभियान शुरू किया जाना चाहिए।

कांग्रेस नेता की याचिका पर जवाब देने के लिए केंद्र को दो हफ्ते का समय

भाषा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को केंद्र सरकार से कहा कि वह एक कांग्रेस नेता की उस याचिका पर दो सप्ताह के भीतर जवाब दे, जिसमें नारी शक्ति वंदन अधिनियम-2023 को तत्काल लागू करने का अनुरोध किया गया है, ताकि इस साल होने वाले आम चुनाव से पहले लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में एक तिहाई सीट महिलाओं के लिए आरक्षित की जा सकें। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ ने केंद्र सरकार को यह समय उसके वकील कनु अग्रवाल के यह कहने पर दिया कि सरकार को व्यापक जवाब दाखिल करने के लिए कुछ समय चाहिए।

याचिकाकर्ता जया ठाकुर की ओर से पेश वरिष्ठ वकील विकास सिंह ने कहा कि अदालत को यह सुनिश्चित करने के लिए निर्देश जारी करना चाहिए कि कानून को आम चुनाव से पहले लागू किया जा सके। न्यायमूर्ति खन्ना ने कहा कि अदालत इस स्तर पर कोई निर्देश पारित नहीं कर सकती और सिंह से केंद्र के जवाब का इंतजार करने के लिए कहा। जब वकील प्रशांत भूषण ने कहा कि वह इस मुद्दे पर एक याचिका दायर करना चाहते हैं, तो पीठ ने उनसे कहा कि उनकी याचिका, एक नया मामला होने के कारण, केवल प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की पीठ को ही सौंपी जा सकती है। अदालत इस मामले की सुनवाई अब तीन सप्ताह बाद करेगी। उच्चतम न्यायालय ने तीन नवंबर, 2023 को कहा था कि महिला आरक्षण कानून के उस हिस्से को रद्द करना अदालत के लिए बहुत मुश्किल होगा, जो कहता है कि इसे जनगणना के बाद लागू किया जाएगा।

मथुरा में भगवान कृष्ण ने राम रूप में दिए दर्शन

● राममय हुई कृष्ण नगरी मंदिरों में हुई भव्य सजावट

मथुरा (उप्र)। अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर ब्रज में भी अद्भुत उत्साह व उल्लास का माहौल है और कृष्ण की नगरी राममय हो गई है। योगिराज श्रीकृष्ण की नगरी में हर सड़क, चौराहे पर बस भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा की धूम मची है। मथुरा-वृन्दावन नगर निगम ने ऐसे में प्रमुख चौराहों पर विभिन्न कलाकृतियों और बिजली की झालरों से सजाया है। मथुरा में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के मद्देनजर साज सजावट के साथ-साथ जगह-जगह भण्डारे के आयोजन किए गए हैं। सरकारी स्तर पर भी कई कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। महानगर के प्रमुख गोवर्धन चौराहे (अटल चौक) पर झांसी के सैंड आर्टिस्ट समीर द्वारा रेत से बनाई गई प्रभु श्रीराम के मंदिर की कृति देखते ही बन रही है। रेत से बनी इस आकृति को देखने के लिए भारी भीड़ वहां उमड़ रही है।

लोग-बाग बरबस ही कह रहे हैं कि प्रभु श्रीराम के आगमन ने छोटे व्यापारियों की जनवरी माह में ही दिवाली करा दी है। मिट्टी के दीपक, आकर्षक लाइटिंग की झालरें, झंडियां आदि की खूब बिक्री हुई है। बाजार में दो दिन से ग्राहकों की खूब भीड़ दिखी। मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मस्थान व वृन्दावन के ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर सहित अन्य कई मंदिरों में भगवान श्रीकृष्ण ने सोमवार को प्रभु श्रीराम के रूप में दर्शन दिए। भगवान कृष्ण ने बांसुरी के साथ-साथ धनुष बाण भी धारण कर रखे थे। यह अद्भुत दृश्य देख श्रद्धालु खुद को अभिभूत अनुभव कर रहे थे।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि सेवा संस्थान के सचिव कपिल शर्मा ने बताया कि श्रीकृष्ण जन्मस्थान पर स्थित भागवत भवन के राधा-कृष्ण मंदिर को अयोध्या का स्वरूप देने का प्रयास किया गया, तो भगवान राधा और कृष्ण की छवि को भगवान राम और सीता के रूप में सजाया गया है। भव्य फूल बंगले में सजी उनकी छवि की आभा देखते ही बनती है। मंदिर के प्रांगण में सुबह से ही निरंतर प्रसाद वितरण जारी रहा। ठाकुर द्वारिकाधीश मंदिर को भव्य रोशनी से जगमग किया गया है। यहां ठाकुरजी ने अपने मूल स्वरूप में ही दिव्य दर्शन दिए। मंदिर में सुबह 10 से 11 बजे तक प्रसाद वितरण किया गया। शाम को भव्य दीपदान होगा। प्राचीन केशवदेव मंदिर को सजाकर सुबह सुंदरकाण्ड का पाठ किया गया। महिलाओं ने बधाई गायन किया। यहां ठाकुर जी ने श्री राम के रूप में ही धनुष बाण धारण कर अपने भक्तों को दर्शन दिया।

वृन्दावन के ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में भी श्रद्धालुओं को आज अपने आराध्य भगवान रामलला का रूप धारण किए हुए नजर आए। श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर, द्वारकाधीश मंदिर सहित अन्य मंदिरों में भी भव्य सजावट की गई। नगर निगम के वृन्दावन कार्यालय के कर निरीक्षक श्रीगोपाल वशिष्ठ ने बताया कि ओडिशा के कलाकारों द्वारा देवरहा घाट और कान्हा गोशाला के बाहर राम मंदिर और भगवान राम की प्रतिमूर्ति बनाई गया। देवरहा बाबा घाट पर शाम चार बजे दीपोत्सव होगा। वहीं, जुगल घाट पर 500 किलोग्राम फूलों से रंगोली बनाई गई व विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए।

भाजपा महिला विरोधी, भगवान राम के बारे में बात करती है लेकिन देवी सीता पर साध लेती है चुप्पी: ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने लोकसभा चुनाव से पहले धर्म के राजनीतिकरण का प्रयास करने को लेकर सोमवार को भाजपा की आलोचना की और भगवान राम के बारे में विमर्श से देवी सीता को हटा देने के लिए उसे महिला विरोधी करार दिया। अयोध्या में नवनिर्मित राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दिन टीएमसी द्वारा यहां आयोजित मार्च का नेतृत्व करते हुए ममता ने देश में धर्मनिरपेक्षता और समावेशिता के सिद्धांतों को संरक्षित करने में बंगाल की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। रैली में, अपने समापन संबोधन में उन्होंने कहा, मैं चुनाव से पहले धर्म का राजनीतिकरण करने में विश्वास नहीं करती। मैं ऐसी परिपाटी के खिलाफ हूं। मुझे भगवान राम की पूजा करने वालों से कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन लोगों की खान-पान की आदतों में हस्तक्षेप पर आपत्ति है।

ठाकरे गुट की याचिका पर शिंदे व कई विधायकों से मांगा जवाब

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने उद्धव ठाकरे गुट की एक याचिका पर सोमवार को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और कुछ अन्य विधायकों से जवाब मांगा। याचिका में विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर के उस आदेश को चुनौती दी गई है जिसमें जून 2022 में विभाजन के बाद शिंदे के नेतृत्व वाले शिवसेना गुट को असली शिवसेना घोषित किया गया था। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने ठाकरे गुट की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल और अभिषेक सिंघवी की दलीलों पर गौर किया तथा मुख्यमंत्री और अन्य विधायकों से दो सप्ताह में जवाब मांगा। शुरुआत में, शीर्ष अदालत ने कहा कि याचिका पर बंबई उच्च न्यायालय भी सुनवाई कर सकता है। हालांकि, ठाकरे गुट के वरिष्ठ वकीलों ने इस विचार का विरोध किया और कहा कि शीर्ष अदालत मामले की सुनवाई के लिए ज्यादा उपयुक्त है। सिब्बल ने कहा, यह निर्णय आपकी अदालत को करना है। अगर हम उच्च न्यायालय जाते हैं, तो इसमें और देरी होगी। उन्होंने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष का निर्णय शीर्ष अदालत के निर्देश के अनुसार आया था।

न्यायालय ने शुरू में शिंदे और उनके गुट के विधायकों को अपना जवाब दाखिल करने के लिए चार सप्ताह का समय देने का इरादा जताया, लेकिन बाद में मामले को दो सप्ताह के बाद तय किया। ठाकरे गुट ने विधायक सुनील प्रभु के माध्यम से दायर अपनी याचिका में आरोप लगाया है कि शिंदे ने असंवैधानिक रूप से सत्ता हथिया ली और असंवैधानिक सरकार का नेतृत्व कर रहे हैं। विधानसभा अध्यक्ष नार्वेकर ने 10 जनवरी को सुनाए गए अपने आदेश में शिंदे सहित सत्तारूढ़ खेमे के 16 विधायकों को अयोग्य ठहराने की ठाकरे गुट की याचिका को भी खारिज कर दिया था। विधानसभा अध्यक्ष द्वारा सुनाए गए आदेशों को चुनौती देते हुए ठाकरे गुट ने इसे स्पष्ट रूप से गैरकानूनी और गलत बताया और कहा कि दल-बदल के कृत्य को दंडित करने के बजाय दल-बदलुओं को

● याचिका में कहा गया है कि यह 10वीं अनुसूची को पूरी तरह से उलटने जैसा है, जिसका उद्देश्य उन विधायकों को अयोग्य ठहराना है जो अपने राजनीतिक दल के खिलाफ काम करते हैं।

पुरस्कृत किया गया है।

याचिका में कहा गया, सभी विवादित फैसले इस सामान्य निष्कर्ष पर आधारित हैं कि अधिकांश विधायक राजनीतिक दल की इच्छा का प्रतिनिधित्व करते हैं, इसलिए, वे अयोग्यता के लिए उत्तरदाई नहीं हैं। याचिका में कहा गया है कि यह 10वीं अनुसूची को पूरी तरह से उलटने जैसा है, जिसका उद्देश्य उन विधायकों को अयोग्य ठहराना है जो अपने राजनीतिक दल के खिलाफ काम करते हैं। याचिका में कहा गया, हालांकि, यदि विधायकों के बहुमत को राजनीतिक दल माना जाता है, तो वास्तविक राजनीतिक दल के सदस्य बहुमत वाले विधायकों की इच्छा के अधीन हो जाते हैं। यह पूरी तरह से संवैधानिक व्यवस्था के खिलाफ है और इसके परिणामस्वरूप इसे रद्द किया जा सकता है।

इसमें कहा गया है कि विधानसभा अध्यक्ष ने यह व्यवस्था देकर गलती की है कि शिवसेना के अधिकांश विधायक शिवसेना राजनीतिक दल की इच्छा का प्रतिनिधित्व करते हैं। याचिका में आरोप लगाया गया, सुविधा का संतुलन याचिकाकर्ता के पक्ष में और प्रतिवादियों के खिलाफ है। एकनाथ शिंदे ने असंवैधानिक रूप से सत्ता हथिया ली है और महाराष्ट्र में असंवैधानिक सरकार का नेतृत्व कर रहे हैं। यह बेहद पक्षपातपूर्ण है और याचिकाकर्ता के साथ-साथ आम जनता को भी अपूरणीय क्षति हुई है। अंतरिम राहत के रूप में, शीर्ष अदालत के समक्ष याचिका पर निर्णय आने तक विधानसभा अध्यक्ष द्वारा पारित 10 जनवरी के आदेश के क्रियान्वयन पर रोक लगाने का अनुरोध किया गया है।

नासा के अंतरिक्ष यान ने भारत के चंद्रयान-3 के लैंडर का चंद्रमा की सतह पर पता लगाया

नई दिल्ली। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के, चंद्रमा की कक्षा में चक्कर लगा रहे अंतरिक्ष यान ने भारत के चंद्रयान-3 मिशन के तहत भेजे गए विक्रम लैंडर की चंद्रमा पर स्थिति का सफलतापूर्वक पता लगा लिया है। अमेरिकी एजेंसी ने यह जानकारी दी। नासा ने बताया कि लेजर रोशनी को लूनर रेकॉनिसेंस ऑर्बिटर (एलआरओ) और विक्रम लैंडर पर एक छोटे रेट्रोरिफ्लेक्टर के बीच प्रसारित और परावर्तित किया गया, जिससे चंद्रमा की सतह पर लक्ष्य का सटीकता के साथ पता लगाने की एक नई शैली का तरीका मिल गया। लैंडर चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव क्षेत्र में मंजनिस क्रेटर के पास एलआरओ से 100 किलोमीटर दूर था, जब एलआरओ ने पिछले साल 12 दिसंबर को इसकी ओर लेजर तरंगें भेजीं। ऑर्बिटर ने विक्रम पर लगे एक छोटे रेट्रोरिफ्लेक्टर से वापस लौटकर आई रोशनी दर्ज की जिसके बाद नासा के वैज्ञानिकों को पता चला कि उनकी तकनीक काम कर गई है।

जब तेजस्वी यादव ने बयान वापस ले लिया है तो मुकदमा क्यों जारी रहे: न्यायालय ने पूछा

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव की उस याचिका पर सुनवाई 29 जनवरी तक स्थगित कर दी जिसमें उन्होंने अपनी कथित टिप्पणी केवल गुजराती ही ठग हो सकते हैं , को लेकर अहमदाबाद की एक मजिस्ट्रेट अदालत में उनके खिलाफ लंबित आपराधिक मानहानि की शिकायत को गुजरात के बाहर किसी अन्य स्थान पर, संभव हो तो दिल्ली, स्थानांतरित करने का अनुरोध किया है। न्यायमूर्ति ए एस ओका और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने प्रतिवादी के वकील द्वारा समय दिए जाने का अनुरोध करने के बाद मामले पर सुनवाई स्थगित की।

पीठ ने कहा, जब उन्होंने (तेजस्वी ने) बयान वापस ले लिया है तो अभियोजन को मुकदमा जारी क्यों रखना चाहिए? आप निर्देश लें वरना हम अनुच्छेद 142 के तहत शक्तियों का प्रयोग करेंगे।

शीर्ष अदालत ने अपने आदेश में कहा, प्रतिवादी के वकील ने 19 जनवरी को याचिकाककर्ता (यादव) द्वारा दर्ज कराए बयान पर निर्देश लेने के लिए वक्त मांगा है। मामले पर अगली सुनवाई के लिए सोमवार की तारीख तय करें। उच्चतम न्यायालय ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता की याचिका पर सुनवाई करते हुए पहले आपराधिक मानहानि की शिकायत में सुनवाई पर रोक लगा दी थी और याचिका दायर करने वाले गुजरात निवासी को नोटिस जारी किया था। कथित आपराधिक मानहानि के लिए यादव के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 499 और 500 के तहत शिकायत दर्ज की गई थी। गुजरात की एक अदालत ने अगस्त में दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 202 के तहत यादव के खिलाफ प्रारंभिक जांच की थी और एक स्थानीय व्यवसाई और कार्यकर्ता हरेश मेहता द्वारा दायर शिकायत पर उन्हें तलब करने के लिए पर्याप्त आधार पाया था।

विधायक अब्बास अंसारी की याचिका पर उप्र से जवाब मांगा

भाषा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को उत्तर प्रदेश के विधायक अब्बास अंसारी की उस याचिका पर राज्य सरकार से जवाब मांगा, जिसमें उन्होंने हथियार लाइसेंस मामले में जमानत याचिका खारिज करने के इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती दी है। गैंगस्टर से नेता बने मुख्तार अंसारी के बड़े बेटे अब्बास ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊपीठ के 20 नवंबर, 2023 के आदेश के खिलाफ शीर्ष अदालत का रुख किया है।

अब्बास की याचिका पर न्यायमूर्ति बी.आर. गवई, न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ के समक्ष सुनवाई हुई। पीठ ने उत्तर प्रदेश सरकार को नोटिस जारी कर अब्बास की याचिका पर जवाब मांगा और इसे चार सप्ताह के बाद सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया। शस्त्र लाइसेंस प्राप्त करने और हथियार खरीदने में कथित अनियमितताओं के लिए 12 अक्टूबर,

2019 को मऊ निर्वाचन क्षेत्र से विधायक अब्बास के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में कहा, याचिकाकर्ता (अब्बास) का शुरू में लखनऊ में जारी किया गया लाइसेंस एक अक्टूबर, 2015 को अमान्य हो गया था। उसी लाइसेंस के आधार पर उसने एक जून, 2017 को नई दिल्ली में लाइसेंस जारी कराया और उसने सात आग्नेयास्त्र खरीदे। अब्बास ने 2012 में लखनऊ से हथियार का लाइसेंस प्राप्त किया था।

उच्च न्यायालय ने कहा था कि अब्बास ने एक रिवॉल्वर की इजाजत ली थी जो एक शूटर के लिए मंजूर नहीं थी और उनके पास 4,431 कारतूस थे, जिनमें से कई धातु खोल वाले थे और उन्हें एक शूटर द्वारा इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं थी।

अब्बास अंसारी को प्रतिस्पर्धी निशानेबाज माना जाता है और उन्होंने निशानेबाजी चैंपियनशिप में पदक जीते हैं। उच्च न्यायालय ने अब्बास की जमानत याचिका खारिज करते हुए कहा था, एक विशेषज्ञ निशानेबाज और विधानसभा के सदस्य के रूप में याचिकाकर्ता की स्थिति पर विचार करने के बाद, आवेदक के जमानत पर रिहाई के मामले में गवाहों को प्रभावित करने में सक्षम होने की संभावना है। इस वजह से याचिकाकर्ता को जमानत से इनकार किया जाता है। अब्बास अंसारी ने 2022 का विधानसभा चुनाव सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के टिकट पर जीता, जो उस समय समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन में थी।

पेज 1 का शेष

पांच सदी...

मंदिर के पहले चरण में अब तक 1,100 करोड़ रुपये की लागत आई है। इसके मंगलवार को जनता के लिए खुलने की उम्मीद है। नई मूर्ति में राम को पांच साल की उम्र में दर्शाया गया है, और इसे मैसूर स्थित मूर्तिकार अरुण योगीराज ने काले पत्थर से बनाया है। देश भर से आए पचास पारंपरिक संगीत वाद्ययंत्र भक्तिमय 'मंगल ध्वनि' का हिस्सा थे, जो समारोह के दौरान गूंजता रहे। अयोध्या के प्रसिद्ध कवि यतींद्र मिश्र द्वारा प्रस्तुत इस प्रस्तुति को नई दिल्ली की संगीत नाटक अकादमी का समर्थन प्राप्त था, जैसा कि पिछले सप्ताह पायनियर द्वारा विशेष रूप से रिपोर्ट किया गया था। सुबह से ही सड़कों पर 'रामधुन' बजती रही, सुरक्षाकर्मियों ने अयोध्या जिलों में कड़ी निगरानी रखी। अयोध्या में धार्मिक उत्साह छाया हुआ है और शहर में उत्सव जैसा माहौल है। हर कोने पर लाउडस्पीकरों पर जय श्री राम के नारे और भगवान राम की स्तुति करने वाले पारंपरिक गीत बजते हुए सुने गए। उत्तर प्रदेश प्रांतीय सशस्त्र कांस्टेबुलरी (पीएसी) के एक बैंड ने राम आएंगे, सारे जहां से अच्छा की धुन बजाई। इस अवसर का हिस्सा बनने के लिए देश के कई हिस्सों से भक्त मंदिर शहर पहुंचे, हालांकि मुख्य समारोह केवल आमंत्रित लोगों के लिए था। लाखों लोगों ने अपने घरों और पड़ोस के मंदिरों में टेलीविजन पर प्राण प्रतिष्ठा समारोह देखा, जो लोकसभा चुनाव से कुछ महीने पहले आयोजित ऐतिहासिक कार्यक्रम का हिस्सा बने। पुष्प पैटर्न और रात में दिखाई देने वाली रोशनी में जय श्री राम का चित्रण करने वाले औपचारिक द्वार प्राचीन शहर की आभा को बढ़ाते हैं, जिसमें पिछले कुछ वर्षों में बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचागत विकास हुआ है। आमंत्रितों को राम पटका भेंट किया गया और तिलक लगाकर स्वागत किया गया। सभी आमंत्रितों को एक घंटी भेंट की गई जिसे उन्होंने आरती के दौरान बजाया। राम जन्मभूमि मंदिर का निर्माण पारंपरिक नागर शैली में किया गया है। इसकी पूर्व-पश्चिम लंबाई 380 फीट, चौड़ाई 250 फीट और ऊंचाई 161 फीट है। यह 392 स्तंभों पर आधारित है और इसमें 44 दरवाजे हैं। खंभे और दीवारें हिंदू देवी-देवताओं के जटिल चित्रण को प्रदर्शित करती हैं। अभिषेक अनुष्ठान 16 जनवरी को सरयू नदी तट से शुरू हुआ और सोमवार दोपहर को पूरा हुआ। देश भर के मंदिरों ने विशेष उत्सव की घोषणा की थी क्योंकि कई राज्यों ने आधे दिन की छुट्टी की घोषणा की थी। वाशिंगटन डीसी और पेरिस से लेकर सिडनी तक विश्व हिंदू परिषद या हिंदू डायस्पोरा द्वारा दुनिया के विभिन्न हिस्सों में कार्यक्रमों की योजना बनाई गई थी।

पीएम मोदी...

आज का दिन देखने में हुई देरी के लिए भगवान राम से माफी मांगी और कहा कि आज वह खालीपन भर गया है, निश्चित रूप से श्री राम हमें माफ कर देंगे। प्रधानमंत्री ने त्रेता युग में संत तुलसीदास के श्री राम की वापसी को याद करते हुए उस खुशी को याद किया जो उस समय की अयोध्या को महसूस हुई होगी। उन्होंने कहा, 'तब श्री राम से वियोग 14 वर्ष तक चला और तब भी असहनीय था। इस युग में अयोध्या और देशवासियों को सैकड़ों वर्षों का अलगाव सहना पड़ा।' मोदी ने आगे कहा, संविधान की मूल प्रति में श्रीराम मौजूद होने के बावजूद आजादी के बाद लंबी कानूनी लड़ाई लड़ी गई। प्रधानमंत्री ने न्याय की गरिमा को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए भारत की न्यायपालिका को धन्यवाद दिया। उन्होंने जोर देकर कहा, न्याय के अवतार, श्री राम के मंदिर का निर्माण उचित माध्यम से किया गया।' प्रधानमंत्री ने बताया कि छोटे-छोटे गांवों समेत पूरे देश में जुलूस निकल रहे हैं और मंदिरों में स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। मोदी ने कहा, 'पूरा देश आज दिवाली मना रहा है। हर घर शाम को राम ज्योति जलाने के लिए तैयार है।' प्रधानमंत्री ने बताया कि छोटे-छोटे गांवों समेत पूरे देश में जुलूस निकल रहे हैं और मंदिरों में स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। मोदी ने कहा, 'पूरा देश आज दिवाली मना रहा है। हर घर शाम को राम ज्योति जलाने के लिए तैयार है।' एक दिन पहले राम सेतु के शुरुआती बिंदु अरिचल मुनाई की अपनी यात्रा को याद करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यह वह क्षण था जिसने काल चक्र को बदल दिया। प्रधानमंत्री ने उस क्षण की उपमा देते हुए कहा कि उन्हें विश्वास हो गया कि आज का क्षण भी समय के चक्र को बदलने और आगे बढ़ने वाला होगा। मोदी ने बताया कि अपने 11 दिवसीय अनुष्ठान के दौरान उन्होंने उन सभी स्थानों पर माथा टेकने का प्रयास किया, जहां भगवान राम के चरण पड़े थे। नासिक में पंचवटी धाम, केरल में त्रिप्रयार मंदिर, आंध्र प्रदेश में लेपाक्षी, श्रीरंगम में श्री रंगनाथस्वामी मंदिर, रामेश्वरम में श्री रामनाथस्वामी मंदिर और धनुषकोडी का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने समुद्र से सरयू नदी तक की यात्रा के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने आगे कहा, 'समुद्र से लेकर सरयू नदी तक राम नाम की वही उत्सव भावना हर जगह व्याप्त है।' उन्होंने आगे कहा, 'भगवान राम भारत की आत्मा के कण-कण से जुड़े हुए हैं, राम भारतीयों के हृदय में बसते हैं।' उन्होंने आगे कहा कि एकता की भावना भारत में कहीं भी हर किसी के विवेक में पाई जा सकती है और सामूहिकता के लिए इससे अधिक सटीक सूत्र नहीं हो सकता है। प्रधानमंत्री ने कई भाषाओं में श्रीराम कथा सुनने के अपने अनुभव को याद करते हुए कहा कि राम स्मृतियों, परंपराओं के त्योहारों में हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, 'हर युग में लोगों ने राम को जिया है।

समारोह के...

वाहन सड़कों पर गश्त करते रहे और शहर पर सख्त नियंत्रण बनाए रखा। इसके साथ ही अयोध्या नए हवाई अड्डे पर वीवीआईपी मेहमानों को लेकर 60 चार्टर्ड विमानों की लैंडिंग का गवाह बना। उतरने के बाद इन विमानों को रणनीतिक रूप से पांच राज्यों के हवाई अड्डों पर 1000 किलोमीटर के दायरे में पार्क किया गया था। अयोध्या में सीमित पार्किंग क्षमता को देखते हुए यूपी, बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश और उत्तराखंड के 12 हवाई अड्डों पर आरक्षित स्थान आवंटित किए गए थे। सुरक्षा की दृष्टि से अयोध्या को 10 जोन और 26 सेक्टर में बांटा गया था, जिसमें राम मंदिर, हनुमानगढ़ी और सरयू घाट को मिलाकर सुपर जोन बनाया गया था। इस सुपर जोन ने किसी भी संदिग्ध वस्तु को राम मंदिर तक पहुंचने से रोकने के लिए कड़े सुरक्षा प्रोटोकॉल लागू किए, जिसमें क्रैश-रेटेड बोलार्ड, अंडर-व्हीकल स्कैनर, टायर किलर और बूम बैरियर जैसे कड़े उपाय शामिल किए गए। इन सुरक्षा उपकरणों के प्रबंधन और निगरानी के लिए एसटीएफ और एटीएस कमांडो सहित विशेष टीमों को रणनीतिक रूप से तैनात किया गया था। यह स्वीकार करते हुए कि अयोध्या आने वाले पर्यटक अक्सर सरयू घाट और हनुमानगढ़ी की यात्रा करते हैं, दोनों क्षेत्रों को सुपर जोन में शामिल किया गया था तथा 7-स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था द्वारा मजबूत किया गया था। हेलीकॉप्टरों का उपयोग करके हवाई निगरानी की गई, मंदिर परिसर की बारीकी से निगरानी की गई, साथ ही मंदिर के ऊपर से गुजरने वाले ड्रोन, हवाई जहाज या हेलिकॉप्टरों पर सख्त प्रतिबंध लगाया गया। महर्षि वाल्मिकी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की सुरक्षा एक व्यापक सुरक्षा तंत्र सुनिश्चित करते हुए एनएसजी और सीआईएसएफ को सौंपी गई थी। प्रधानमंत्री मोदी और अन्य वीवीआईपी मेहमानों द्वारा उपयोग किए जाने वाले मार्गों के आसपास के घरों का गहन सत्यापन पूरा कर लिया गया था, सभी छतों पर सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए थे। सुरक्षा उपायों की सख्ती अयोध्या से आने-जाने वाली ट्रेन सेवाओं के अस्थायी निलंबन में परिलक्षित हुई। रेलवे प्रशासन ने प्लेटफॉर्म पर निर्माण का हवाला देते हुए अयोध्या जाने वाली सभी ट्रेनों का मार्ग बदल दिया या रद्द कर दिया। इसके अतिरिक्त, अयोध्या में रुकने वाली यूपी रोडवेज की बसों की कड़ी सुरक्षा जांच की गई, जो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल नेतृत्व में सुरक्षा उपायों की सावधानीपूर्वक योजना और कार्यान्वयन को रेखांकित करता है।

सात समंदर...

गीत गाए। मॉरीशस के प्रधान मंत्री प्रविंद कुमार जुगनौथ ने इस ऐतिहासिक उद्घाटन के अवसर पर प्रार्थना के लिए हिंदू कर्मचारियों को दो घंटे की विशेष छुट्टी दी। फिजी में, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद और फिजी की श्री सनातन धर्म प्रतिनिधि सभा द्वारा 18-22 जनवरी तक राम लला उत्सव का उद्घाटन धूमधाम से मनाया गया। डेनमार्क में भी, भक्तों ने राम मंदिर के अयोध्या में प्राणा प्रतिष्ठा से पहले एक स्थानीय मंदिर में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया व नृत्य किया। विविध समारोहों और भक्ति के प्रदर्शन से चिह्नित इस ऐतिहासिक घटना की वैश्विक गूंज, भगवान राम के अभिषेक का सम्मान करने वाले समुदायों की एकता को दर्शाती है।

सबसे बड़ा पर्यटक केंद्र होगा अयोध्या व राम मंदिर

भाषा। नई दिल्ली

अयोध्या में राम मंदिर के भव्य उद्घाटन से शहर में प्रति वर्ष कम-से-कम पांच करोड़ पर्यटकों के आने की संभावना है। यह संख्या स्वर्ण मंदिर और तिरुपति मंदिर में जाने वाले श्रद्धालुओं से कहीं अधिक है। ब्रोकरेज फर्म जेफरीज ने अपनी एक रिपोर्ट में अनुमान जताया है कि हवाई अड्डे जैसे बुनियादी ढांचे पर बड़े पैमाने पर खर्च करने से उत्तर प्रदेश का यह शहर एक बड़े पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित हो जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक एक नए हवाई अड्डे, विस्तारित रेलवे स्टेशन, आवासीय योजनाओं और बेहतर सड़क संपर्क के साथ नए होटलों और अन्य आर्थिक गतिविधियों के चलते यहां प्रति वर्ष पांच करोड़ से अधिक पर्यटक आ सकते हैं। एक अनुमान के मुताबिक अमृतसर के स्वर्ण मंदिर में प्रति वर्ष 3-3.5 करोड़ लोग आते हैं, जबकि तिरुपति मंदिर में 2.5-3 करोड़ लोग आते हैं। विश्व स्तर पर, वेटिकन सिटी में हर साल लगभग 90 लाख पर्यटक आते हैं और सऊदी अरब के मक्का में लगभग दो करोड़ पर्यटक आते हैं। जेफरीज के अनुसार, धार्मिक पर्यटन अभी भी भारत में पर्यटन का सबसे बड़ा खंड है। कई लोकप्रिय धार्मिक केंद्र बुनियादी ढांचे की बाधाओं के बावजूद हर साल 1-3 करोड़ पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। इसलिए, बेहतर संपर्क और बुनियादी ढांचे के साथ एक नए धार्मिक पर्यटन केंद्र (अयोध्या) का निर्माण एक बड़ा आर्थिक प्रभाव पैदा कर सकता है। रिपोर्ट में कहा गया कि पर्यटन ने वित्त वर्ष 2018-19 (कोविड-पूर्व) के दौरान जीडीपी में 194 अरब डॉलर का योगदान दिया और वित्त वर्ष 2032-33 तक इसके आठ प्रतिशत की दर से बढ़कर 443 अरब डॉलर होने की उम्मीद है। रिपोर्ट के मुताबिक अयोध्या में नए हवाई अड्डे का चरण -1 चालू हो गया है और यह 10 लाख यात्रियों को संभाल सकता है। रेलवे स्टेशन को प्रतिदिन 60,000 यात्रियों को संभालने के लिए विस्तारित किया गया है। वर्तमान में अयोध्या में 590 कमरों वाले लगभग 17 होटल हैं। इसके अलावा 73 नए होटल तैयार किए जा रहे हैं। इंडियन होटल्स, मैरियट और विंडहैम पहले ही होटल बनाने के लिए समझौते कर चुके हैं। आईटीसी भी अयोध्या में संभावनाएं तलाश रही है। ओयो की योजना अयोध्या में 1,000 कमरे जोड़ने की है।

मप्र के सीएम मोहन यादव ने की ओरछा के मंदिर में पूजा

भोपाल। मध्य प्रदेश में लोगों ने जय श्री राम के नारों, भक्ति गीतों और प्रार्थनाओं के साथ सोमवार को अयोध्या के मंदिर में रामलला की नई मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा का उत्सव मनाया। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने ओरछा में राम राजा मंदिर से डिजिटल तरीके से प्राण प्रतिष्ठा समारोह को देखा।पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के साथ पहुंचे यादव ने निवाड़ी जिले में ओरछा के मंदिर में पूजा-अर्चना की। ओरछा को छोटी अयोध्या के रूप में भी जाना जाता है। ऐसी मान्यता है कि भगवान राम दिन में ओरछा में रहते है और रात होने पर पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश की अयोध्या नगरी में विश्राम करते है।ओरछा को राजा राम के साम्राज्य के रूप में जाना जाता है और ऐसा माना जाता है कि यह देश का एकमात्र ऐसा स्थान है, जहां राम को सिर्फ भगवान के तौर पर नही, बल्कि एक प्रिय राजा के रूप में भी पूजा जाता है।मंदिर के सूत्रों के अनुसार, भगवान राम के सम्मान में स्थानीय पुलिस द्वारा प्रतिदिन तीन बार सलामी गारद दिया जाता है।विभिन्न जिलो के अलग-अलग इलाकों में प्रभात फेरियां निकाली गईं, जिसमें रंग-बिरंगे वस्त्र पहने और भगवा झंडे पकड़े पुरुषों, महिलाओं और बच्चों ने ढोल की थाप के बीच भगवान राम की स्तुति में भक्ति गीत गाए।अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह होने के तुरंत बाद भक्तों ने पूरे राज्य में पटाखे फोड़े।राज्य भर के मंदिरों में उत्सव जैसा माहौल था और चारों ओर अगरबत्तियों की सुगंध फैली हुई थी।राज्य के विभिन्न शहरों में सुबह से ही लोग मंदिरों में पूजा-अर्चना करने के लिए उमड़ पड़े और जय श्री राम के नारे लगाते हुए एक-दूसरे को बधाई दी। मुख्यमंत्री यादव ने रविवार को लोगों से अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को एक ऐतिहासिक समारोह बनाने की अपील की थी।

राम मंदिर से जुड़ा घटनाक्रम

नई दिल्ली। अयोध्या के राम मंदिर में सोमवार को रामलला की नई मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की गई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई वाले इस कार्यक्रम को देश-विदेश के लाखों लोगों ने अपने घरों और मंदिरों में टेलीविजन पर देखा।
अयोध्या राम मंदिर मुद्दे का घटनाक्रम इस प्रकार है:

- **वर्ष 1528 :** मुगल बादशाह बाबर के सेनापति मीर बकी द्वारा बाबरी मस्जिद का निर्माण कराया गया।
- **वर्ष 1885 :** महंत रघुवर दास ने फैजाबाद जिला अदालत में याचिका दायर कर विवादित ढांचे के बाहर एक चबूतरा बनाने की अनुमति मांगी। अदालत ने याचिका खारिज कर दी।
- **वर्ष 1949 :** विवादित ढांचे के बाहर मध्य गुंबद के नीचे रामलला की मूर्ति रखी गई।
- **एक फरवरी, 1986 :** स्थानीय अदालत ने सरकार को हिंदू भक्तों के लिए स्थल खोलने का आदेश दिया।
- **14 अगस्त, 1989 :** इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने विवादित ढांचे के संबंध में यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया।
- **छह दिसंबर, 1992 :** 16वीं सदी की बाबरी मस्जिद, जिसके बारे में कई हिंदुओं का मानना है कि भगवान राम के जन्मस्थान स्थल पर बनाई गई थी, को कार सेवकों ने ध्वस्त कर दिया।
- **तीन अप्रैल, 1993 :** केंद्र द्वारा विवादित क्षेत्र में भूमि अधिग्रहण के लिए अयोध्या में निश्चित क्षेत्र का अधिग्रहण अधिनियम पारित किया गया।
- **अप्रैल 2002 :** विवादित स्थल के मालिकाना हक का निर्धारण करने के लिए इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने सुनवाई शुरू की।
- **30 सितंबर, 2010 :** उच्च न्यायालय ने 2:1 के बहुमत से विवादित क्षेत्र को सुन्नी वक्फ बोर्ड, निर्मोही अखाड़ा और राम लला के बीच तीन हिस्सों में बांटने का फैसला सुनाया।
- **9 मई, 2011 :** उच्चतम न्यायालय ने अयोध्या भूमि विवाद पर उच्च न्यायालय के फैसले पर रोक लगाई।
- **जनवरी 2019 :** उच्चतम न्यायालय ने मामले की सुनवाई के लिए पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ का गठन किया।
- **छह अगस्त, 2019 :** उच्चतम न्यायालय ने भूमि विवाद पर रोजाना सुनवाई शुरू की।
- **16 अक्टूबर, 2019 :** उच्चतम न्यायालय ने सुनवाई पूरी की, आदेश सुरक्षित रखा।
- **9 नवंबर, 2019 :** एक ऐतिहासिक फैसले में, उच्चतम न्यायालय ने अयोध्या में पूरी 2.77 एकड़ विवादित जमीन रामलला को दे दी, जमीन का कब्जा केंद्र सरकार के रिसीवर को सौंपा। शीर्ष अदालत ने केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार को मस्जिद बनाने के लिए मुसलमानों को किसी प्रमुख स्थान पर पांच एकड़ जमीन आवंटित करने का भी निर्देश दिया।
- **पांच फरवरी, 2020 :** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोकसभा में अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लिए ट्रस्ट के गठन की घोषणा की।
- **पांच अगस्त, 2020 :** प्रधानमंत्री मोदी ने राम मंदिर की नींव रखी।

जश्न मनाने के लिए बेंगलुरु केसरिया रंग से रंग गया

भाषा। बेंगलुरु

बेंगलुरु में कई हिंदू संगठनों ने सोमवार को, अयोध्या स्थित नवनिर्मित मंदिर में भगवान राम के बाल स्वरूप के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा संबंधी समारोह का जश्न मनाने के लिए शहर को केसरिया रंग में रंग दिया है।भगवान राम का, करीब 500 वर्षों के अंतराल के बाद उनके जन्म स्थान पर आगमन का स्वागत करने के वाले पोस्टर, भगवान राम, हनुमान, सीता और लक्ष्मण की छवियों वाले भगवा झंडों के साथ जगह जगह नजर आ रहे हैं। शहर में दीपावली जैसा माहौल है।सुबह से ही भगवान राम और हनुमान के मंदिरों के अलावा भगवान वेंकटेश्वर मंदिरों में भी भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। जगह-जगह भजन और कीर्तन का आयोजन किया गया। रामांजनेय गुड्डा मंदिर, पट्टाभिराम स्वामी मंदिर, राजाजीनगर में राम मंदिर और मल्लेश्वरम में रामदेवरा देवस्थान और बसवनगुड़ी में राम मंदिर में विशेष प्रार्थना और पूजा हुई। इन मंदिरों ने श्रद्धालुओं के लिए भव्य प्रसाद वितरण का भी आयोजन किया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और शिकारीपुरा के विधायक बी वाई विजएंद्र, विधायकों और पूर्व मंत्रियों ने महालक्ष्मी लेआउट के रानी अब्बक्का मैदान में श्री रामतारक महायज्ञ-कलशाभिषेक में भाग लिया। हिंदू जनजागृति समिति ने शहर में शोभायात्रा निकाली। कर्नाटक के अन्य शहरों में भी ऐसे ही आयोजन हुए।

राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह राष्ट्रीय चेतना का पुनर्जागरण : हिमंत विश्व शर्मा

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को अयोध्या स्थित राम मंदिर में श्री राम लला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह को एक निर्णायक मोड़ तथा राष्ट्रीय चेतना का पुनर्जागरण बताया।अयोध्या में भगवान राम के बाल स्वरूप के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर असम के विभिन्न हिस्सों में कई कार्यक्रम आयोजित किए गए।शर्मा ने यहां हरिजन कॉलोनी में प्राण प्रतिष्ठा समारोह देखा। विभिन्न स्थानों पर विशेष प्रार्थना आयोजित की गई तथा लोगों ने पटाखे छोड़े। अयोध्या से प्राण प्रतिष्ठा समारोह का सीधा प्रसारण किया गया।शर्मा ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, अपने भव्य मंदिर में दशरथनंदन राम की

वापसी हमारी सभ्यता में एक निर्णायक मोड़ तथा राष्ट्रीय चेतना के पुनर्जागरण का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि आज आयोजित किए जा रहे विभिन्न कार्यक्रम एक हजार से अधिक भावी पीढ़ियों को सनातन धर्म का पूर्ण वैभव बनाए रखने की प्रेरणा देंगे। मुख्यमंत्री ने लिखा, माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एक अहम धार्मिक एवं सांस्कृतिक जुड़ाव को पुनर्स्थापित करने में राष्ट्र की अगुवाई कर रहे हैं तथा इतिहास के इस स्वर्णिम युग में मुझे अस्तित्व प्रदान करने के लिए मैं प्रभु श्रीराम का सदैव आभारी हूं। राज्य सरकार ने राज्य में इस मौके पर आधे दिन की छुट्टी की घोषणा की थी। सोमवार को सरकारी कार्यालय एवं संस्थान दो बजे तक बंद रहे।सरकारी विद्यालय, महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय आज पूरे दिन बंद हैं जबकि निजी शिक्षण संस्थानों से भी छुट्टी घोषित करने की अपील की गई थी।शर्मा ने रविवार को संवाददाता सम्मेलन में सभी धर्मों के लोगों से सद्भाव को बढ़ावा देने के लिए राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर विशेष प्रार्थना करने की अपील की थी।

अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा : सोशल मीडिया पर तस्वीरों, बधाई संदेशों की बाढ़

भाषा। नई दिल्ली

अयोध्या के राम मंदिर में रामलला के नवीन विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा समारोह देखने के लिए टेलीविजन के सामने लोगों के हाथ जोड़कर खड़े होने और भगवान राम के बाल स्वरूप वाली मूर्ति को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साष्टांग प्रणाम करने जैसी तस्वीरें सोमवार को सोशल मीडिया पर छाई रहीं। इस अवसर पर, सोशल मीडिया पर बधाई संदेशों का तांता लग गया और कई लोगों ने इसे ऐतिहासिक दिन करार दिया। अयोध्या में राम मंदिर के गर्भगृह में सोमवार को श्री रामलला के नवीन विग्रह की प्राण-प्रतिष्ठा संपन्न हुई, जिसके साक्षी देश-विदेश में लाखों रामभक्त बने। इस अवसर पर विशेष अनुष्ठान में भाग लेने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसे अलौकिक क्षण बताते हुए सियावर रामचंद्र की जय और जय श्री राम का उद्घोष किया। लाखों लोगों ने अपने घरों में और देश भर के मंदिरों में टेलीविजन पर पूरे समारोह को देखा। अयोध्या में धार्मिक उत्साह और उत्सव का माहौल रहा, जिसकी झलक सोशल मीडिया मंचों पर भी दिखी। प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने कई गणमान्य व्यक्ति अयोध्या पहुंचे थे और यह समारोह सोशल मीडिया मंच एक्स पर भी ट्रेंड कर रहा था। विभिन्न धर्मों, भौगोलिक क्षेत्रों और सामाजिक पहचान वाले लोगों ने यह उत्सव मनाया, जिसे भारत के राजनीतिक और धार्मिक इतिहास में एक महत्वपूर्ण अवसर माना जा रहा। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) के पूर्व कार्यकारी निदेशक एरिक सोल्हेम ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, बधाई हो भारतउ आज भारत के लिए बहुत गर्व का दिन है...नया मंदिर कला और सुंदरता का चमत्कार जैसा दिखता है। यह नए भारत के प्रतीक के रूप में खड़ा होने का विश्वास दिलाता है - इसे अपने इतिहास और विरासत पर गर्व है, देश तेजी से विकसित हो रहा है, और 21वीं सदी में एक प्रमुख शक्ति बनने के लिए तैयार है। बीएचकेस्लैम्स नाम के अकाउंट से एक्स पर पोस्ट किया गया, 500 साल का इंतजार खत्म हुआ...। प्रधानमंत्री मोदी ने उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत की उपस्थिति में प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान में हिस्सा लिया। वहीं, भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने समारोह का सीधा प्रसारण देखा। इस समारोह में शामिल होने वाली अन्य हस्तियों में अभिनेता अमिताभ बच्चन, रणबीर कपूर, आलिया भट्ट, विक्की कौशल, कैटरीना कैफ, पूर्व क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर और उद्योगपति मुकेश अंबानी और अनिल अंबानी शामिल थे। इस अवसर पर कई लोगों ने रामलला को उनके उपयुक्त स्थान पर स्थापित करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी को बधाई दी।

दीपक कुमार नाम के एक व्यक्ति ने एक्स पर पोस्ट किया, उनसे (मोदी से) प्रेम करो या नफरत, भारतीय सभ्यता

सिक्किम के सीएम ने अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह की सराहना की

गंगटोक। सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग ने सोमवार को अयोध्या में नवनिर्मित राम मंदिर में आयोजित होने वाले प्रतिष्ठा समारोह की सराहना करते हुए कहा कि आस्था और सांस्कृतिक विरासत का संगम क्षेत्रीय सीमाओं से परे है। उन्होंने यह भी कहा कि सिक्किम को साझा राष्ट्रीय खुशी का हिस्सा होने पर बहुत गर्व है और राज्य के लोग ऐतिहासिक अवसर के जश्न में राष्ट्र के साथ एकजुट होकर रोमांचित हैं। अयोध्या भगवान राम के स्वागत के लिए पूरी तरह तैयार है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मंदिर में भगवान राम के बाल स्वरूप के विग्रह के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में भाग लेने वाले हैं। मुख्यमंत्री तमांग ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, 22 जनवरी, 2024 हमारे राष्ट्र के गौरवशाली इतिहास में अद्वितीय महत्व के दिन के रूप में हमेशा अंकित रहेगा। इस महत्वपूर्ण अवसर पर राम लला अयोध्या में अपने जन्मस्थान पर लौटने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, नवनिर्मित राम जन्मभूमि मंदिर के भीतर राम लला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा के भव्य समारोह से इस दिन की ही भव्यता बढ़ जाएगी। भगवान राम के बाल स्वरूप राम लला के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा में देश के प्रमुख आध्यात्मिक और धार्मिक संप्रदायों के प्रतिनिधि, विभिन्न आदिवासी समुदायों के प्रतिनिधि सहित प्रमुख हस्तियां शामिल होंगी। मुख्यमंत्री ने कहा, सिक्किम इस ऐतिहासिक घटना के उल्लास और जश्न में पूरे देश के साथ एकजुटता के साथ खड़ा होकर रोमांचित है। खुशी की यह गूंज अयोध्या से हमारी विविध भूमि के हर कोने तक है और श्रद्धा एवं एकता की सामूहिक भावना हमें एक साथ बांधती है। उन्होंने कहा, यह संगम आस्था और सांस्कृतिक विरासत क्षेत्रीय सीमाओं से परे है और सिक्किम को इस साझा राष्ट्रीय आनंद का हिस्सा होने पर बहुत गर्व है। समारोह दोपहर 12 बजकर 20 मिनट पर शुरू होगा और मंदिर के ट्रस्ट के अनुसार इसके दोपहर एक बजे तक समाप्त होने की उम्मीद है।

प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम से प्रमुख विपक्षी नेता रहे दूर

कई ने दी शुभकामनाएं

भाषा। नई दिल्ली

कांग्रेस समेत विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) के कई घटक दलों के प्रमुख नेता अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल नहीं हुए, हालांकि इनमें से कुछ दलों के नेताओं ने सोशल मीडिया पर रामलला की तस्वीर साझा करते हुए लोगों को शुभकामनाएं दीं तथा जय सियाराम का उद्घोष किया। अयोध्या में राम मंदिर के गर्भगृह में सोमवार को श्री रामलला के नवीन विग्रह की प्राण-प्रतिष्ठा संपन्न हुई जिसके साक्षी देश-विदेश में लाखों रामभक्त बने। इस अवसर पर विशेष अनुष्ठान में भाग लेने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसे अलौकिक क्षण बताते हुए सियावर रामचंद्र की जय और जय श्रीराम का उद्घोष किया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख शरद पवार, तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी तथा समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव उन प्रमुख विपक्षी नेताओं में शामिल रहे जिन्हें

असम के एक मंदिर में जाने से रोके के बाद धरने पर बैठे राहुल

निमंत्रित किया गया था, लेकिन उन्होंने इस कार्यक्रम से दूरी बनाने का फैसला किया। कांग्रेस नेतृत्व ने भगवान राम में अपनी आस्था व्यक्त करने के साथ ही यह कहते हुए निमंत्रण अस्वीकार कर दिया था कि यह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का कार्यक्रम है। कार्यक्रम में शामिल होने वाले कुछ कांग्रेस नेताओं में हिमाचल प्रदेश के मंत्री विक्रमादित्य सिंह रहे। उधर, कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दिन असम में श्री श्री शंकर देव सत्र मंदिर में दर्शन करना चाहते थे, लेकिन प्रशासन ने इसकी अनुमति नहीं दी। इसके बाद वह धरने पर बैठ गए। राहुल गांधी ने कहा कि क्या प्रधानमंत्री मोदी तय करेंगे कि मंदिर में कौन जाएगा।अयोध्या स्थित राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दिन सोमवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी कोलकाता में मंदिर, मस्जिद, गिरजाघर और गुरुद्वारे जैसे विभिन्न उपासना स्थलों पर गईं तथा सर्वधर्म रैली की अगुवाई करते हुए धार्मिक सद्भाव के लिए सांकेतिक यात्रा की। प्राण प्रतिष्ठा समारोह में इंडिया गठबंधन के कई प्रमुख नेता भले ही शामिल न हुए हों, लेकिन इसके कुछ घटक दलों के नेताओं ने प्राण प्रतिष्ठा की शुभकामनाएं दीं। आम आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने एक्स पर रामलला की मूर्ति की तस्वीर साझा करते हुए पोस्ट किया, मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर में प्रतिष्ठापन के इस पवित्र अवसर पर आप सभी को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। जय सियाराम। आप ने दिल्ली के कई इलाकों में सुंदरकांड के पाठ और कुछ अन्य धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया। समाजवदी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि सियाराम उस पावन हृदय में बसते हैं, जो रीति-नीति-मर्यादा का मान करता है।सपा प्रमुख ने सोमवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपने संदेश में कहा, उस पावन हृदय में बसते हैं सियाराम , जो करता रीति-नीति-मर्यादा का मान। इसी पोस्ट में यादव ने एक वीडियो भी साझा किया जिसमें जय श्रीराम के नारों से गूंजती भगवान राम की झांकी है।अखिलेश द्वारा साझा किए गए छोटे एनिमेटेड वीडियो में राम, लक्ष्मण और सीता के साथ अयोध्या पहुंचते हुए दिखाई देते हैं। उन्होंने असम में मंदिर के दर्शन करने की कांग्रेस नेता राहुल गांधी को अनुमति न मिलने की घटना की भी परोक्ष रूप से आलोचना की। सपा प्रमुख ने एक्स पर पोस्ट किया, किसी को भी भगवान के दर्शन करने से रोकने से बड़ा अधर्म और क्या हो सकता है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने रामलला की तस्वीर साझा करते हुए एक्स पर पोस्ट किया, सियावर रामचंद्र की जय। शिवसेना (यूबीटी) की सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने रामलला के विराजमान होने को धर्म, संस्कार और संस्कृति की जीत करार दिया तथा कहा कि वह जल्द अयोध्या पहुंचकर दर्शन करने की अभिलाषी हैं। प्रियंका ने एक्स पर पोस्ट किया, आज हम सभी देशवासियों के लिए ऐतिहासिक क्षण है, आज सदियों के लंबे इंतजार के बाद प्रभु श्रीराम अपने घर अयोध्या में विराजमान हुए हैं। ए हमारे धर्म, संस्कार और संस्कृति की जीत है। ए साधु-संतों के सदियों के संघर्ष और इस देश की जनता के इस अटूट धैर्य, कि कानून न्याय देगा की जीत है। उन्होंने कहा, मनोकामना है कि शीघ्र ही मैं सपरिवार अयोध्या धाम पहुंचकर प्रभु श्रीराम के दर्शन करूं। प्रभु श्रीराम सबके हैं और हम सभी इस राष्ट्र को उन्नत बनाने के लिए प्रभु श्रीराम के विचारों को आत्मसात करें। जय सियाराम।

क्विक न्यूज

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री शिंदे ने रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर ढोल बजाया

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने सोमवार को अयोध्या मंदिर में रामलला के नवीन विग्रह की प्राण-प्रतिष्ठा किए जाने के अवसर पर ठाणे में अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं के साथ ढोल बजाए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मौजूदगी में अयोध्या में राम मंदिर के गर्भगृह में रामलला के नवीन विग्रह की दोपहर साढ़े बारह बजे प्राण-प्रतिष्ठा की गई और देश-विदेश में लाखों रामभक्त इसके साक्षी बने। प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के दौरान बजाई गई मधुर मंगल ध्वनि में देशभर के 50 पारंपरिक वाद्ययंत्रों का उपयोग किया गया। अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह संपन्न होने के बाद, शिंदे और उनकी पार्टी (शिवसेना) के कार्यकर्ता मुंबई के पड़ोसी ठाणे शहर में कपिनेश्वर मंदिर के पास खुले स्थान पर एकत्र हुए। वहां मुख्यमंत्री ने इस अवसर के उपलक्ष्य में ढोल बजाए। बाद में, संवाददाताओं से बात करते हुए शिंदे ने कहा कि अयोध्या में भव्य राम मंदिर बनाने का 500 साल का सपना अंततः सच हो गया। शिंदे ने कहा, यह बालासाहेब ठाकरे और लाखों राम भक्तों का सपना था। कारसेवा के दौरान आनंद दीघे (शिंदे के राजनीतिक गुरु) ने हमारा नेतृत्व किया और उन्होंने मंदिर के निर्माण के लिए चांदी की एक ईंट भी दान में दी। राम मंदिर आस्था का विषय है, राजनीति का नही। उन्होने कहा कि विपक्षी दल यह तंज कसा करते थे कि मंदिर वही बनाएंगे पर तारीख नही बताएंगे लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तारीख निर्धारित की और मंदिर अब श्रद्धालुओं के लिए खुल गया। उन्होने कहा कि आज का दिन स्वर्णाक्षरों में लिखा जाएगा। उन्होंने कहा कि भगवान राम जब वनवास गए तब वह सबसे पहले नासिक आए थे।

अयोध्या में राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह के उपलक्ष्य में कोलकाता में शोभायात्रा

कोलकाता। अयोध्या मे राम मंदिर मे प्रतिष्ठा समारोह के उपलक्ष्य में सोमवार को उत्तरी कोलकाता से एक विशाल शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा गणेश टॉकीज के पास बैकुंठ मंदिर से शुरू हुई और यह चितरंजन एवेन्यू पर राम मंदिर पर संपन्न होगी। भगवान राम और देवी दुर्गा की झांकियो और तख्तियो के साथ शोभायात्रा का नेतृत्व पश्चिम बंगाल विधानसभा के विपक्ष के नेता और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक शुभेंदु अधिकारी और राहुल सिन्हा सहित अन्य नेताओं ने किया। छऊनर्तकों, कलाकारों और महिलाओ ने शोभायात्रा मे रंग भर दिए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अयोध्या मे राम मंदिर मे प्राण प्रतिष्ठा समारोह मे भाग लेंगे।

श्रीमद रामायण युवाओं को भी करेगी प्रेरित

मुंबई। सोनी टेलीविजन के दिव्य महाकाव्य श्रीमद रामायण् ने दर्शकों का दिल जीत लिया है, जिसमें भगवान राम की कालजयी यात्रा को दर्शाया गया है और संपूर्ण मूल्यों और जीवन के सबक पर जोर दिया गया है जो आज भी प्रासंगिक हैं। अब तक दर्शकों ने भगवान राम के दिव्य जन्म गुरुकुल से लौटने के बाद राजा दशरथ के साथ उनके पुनर्मिलन को देखा है। और अब निर्माता भव्य श्राम.सीता स्वयंवर के साथ एक और महत्वपूर्ण कहानी और कथा में एक महत्वपूर्ण पल प्रस्तुत करेंगे! अहिल्या जो शाप के चलते पत्थर की मूरत बन गई थी, को मोक्ष देने के बादए भगवान राम ऋषि विश्वामित्र के साथ मिथिला चले गए, जहां उन्होंने महल में राजा जनक द्वारा आयोजित श्सीता स्वयंवर् में भाग लिया। राजा जनक ने घोषणा की है कि शिव धनुष को उठाने में सक्षम एक व्यक्ति की शादी उनकी बेटी सीता से की जाएगी। एक खास चर्चा में मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्री राम का किरदार निभाने वाले एक्टर सुजय रेऊ ने अपनी तैयारियों पर प्रकाश डाला और बताया वह सिर्फएक भूमिका नहीं निभा रहे हैं, बल्कि भगवान राम की भूमिका निभाकर एक गहरी जिम्मेदारी ले रहे हैं। जब मुझे पता चला कि मुझे श्श्रीमद रामायण् में सबसे प्रतिष्ठित देवता, भगवान राम् का किरदार निभाने के लिए चुना गया है, तो मैं अभिभूत हो गया।

कार सेवक ने राममंदिर का सपना पूरा हो जाने पर 32 साल बाद पहनी चप्पल

मुंबई। उत्तरी महाराष्ट्र में जलगांव के 60 वर्षीय विलास भवसार ने 1992 में शपथ ली थी कि जब तक अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण नही हो जाएगा तब तक वह जूता-चप्पल नही पहनेंगे।सोमवार को अयोध्या में राममंदिर में राम लला मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा हो जाने के बाद भवसार ने 32 साल बाद आज पहली बार चप्पल पहनी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अयोध्या में इस प्राण प्रतिष्ठा समारोह की अगुवाई की।महाराष्ट्र सरकार में मंत्री एवं भाजपा नेता गिरीश महाजन ने सोमवार को जलगांव जिले के जामनेर मे एक कार्यक्रम मे भवसार को एक जोड़ी चप्पल दी तथा भवसार ने वह चप्पल पहनी।जलगांव में पान की दुकान चलाने वाले भवसार ने कहा कि उन्हें खुशी है कि उनकी शपथ पूरी हो गई तथा हर रामभक्त का सपना साकार हो गया। भवसार ने कहा कि 1992 में बाबरी मस्जिद विध्वंस के बाद उन्होंने तब तक जूते-चप्पल नही पहनने की कसम खाई थी जब तक अयोध्या में उसी स्थान पर पर भव्य राममंदिर नही बन जाता।

पटनायक ने प्राण प्रतिष्ठा समारोह का सीधा प्रसारण देखा

भुवनेश्वर। ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने सोमवार को अयोध्या मे राम मंदिर में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह का सीधा प्रसारण देखा। वही पूरे राज्य मे लोगो ने इस भव्य समारोह का जश्न मनाया।मुख्यमंत्री अपने करीबी सहयोगी और 5टी (परिवर्तनकारी) और नबीन ओडिशा के अध्यक्ष वी. के. पांडियन के साथ अपने आवास पर समारोह का सीधा प्रसाराण देखा। पटनायक ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, अयोध्या मे आयोजित राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा का साक्षी बना। राष्ट्र को प्राण प्रतिष्ठा के लिए धार्मिक उत्साह के साथ एकजुट देखकर खुशी हुई। ओडिशा के राज्यपाल के सोशल मीडिया मंच एक्स से पोस्ट किया गया, माननीय राज्यपाल ने अयोध्या मे श्रीरामलला के बहुप्रतीक्षित अभिषेक पर सभी को हार्दिक शुभकामनाएं दी। प्रभु सभी को आशीर्वाद दें। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सदस्यो ने विभिन्न स्थानो पर रैलियां, यज्ञ और कार्यक्रम आयोजित किए। वही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओडिशा इकाई के नेताओं ने इस अवसर का खुशी मनाने के लिए अपने राज्य पार्टी मुख्यालय में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया।राज्य भर के सभी हनुमान मंदिरो में विशेष पूजा की गई जबकि सड़क के किनारे हनुमान और श्री राम की तस्वीरो वाले भगवा झंडे लगाए गए। ।

धार्मिक उत्साह से सराबोर हुआ अरुणाचल प्रदेश

ईटानगर। अयोध्या मे नवनिर्मित राम मंदिर मे रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के मौके पर अरुणाचल प्रदेश भी सोमवार को धार्मिक उत्साह के रंग से सराबोर रहा और पूर्वोत्तरी राज्य के विभिन्न हिस्सो में विशेष पूजा अर्चना की गईं और रैलियां निकाली गईं। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि राज्य की राजधानी मे इस ऐतिहासिक अवसर का गवाह बनने के लिए व्यापारियों ने बाजारों को स्वैच्छिक रूप से बंद रखा था। प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर बड़ी संख्या मे निजी स्कूलो ने भी आज छुट्टी की घोषणा की थी।राजधानी के पुलिस अधीक्षक (एसपी) रोहित राजबीर सिंह ने पीटीआई-भाषा को बताया कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए है। उन्होंने कहा,"उन मंदिरो मे कड़ी सुरक्षा की गई जहां भगवान राम के भक्त बड़ी संख्या मे पूजा करने के लिए आते है"।अयोध्या से समारोह का सीधा प्रसारण करने के लिए राज्य भर मे विभिन्न स्थानो पर एलईडी स्क्रीन लगाई गईं, और इन स्थानो पर भाजपा के वरिष्ठ नेता, मंत्री और विधायक पहुंचे। केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान मंत्री किरेन रीजीजू ने निर्जुली में पूर्वोत्तर क्षेत्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान (एनईआरआईएसटी) परिसर में, मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने निचली दिबांग घाटी मे, उपमुख्यमंत्री मंत्री चौना मीन ने नामसाई मे और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बियुराम वाहगे ने यहां पार्टी कार्यालय मे ऐतिहासिक कार्यक्रम देखा।

कश्मीर के कई मंदिरों में विशेष प्रार्थना की गई

श्रीनगर। अयोध्या मे राममंदिर मे प्राण प्रतिष्ठा समारोह के अवसर पर यहां शंकराचार्य मंदिर समेत कश्मीर घाटी के कई मंदिरो मे विशेष प्रार्थना का आयोजन किया गया। अधिकारियो ने बताया कि अयोध्या मे राममंदिर मे प्राण प्रतिष्ठा समारोह के सिलसिले मे विशेष प्रार्थना में हिस्सा लेने के लिए अल्पसंख्यक हिंदू वर्ग से श्रद्धालु और पर्यटक यहां जबरवान पहाड़ी पर शंकराचार्य मंदिर पहुंचे।उन्होंने बताया कि प्रार्थना के बाद श्रद्धालुओं के लिए लंगर लगाया गया।यहां अमीरकादल इलाके मे झेलम नदी के तट पर हनुमान मंदिर मे भी विशेष प्रार्थना हुई। अयोध्या मे राममंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के मौके पर इस हनुमान मंदिर को सजाया गया था।प्राण प्रतिष्ठा समारोह की खुशी मे अनंतनाग जिले के मट्टन में सूर्य मंदिर मे हवन किया गया तथा श्रद्धालुओं ने कश्मीर मे पूर्ण सामान्य स्थिति के लौटने की प्रार्थना की। विशेष प्रार्थना के आयोजक ने कहा, हम बीती रात से ही यहां हवन कर रहे है और हम भगवान राम से प्रार्थना कर रहे है कि कश्मीर में विभिन्न समुदायों के बीच वैसा ही भाईचारा और सद्भाव रहे जो 1990 से पहले था। यहां लालचौक इलाके मे ऐतिहासिक घंटाघर पर आज शाम एक विशेष प्रार्थना के आयोजन का कार्यक्रम है। राममंदिर मे प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर समूचे कश्मीर में मंदिर हजारो दीयों से जगमगाएंगे।

उद्घाटन उत्सव पर अयोध्या के लिए नई पहल

'अयोध्या। निजी क्षेत्र में देश के एक अग्रणी बैंक के रूप में अपनी पहचान रखने वाले एक्सिस बैंक ने राम मंदिर के उद्घाटन के मद्देनज़र एक अनूठी पहल की है, एक्सिस बैंक ने अयोध्या नगर निगम के साथ साझेदारी करते हुए अयोध्या के रामपाधी घाट पर स्वच्छता अभियान चलाने का निर्णय लिया है। उल्लेखनीय है कि इस अभियान के तहत राज्य के विभिन्न इलाकों से ताल्लुक रखने वाले एक्सिस बैंक के 100 कर्मचारी 20 जनवरी 2024 को स्वच्छता अभियान में हिस्सा लेंग,अयोध्या सफ़ाई अभियान के तहत की गई यह पहल स्वच्छता व स्वच्छ वातावरण के प्रति उत्तर प्रदेश सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। एक्सिस बैंक के ग्रुप एक्जीक्यूटिव ब्रांच बैंकिंग रीटेल लाएबिलिटीज व प्रोडक्ट श्री रवि नारायणन ने इस ख़ास मौके पर कहा कि मंदिर के उद्घाटन जैसी ऐतिहासिक घटना का साक्षी बनना हम सबके के लिए बेहद गर्व का विषय है। एक्सिस बैंक की ओर से हम सरकार और सभी भक्तों को अपनी शुभकामनाएं देना चाहते हैं, एक्सिस बैंक और उत्तर प्रदेश सरकार की यह साझेदारी महज़ बैंकिंग के कामकाज को लेकर नहीं है, बैंक लगातार सरकार के साथ स्थानीय समुदायो, आर्थिक व सामाजिक रूप से कमज़ोर तबके को सशक्त बनाने की कोशिशों में जुटा है।

ग्लोबल साउथ एकजुटता और आत्मनिर्भरता से संबंधित : जयशंकर

भाषा। लागोस (नाइजीरिया)

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को कहा कि ग्लोबल साउथ मानसिकता, एकजुटता और आत्मनिर्भरता से संबंधित है। उन्होंने साथ ही कहा कि ग्लोबल साउथ की प्रगति के बिना, पूरे विश्व की प्रगति देखने को नहीं मिलेगी। जयशंकर ने नाइजीरियन इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल अफेयर्स (एनआईआईए) में भारत और ग्लोबल साउथ विषय पर चर्चा को संबोधित करते हुए कहा कि आज वैश्विक एजेंडा पुनर्संतुलन और बहुध्रुवीयता को बढ़ावा देना है ताकि दुनिया की प्राकृतिक विविधता को बहाल किया जा सके। उन्होंने कहा कि आज का वैश्विक विमर्श "ग्लोबल साउथ की उन्नति पर केंद्रित है क्योंकि ग्लोबल साउथ की उन्नति के बिना, हम पूरी धरती की प्रगति नहीं देख पाएंगे। हालांकि, विदेशमंत्री ने कहा कि यह वैश्विक विमर्श अपने स्वभाव के अनुरूप लगातार विचलित होती रहती है। उन्होंने कहा कि कोई संकट पैदा होता है, कोई बड़ी घटना घटती है, कोई और एजेंडा आ जाता है, फिर वैश्विक विमर्श बदल जाता है, पटरी से उतर जाता हैअ लोग इस बात पर ध्यान केंद्रित करना भूल जाते हैं कि प्राथमिकताएं क्या हैं। मंत्री ने कहा, हमारी (भारत की) जी20 अध्यक्षता की बड़ी उपलब्धियों में से एक यह थी कि ध्रुवीय आधार पर बहुत ही विभाजित दुनिया के साथ जिसके बारे में मैं कहूंगा कि यह बहुत अधिक था और एक विशेष क्षेत्र पर केंद्रित था... हम इसका ध्यान वापस ग्लोबल साउथ पर लाने में सक्षम हुए। उन्होंने कहा कि ग्लोबल साउथ एक मानसिकता, एकजुटता और आत्मनिर्भरता से संबंधित है। जयशंकर ने कहा, "ग्लोबल साउथ, सबसे अधिक एक मानसिकता है। जिनके पास यह है, उनके पास यह रहेगा। जिनके पास यह नहीं है, उन्हें

यह कभी नहीं मिलेगा। यह एक मानसिकता है, जिसके कुछ मूल सिद्धांत हैं। उन्होंने कहा, ए सिद्धांत हमारी आदतों से, हमारी राजनीतिक संस्कृति से, जिस तरह से हमने अंतरराष्ट्रीय संबंध बनाए हैं, उनसे हैं...उदाहरण के लिए, गैर-हस्तक्षेप या गैर-आलोचनात्मक, या गैर-गुटबाजी। ग्लोबल साउथ पूरी तरह से एकजुटता के लिए है। जयशंकर ने कहा, ग्लोबल साउथ का मतलब है सहृदय रखना। ग्लोबल साउथ का मतलब है साझा करने की इच्छा। अपनी टिप्पणी को विस्तारित करते हुए उन्होंने कहा कि जब भारत अपने लोगों का टीकाकरण कर रहा था,तभी उसने दुनिया के 100 अन्य देशों को टीके की आपूर्ति शुरू कर दी थी।जयशंकर ने कहा, और जब मैं इसकी तुलना ग्लोबल नॉर्थ से करता हूं तो वहां ऐसे देश थे जो अपनी आबादी से आठ गुना अधिक टीके चाहते थे, और उन्होंने उन टीकों को अपने बगल के एक छोटे से द्वीप तक को नहीं दिया। ग्लोबल साउथ और ग्लोबल नॉर्थ के बीच यही अंतर है। मंत्री ने कहा कि पिछले दशक में हुए बदलाव ने भारत को एक उदाहरण, भागीदार और योगदानकर्ता बनने में सक्षम बनाया है। मंत्री ने यह भी कहा कि वैश्विक शासन, बातचीत और बहस को निर्देशित करने वाला सरल सिद्धांत यह दृढ़ विश्वास है कि किसी को भी पीछे नहीं छोड़ा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, और जब हम किसी को पीछे नहीं छूटने देने की बात करते हैं तो मुझे लगता है कि अफ्रीका का कल्याण विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। वास्तव में, मैं कहूंगा, अफ्रीका का उदय और भी महत्वपूर्ण है क्योंकि बदलती वैश्विक व्यवस्था में, हमने महाद्वीपों में विकास देखा है, एक बार जब वे उपनिवेश से मुक्त हो गए, तो समय के साथ उस विकास ने एक पुनर्संतुलन पैदा किया - राजनीतिक पुनर्संतुलन और आर्थिक पुनर्संतुलन। जयशंकर ने कहा, समसामयिक चुनौतियां प्रभुत्व के पुराने रूपों के साथ-साथ नए आर्थिक संकेंद्रण से उत्पन्न होती हैं...। उन्होंने कहा कि पिछले 200 से 300 वर्षों तक दुनिया पर प्रभुत्व रखने वालों में से कई आज भी नए माध्यमों, नए शासन, विभिन्न तकनीकों के साथ ऐसा कर रहे हैं। जयशंकर ने यह भी कहा कि पुरानी "विश्व व्यवस्था हठपूर्वक जारी है क्योंकि जो लोग अगली कतार में हैं वे अन्य लोगों को अधिक स्थान नहीं देना चाहते हैं...।

दक्षिण-पश्चिमी कांगो में ट्रक के खाई में गिरने से 18 लोगों की मौत

किन्शासा (कांगो)। दक्षिण-पश्चिमी कांगो में एक तेज रफ्तार ट्रक अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरा, जिससे वाहन में सवार 18 यात्रियों की मौत हो गई और एक दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी।कासंगुलु के पुलिस कमांडर बेंजामिन बंजा ने बताया कि मध्य कांगो जिले के दूर-दराज कासंगुलु क्षेत्र में एक प्रमुख राजमार्ग पर रविवार को सामान से लदा एक ट्रक खाई में गिर गया। उन्होंने बताया कि ट्रक में कई यात्री भी सवार थे।बंजा ने रविवार देर रात बताया, खाई से बरामद किए गए शवों को कासंगुलु जनरल अस्पताल के मुर्दाघर ले जाया गया जबकि गंभीर रूप से घायल छह लोगों और 15 नाबालिगों सहित घायलों का उपचार अस्पताल में किया जा रहा है। बंजा ने बताया कि ट्रक गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो गया और उसे अभी खाई से निकाला नहीं जा सका है।

क्विक न्यूज

अफगानिस्तान में रूस का एक निजी विमान दुर्घटनाग्रस्त : चार लोग बचाए गए, दो की मौत

इस्लामाबाद। अफगानिस्तान में सप्ताहांत को छह लोगों को लेकर जा रहा रूस का एक निजी विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान में सवार चार लोगों को बचा लिया गया जबकि दो की मौत हो गई। फगानिस्तान में सत्तारूढ़ तालिबान ने सोमवार को यह जानकारी दी।अफगानिस्तान की राजधानी काबुल से करीब 250 किलोमीटर दूर बदख्शां प्रांत के एक पर्वतीय क्षेत्र में शनिवार को यह हादसा हुआ था। उसके बाद बचाव दल इस सुदूर ग्रामीण क्षेत्र में भेजे गए थे जहां महज कुछ हजार लोग रहते है।तालिबान के मुख्य प्रवक्ता जबीउल्लाह मुजाहिद ने सोमवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर वीडियो पोस्ट किया जिसमें हादसे के बाद बचाए गए चालक दल के चार सदस्य नजर आ रहे है। उन्होंने कहा कि इन चारों का प्राथमिक उपचार किया गया और उन्हे बदख्शां से काबुल लाया जा रहा है। मुजाहिद के मुताबिक चारों की सेहत ठीक है। बदख्शां के स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि हादसे में जान गंवाने वाले दो लोगों के शव दुर्घटनास्थल से बरामद कर लिए जाएंगे। तालिबान ने हादसे में हताहत हुए किसी भी व्यक्ति की पहचान नही बताई है। तालिबान के परिवहन एवं नागर विमानन मंत्रालय ने एक ऑनलाइन बयान में बताया कि दुर्घटनाग्रस्त विमान अरूज कोह पर्वत के समीप कुफ्र अब जिले मे पाया गया। रविवार को तालिबान के सूचना एवं संस्कृति मंत्रालय के प्रवक्ता अब्दुल वाहिद रयान ने इस हादसे की वजह इंजन में गड़बड़ी बताई। हालांकि उन्होंने इसे स्पष्ट नही किया।मास्को मे रूसी नागर विमानन अधिकारियों ने बताया था कि 1978 दसॉल्ट फाल्कन-10 विमान लापता हो गया जिसमे चालक दल के चार सदस्य एवं दो यात्री सवार थे।

पुरुष संरक्षक के बिना रहने वाली एवं अविवाहित अफगान महिलाओं पर प्रतिबंध लगा रहा तालिबान : संरा

इस्लामाबाद। अफगानिस्तान मे अविवाहित महिलाओं या ऐसी महिलाओं पर तालिबान विभिन्न तरह के प्रतिबंध लगा रहा है, जो किसी पुरुष संरक्षक यानी महरम के बिना रह रही है। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट मे सोमवार को यह जानकारी दी गई। रिपोर्ट के अनुसार, पुरुष संरक्षक के बिना रहने वाली महिलाओं के काम करने, यात्रा करने और स्वास्थ्य सेवा तक उनकी पहुंच पर तालिबान ने प्रतिबंध लगाए है। रिपोर्ट मे एक घटना का जिक्र किया गया है जिसमे अफगानिस्तान के आचरण संबंधी मंत्रालय के अधिकारियों ने एक महिला को सलाह दी कि यदि वह स्वास्थ्य सेवा केंद्र में अपनी नौकरी जारी रखना चाहती है तो वह निकाह कर ले, क्योंकि ऐसी महिला का नौकरी करना अनुचित है जो शादीशुदा नही है। तालिबान ने 2021 मे सत्ता मे आने के बाद उदारवादी रुख अपनाने का वादा किया था लेकिन उसने महिलाओं पर कई प्रतिबंध लगाए है और छठी कक्षा के बाद उनके शिक्षा ग्रहण करने पर भी रोक लगा दी है। उसने ब्यूटी पार्लर बंद कर दिए है और महिलाओं के परिधान संबंधी कई नियम लागू किए है। तालिबान शासन मे हिजाब नही पहनने वाली महिलाओं को गिरफ्तार किया गया है। तालिबान ने मई 2022 मे एक आदेश जारी किया था जिसमे महिलाओं से कहा गया कि उनकी केवल आंखें दिखनी चाहिए और उन्हे सिर से पैर तक बुर्का पहनना होगा। तालिबान के पिछले शासन मे 1996 और 2001 के बीच इसी प्रकार का फरमान लागू था। अफगानिस्तान स्थित संयुक्त राष्ट्र मिशन ने पिछले साल अक्टूबर से दिसंबर तक की अपनी नवीनतम तिमाही रिपोर्ट मे कहा कि तालिबान उन अफगान महिलाओं पर प्रतिबंध लगा रहा है जो अकेली है या जिनके साथ कोई पुरुष संरक्षक या महरम नही है।

2024 में दुबई और पर्यटकों को लुभाएगा

दुबई। इस साल दुबई ऐसे कई और कारण ला रहा है, जिनकी वजह से यह आपकी हॉलीडे लिस्ट में सबसे ऊपर होना चाहिए। यह शहर कई इंडोर एवं आउटडोर एडवेंचर्स के साथ-साथ पानी और हवा में सैर के रोमांच भी लेकर आया है। शहर में आने वाले आगंतुक दुबई पास के साथ अपनी छुट्टियों का भरपूर आनंद उठा सकते हैं। दुबई पास ऑल.इनक्लुज़िव प्रीपेड काड'है जो शहर के 33 पर्यटन स्थलों के लिए आसान और कैश रहित एक्सेस देता है। ग्रीन प्लेनेट उष्णकटिबंधीय वर्षावनों का एक बेहतरीन बायोडोम होम है, जिसमें 3000 से अधिक पौधे, पक्षी और जानवर हैं। मोशनगेट दुबई मज़ेदार भूलभुलैया के साथ बच्चों को रोमांचित कर देता है। वहीं आईएमजी वर्ल्ड ऑफएडवेंचर्स'दुबई का सबसे बड़ा इंडोर थीम पार्कहै, जहां मेहमान पांच थीम पर आधारित एडवेंचर जोन्स.मार्वल, द लोस्ट वैल, कार्टून नेटवर्क, आईएमजी बॉलवर्ड'और नोवो सिनेमाज़ का लुत्फ़ उठा सकते हैं। दुबई में कई वॉटर पार्क'भी हैं जिसमें कई तरह की राईड्स और वॉटरस्लाईड्स हैं जो हर उम्र के आगंतुकों को लुभाती हैं। इनमें शामिल है, बुर्जअल अरब के नज़दीक अरबी थीम का वाइल्ड वादी और अटलांटिस द पाम का एक्वावेंचर जिसे एक वॉटरपार्क'में सबसे ज़्यादा वॉटरस्लाइड्स के लिए गिनीज़ वर्ल्ड'रिकॉर्ड्स में शामिल किया गया है। ग्लोबल विलेज 90 संस्कृतियों को एक साथ लेकर आता हैए इसमें दुनिया भर से 27 से अधिक पैविलियन हैंए जिनमें कोरिया से लेकर कतर और भारत से लेकर ईरान तक के पैविलियन शामिल हैं। यहां आने वाले आगंतुक एक ही दिन में विभिन्न देशों की पारम्परिक कारीगरीए व्यंजनों का आनंद उठा सकते हैं। दुबई एक जीवंत एडवेंचर हब है, जहां आप हट्टा के हाइकिंग ट्रेल से लेकर डीप डाइव दुबई में दुनिया के सबसे गहरे स्विमिंग पूल का आनंद उठा सकते हैं। आप एक्सलाईन दुबई मरीना में दुनिया के सबसे लम्बे अरबन ज़िपलाईन का तथा रेत के टीलों पर क्वैड बाइकिंग का लुत्फ़उठा सकते हैं।

नार्विगेट 2024 में जुटेंगे दुनिया भर के रीयलटर्स

पणजी। देश भर के रीयलटर्स के लिए एक अग्रणी संघ एनएआर इंडिया अपने बहुप्रतीक्षित 16वें वार्षिक रियल एस्टेट कन्वेंशन नार्विगेट 2024 के लॉन्च की घोषणा की। यह कन्वेंशन 29 फरवरी से 2 मार्च 2024 तक मनमोहक लुभावने तटीय राज्य गोवा में आयोजित किया जाएगा। यह तीन दिवसीय समारोह 1500 से अधिक रियल एस्टेट प्रोफेशनल्स के लिए एक बड़े और बेहतरीन बदलाव का अनुभव प्रदान करने का दावा करता ह, जो देश और दुनिया भर के दूरदर्शी, थॉट लीडर्स और इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स को अपनी ओर खींचेगा। इस आयोजन का उद्देश्य रियल एस्टेट क्षेत्र के विभिन्न पहलुओं और देश के विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध अवसरों की जानकारी देकर उन्हें प्रकट करना है जिससे भारत की 10 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था प्राप्त करने की आकांक्षा को पूरा करने में योगदान दिया जा सके। भारतीय रियल एस्टेट क्षेत्र में वर्तमान और भविष्य के ट्रेंड्स पर चर्चा करने के लिए सरकार, रेगुलेटरी बॉडीज रियल एस्टेट इंडस्ट्री के दिग्गज और प्रतिष्ठित लोग इस आयोजन में इकट्ठा होंगे और विभिन्न विषयों पर चर्चा करेंगे। अपने पिछले संस्करणों की स्मरणीय सफलता के आधार पर नार्विगेट 2024, देश और दुनिया भर के रियलटर्स, डेवलपस, इन्वेस्टर्स और फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशन्स सहित इंडस्ट्री लीडर्स को एक साथ एक मंच पर लाएगा। यह आयोजन 16वें एनएआर.इंडिया राष्ट्रीय सम्मेलन की सेंट्रल थीम के मुताबिक इंडस्ट्रीयल रियल एस्टेट और वेयरहाउसिंग में महत्वपूर्ण चुनौतियों और अवसरों का पता लगाएगा। कार्यक्रम के बारे में अमित चोपड़ा प्रेसिडेंट एनएआर इंडिया ने कहा कि ज्ञान, नवाचार और सहयोग के साथ रियल एस्टेट इंडस्ट्री को सशक्त बनाना हमारे मिशन का केंद्र है।

ताइवान ने छह चीनी गुब्बारे उड़ने का दावा किया

ताइपे। ताइवान ने सोमवार को कहा कि छह चीनी गुब्बारे द्वीप के ऊपर से या उसके उत्तरी हवाई क्षेत्र से होकर उड़े है और क्षेत्र मे चीनी युद्धक विमानो और नौसैनिक जहाजो का भी पता चला है। यहां अक्सर ऐसे गुब्बारे नजर आते है। ए आम तौर पर पूर्वी प्रशांत क्षेत्र में गायब हो जाते है। इन गुब्बारों के उद्देश्यों के बारे में सार्वजनिक रूप से कुछ नही कहा गया है। रक्षा मंत्रालय ने ताइवान के आसपास के जल और हवाई क्षेत्र मे चीनी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी की गतिविधियो की कड़ी मे गुब्बारे देखे जाने का उल्लेख किया। मंत्रालय के अनुसार, एक गुब्बारा दक्षिणी शहर पिंगटुंग के पास से गुजरा, जबकि अन्य कीलुंग बंदरगाह के उत्तर में देखे गए, जहां ताइवान का एक महत्वपूर्ण नौसैनिक अड्डा है। यह स्पष्ट नही है कि क्या गुब्बारे किसी सैन्य कार्वाई के तहत ताइवान के क्षेत्र मे भेजे गए थे? लेकिन लगता है कि गुब्बारे स्वशासित द्वीप के उत्पीड़न अभियान के तहत भेजे गए। चीन का दावा है कि ताइवान उसका भूभाग है और उसे नियंत्रण में रखने के लिए वह जरूरत पड़ने पर बलपूर्वक कार्वाई करने से भी गुरेज नही करेगा। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि रविवार और सोमवार को सुबह, ताइवान के आसपास चार चीनी युद्धक विमानो और चार नौसैनिक जहाजो का भी पता चला है। मंत्रालय ने कहा कि ताइवान की सेना ने अपने लड़ाकू विमानों, नौसेना के जहाजों और भूमि-आधारित मिसाइल प्रणालियो के साथ स्थिति पर नजर रखी।

मंडेला की समाधि पर स्मारक उद्यान के लिए होगी उनकी निजी वस्तुओं की नीलामी

जोहानिस्बर्ग। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व राष्ट्रपति नेल्सन मंडेला की समाधि के आसपास स्मारक उद्यान बनाने के लिए उनकी लगभग 100 निजी वस्तुओं की फरवरी मे नीलामी की जाएगी। नीलामी की जाने वाली वस्तुओं मे अल्पसंख्यक श्वेत सरकार के राजनीतिक कैदी के रूप में 27 वर्ष तक जेल की सजा काट कर रिहा होने के बाद मंडेला को दिया गया पहचान दस्तावेज भी शामिल है। नीलामी में वह मदीबा शर्ट भी रखी जाएगी जो उन्होंने महारानी एलिजाबेथ से मुलाकात के दौरान पहनी थी। एक कैदी से राष्ट्रपति बनने तक की अपनी अभूतपूर्व यात्रा के सबसे यादगार अवसर पर मंडेला ने जो थ्री पीस पिनस्ट्राइप सूट पहना था और उन्हे उपहार मे मिली सोने और चांदी की कई वस्तुओं की नीलामी की जाएगी। न्यूयॉर्क स्थित कंपनी ग्वेर्नसे की द्वारा की जाने वाली यह नीलामी मंडेला की बेटी मकाज़ीवे द्वारा 2022 में हुई कानूनी लड़ाई जीतने के बाद संभव हो पाई। दक्षिण अफ्रीकी विरासत संसाधन एजेंसी (एसएएचआरए) ने 2022 की जनवरी में होने वाली नीलामी को रोकने की कोशिश की थी। एजेंसी ने अदालत मे दलील दी थी कि जिन 29 वस्तुओं की नीलामी की जानी है, उनमे रोबेन आइलैंड में मंडेला की जेल कोठरी की असली चाबी भी शामिल है। उसने कहा कि यह राष्ट्रीय संपत्ति है और इसे उनकी बेटी निजी संपत्ति बताकर नही बेच सकती। उसने कहा कि इसे सुरक्षित रखने के लिए इसे दक्षिण अफ्रीका को लौटाया जाना चाहिए। एजेंसी जिन वस्तुओं को विरासत सामान के रूप में अपने पास रखना चाहती थी उनमें मंडेला का पहचान दस्तावेज, उनके द्वारा जेल से अपने परिजनों एवं अन्य को लिखे गए पत्र, कारागार मे रहते हुए उनके द्वारा बनाए गए रेखाचित्र तथा अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा सहित राष्ट्र प्रमुखों द्वारा उन्हे दिए गए उपहार शामिल है।

भारतीय मूल के व्यक्ति को सात साल से अधिक की सजा

सिंगापुर। सिंगापुर मे करीब 18 लाख अमेरिकी डॉलर की धोखाधड़ी के दोषी पाए गए भारतीय मूल के व्यक्ति को सात साल और चार महीने की सजा सुनाई गई है। स्ट्रेट टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, 53 वर्षीय मुरली कृष्णन नायडू ने निवेश घोटाले के तहत 2008-13 के दौरान अपने पारिवारिक मित्रो और परिचितों समेत 20 लोगो के साथ धोखाधड़ी की थी। रिपोर्ट के मुताबिक, नायडू ने अधिकांश पीड़ितों को इस आड़ मे ठगा कि उनका पैसा उसकी पत्नी द्वारा स्थापित ऋण व्यवसाय में निवेश किया जाएगा। कई पीड़ितों ने निवेश करने के लिए अपनी सेवानिवृत्ति बचत से पैसा निकाला था।

पाक सुरक्षाबलों ने सात आतंकवादियों को मार गिराया

क्वेटा। अफगानिस्तान की सीमा से सटे पाकिस्तान के अशांत दक्षिण पश्चिम हिस्से में पाकिस्तानी सुरक्षाबलों ने एक मुठभेड़ में सात आतंकवादियों को मार गिराया। सेना ने सोमवार को यह जानकारी दी। सेना ने एक संक्षिप्त बयान में बताया कि खुफिया सूचना के आधार दक्षिण पश्चिम बलूचिस्तान प्रांत के झोब जिले मे अभियान चलाया गया। उसने बताया कि सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ के बाद मौके से हथियार एवं गोलाबारूद भी बरामद किए क्वेटा बलूचिस्तान प्रांत की राजधानी है जहां बलूच राष्ट्रवादी, इस्लामी आतंकवादी एवं इस्लामिक स्टेट संगठन ने हाल के वर्षों में सुरक्षाबलो पर हमलो की जिम्मेदारी ली है।

इजराइली बंधकों के रिश्तेदारों ने बैठक में व्यवधान डाला

यरुशलम। गाजा मे हमास द्वारा बंधक बनाए गए दर्जनों लोगो के परिवारों के सदस्य सोमवार को इजराइल की संसद मे वित्त समिति की बैठक के दौरान प्रवेश कर गए। गुस्साए परिजनों ने कहा, आप (सांसद) यहां बैठक नही सकते, जब वे (बंधक) वहां मर रहे है। इससे पहले, रविवार की रात परिजनों ने विरोध-प्रदर्शन जारी रखने के लिए यरुशलम मे तंबू गाड़ लिए और तब तक वही रहने का संकल्प लिया, जब तक सरकार कुछ बंधकों को मुक्त कराने के लिए किसी समझौते पर नही पहुंच जाती।

श्रीलंका का कैथोलिक चर्च ईस्टर संडे बम हमले के पीड़ितों को संत घोषित करेगा

कोलंबो। श्रीलंका के कैथोलिक चर्च ने 2019 के ईस्टर संडे आत्मघाती बम विस्फोटों की पांचवी बरसी पर इसमे मारे गए 11 भारतीयों सहित सभी 273 लोगो को संत घोषित करने की दिशा में आगे बढ़ने का फैसला किया है।कोलंबो के आर्कबिशप कार्डिनल मैल्कम रंजीत ने रविवार को सामूहिक प्रार्थना को संबोधित करते हुए इस कदम की घोषणा की। रंजीत ने कहा किसी व्यक्ति को उसके बलिदान के पांच वर्ष पूरे होने के बाद ही संत की उपाधि दी जा सकती है। इसलिए, हम इस साल 21 अप्रैल को ईस्टर संडे पीड़ितों को संत घोषित करने की दिशा में आगे बढ़ेंगे। आईएसआईएस से जुड़े स्थानीय इस्लामी चरमपंथी समूह, नेशनल तौहीद जमात (एनटीजे) से नाता रखने वाले नौ आत्मघाती हमलावरों ने श्रीलंका मे तीन चर्चों और कुछ आलीशान होटलों मे कई विस्फोट किए थे।

प्राण प्रतिष्ठा समारोह भारत में बढ़ते बहुसंख्यकवाद का संकेत : पाकिस्तान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने सोमवार को कहा कि अयोध्या के राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह भारत मे बढ़ते बहुसंख्यकवाद का संकेत है।पाकिस्तान के विदेश कार्यालय (एफओ) की यह टिप्पणी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई मे सोमवार को एक समारोह के दौरान अयोध्या के भव्य राम मंदिर में रामलला के नवीन विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा किए जाने के बाद आई। पिछले 31 वर्षों के दौरान के घटनाक्रम के बाद आज का प्राण प्रतिष्ठा समारोह भारत में बढ़ते बहुसंख्यकवाद का संकेत है।

अमेरिका में राम मंदिर पाण प्रतिष्ठा समारोह में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते राम भक्त

मृत्युलेखों में पालतू जानवरों का उल्लेख अधिक हो रहा है

भाषा। ओटावा

जानवर हमारे जीवन में कई अलग-अलग भूमिका निभाते हैं। कुछ लोग उन्हें परिवार का सदस्य मानते हैं, जबकि अन्य दैनिक सैर की याद दिलाने के रूप में उनकी सराहना करते हैं।सेना में काम करने वाले कुत्तों और भावनात्मक सहयोग देने वाले जानवरों से लेकर दरवाजे पर हमारा स्वागत करने के लिए इंतजार कर रहे पालतू जानवरों तक, ए जानवर हमारे जीवन में खुशी, आराम और साथ ला सकते हैं। तो स्वाभाविक रूप से, ए रिश्ते जीवन भर जारी रहेंगे - या कम से कम मृत्यु के बाद भी स्मरण किए जाएंगे।टोरंटो स्टार ने हाल ही में ओकविले, ओंटारियो के पालतू जानवरों के कब्रिस्तान से 600 से अधिक जानवरों को निकालने और दूसरी जगह ले जाने के प्रयासों पर रिपोर्ट दी। जैसे यह कहानी सामने आई और जैसा कि कई अन्य लोग ध्यान देंगे, जानवरों को दफनाना, उनपर लेप लगाना या अंतिम संस्कार करना शायद ही कोई नई प्रथा है। ए अंत्एष्टि प्रथाएं एक पालतू जानवर और उन सभी चीजों का सम्मान करने के तरीके प्रदान करती हैं जो हमारे लिए मायने रखती हैं।लेकिन तब क्या जब मालिक पहले मर जाए? जैसा कि पता चला है, अब पालतू जानवरों को रखने वाले ऐसे लोगों की संख्या बढ़ रही है, जिनके मरने के बाद उनके मृत्युलेखों में उनके जानवरों का उल्लेख भी किया जाता है।जब किसी प्रियजन की मृत्यु हो जाती है तो मृत्युलेख लिखना उन कई प्रथाओं में से एक है जो लोग अपनाते हैं। पहले, वे समाज के अभिजात वर्ग के लिए आरक्षित थे, लेकिन मृत्युलेख के लोकतंत्रीकरण के परिणामस्वरूप अधिक लोगों का इस तरह से स्मारक बनाया गया है।

रूस के कब्जे वाले यूक्रेन के दोनेत्स्क में हमले में 27 लोग मारे गए, 25 घायल

भाषा। कीव

रूस के कब्जे वाले शहर दोनेत्स्क के बाहरी इलाके में एक बाजार में रविवार को यूक्रेन की गोलाबारी में कम से कम 27 लोग मारे गए और 25 घायल हो गए। मॉस्को के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। स्थानीय नेता डेनिस पुशिलिन ने बताया कि उपनगर टेकस्टिल्शचिक में घायल हुए लोगों में दो बच्चे भी शामिल हैं।कीव में यूक्रेनी अधिकारियों ने घटना पर कोई टिप्पणी नहीं की है और ना ही इन दावों को एसोसिएटेड प्रेस द्वारा स्वतंत्र रूप से सत्यापित किया गया है। संयुक्त राष्ट्र के एक प्रवक्ता ने कहा कि विश्व निकाय यूक्रेन के दोनेत्स्क शहर में आज की गोलाबारी सहित नागरिकों और नागरिक बुनियादी ढांचे के खिलाफ सभी हमलों की निंदा करता है। उन्होंने कहा कि ऐसे सभी हमले अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून के तहत प्रतिबंधित हैं।दोनेत्स्क यूक्रेन के उन चार क्षेत्रों में से एक है जिस पर रूस ने युद्ध शुरू के कुछ महीनों के बाद 2022 में अवैध रूप से कब्जा कर लिया था।

डीसैंटिस अमेरिकी राष्ट्रपति पद की दौड़ से हटे, ट्रंप का समर्थन किया

भाषा।वाशिंगटन

फ्लोरिडा के गवर्नर रोनाल्ड डीसैंटिस ने रविवार को रिपब्लिकन पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनने की दौड़ से हटने और पार्टी के प्रत्याशी के तौर पर पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन करने की घोषणा की। भारतीय-अमेरिकी और दक्षिण कैरोलाइना की पूर्व गवर्नर निक्की हेली (51) इकलौती रिपब्लिकन नेता हैं जो ट्रंप (77) के खिलाफ उम्मीदवार बनने की दौड़ में शामिल हैं। जनवरी 2017 से जनवरी 2021 तक व्हाइट हाउस में रहे ट्रंप को 2020 के चुनावों में मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडन से शिकस्त मिली थी। ट्रंप अभी तक रिपब्लिकन पार्टी का उम्मीदवार बनने की दौड़ में सबसे आगे हैं और पार्टी के ज्यादातर सदस्य उनका समर्थन कर रहे हैं। उन्होंने पिछले सप्ताह आयोवा कॉकस में जीत हासिल की और वह न्यू हैम्पशायर प्राइमरी चुनाव में आगे चल रहे हैं जहां 23 जनवरी को मतदान होना है। प्राइमरी चुनाव आम चुनाव में अपने-अपने राजनीतिक दल का प्रतिनिधित्व करने के लिए उम्मीदवार के चयन की प्रक्रिया है। एक वक्त में ट्रंप के लिए कड़ी चुनौती के रूप में देखे जा रहे डी सैंटिस के नाम वापस लेने से अब रिपब्लिकन पार्टी में मुकाबला ट्रंप और हेली के बीच है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि पूर्व राष्ट्रपति रिपब्लिकन पार्टी का उम्मीदवार बनने के लिए तैयार हैं और नवंबर 2024 का राष्ट्रपति चुनाव 2020 के चुनाव की तरह ही ट्रंप बनाम बाइडन होगा। डीसैंटिस ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में वीडियो संदेश में कहा, आयोवा में दूसरे स्थान पर रहने के बाद हमने आगे के अपने कदम पर विचार-विमर्श किया। अगर अनुकूल परिणाम हासिल करने के लिए कुछ होता तो मैं कर सकता था, और मैं करूंगा।

चीन के युन्नान प्रांत में भूस्खलन में सात लोगों की मौत, 40 लोग लापता

बीजिंग-कुनमिंग। दक्षिण पश्चिमी चीन के पर्वतीय युन्नान प्रांत में सोमवार को भूस्खलन में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई और 40 अन्य लोग लापता हो गए। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ की खबर के अनुसार, यह हादसा बीजिंग के समयानुसार सुबह पांच बजकर 51 मिनट पर झाओतोंग शहर के लियांगशुई गांव में हुआ। इसने बताया कि भूस्खलन के कारण सात लोगों की मौत होने की पुष्टि हुई है और 40 अन्य लोग लापता हैं। बचाव अधिकारियों ने बताया कि 18 मकानों में रहने वाले 47 लोग मलबे में दब गए। सरकारी टेलीविजन सीसीटीवी ने बताया कि भूस्खलन प्रभावित इलाकों से 500 से अधिक लोगों को निकाला गया है। आपदा न्यूनीकरण के लिए प्रांतीय आयोग ने आपदा राहत के वास्ते तीसरे स्तर की आपात प्रतिक्रिया सक्रिय की है। आधिकारिक मीडिया के अनुसार,

भूस्खलन के बाद मलबे में दबे लोगों को बचाने के प्रयास किए जा रहे हैं। बचाव अभियान में 33 दमकल वाहनों और 10 लोडिंग मशीन के साथ 200 से अधिक बचावकर्मियों को लापता लोगों की तलाश में लगाया गया है। चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने भूस्खलन के बाद लापता लोगों की तलाश और हरसंभव बचाव प्रयास का आदेश दिया है। शी ने कहा, हमें तुरंत बचाव दलों को तैनात करना चाहिए, लापता लोगों की तलाश के लिए हरसंभव प्रयास करना चाहिए और जहां तक संभव हो, यह प्रयास करना चाहिए कि हताहतों की संख्या कम हो। चीन के प्रधानमंत्री ली क्विंग ने भी लियांगशुई में हरसंभव बचाव प्रयास का आदेश दिया और इलाके की ऊंचाई तथा जातीय विविधता को ध्यान में रखते हुए सामाजिक स्थिरता बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया। भूस्खलन की वजह का अभी पता नहीं चला है। स्थानीय मौसम पूर्वानुमान में कहा गया है कि शहर में मंगलवार को हल्की बर्फबारी होगी और न्यूनतम तापमान शून्य से तीन डिग्री सेल्सियस नीचे रह सकता है।

आंखों में मोतियाबिंद सर्जरी कराना जोखिमपूर्ण

भाषा। मॉन्ट्रियल (कनाडा)

जूडी एक प्रतिष्ठित कंसल्टेंट हैं जो नियमित रूप से अपने काम के सिलसिले में होने वाली मीटिंग्स के लिए यात्रा करती हैं। वह मुझसे मिलने आई क्योंकि उसे अपने कॉन्टैक्ट लेंस असहज लग रहे थे और वह अन्य विकल्प तलाशना चाहती थी - विशेष रूप से सर्जिकल विकल्प।एक विकल्प उसके लेंस को प्रत्यारोपण से बदलना था। यह सर्जरी मोतियाबिंद सर्जरी के समान है, लेकिन उन रोगियों को दी जाती है जिनकी यह स्थिति नहीं है। हालाँकि, यह जोखिम से रहित नहीं है।कॉन्टैक्ट लेंस, सूखी आंखों के उपचार और आंखों की सर्जरी के पूर्व और बाद के प्रबंधन में विशेषज्ञता के साथ एक ऑप्टोमेट्रिस्ट के रूप में, मेरे पास जूडी की मदद करने के लिए आवश्यक अनुभव था। सूखी आंखें-मैंने जूडी का नैदानिक मूल्यांकन करके शुरुआत की। जब वह मुझसे मिलने आई, तब वह 53 वर्ष की होने वाली थी, उसे उम्र के कारण मायोपिया (दूर तक नहीं देख सकने की क्षमता), दृष्टिवैषम्य (दूर तक खिंची हुई छवियाँ) और प्रेस्बायोपिया (नज़दीक नहीं देख सकने की बीमारी) की समस्या थी।उसे चश्मे से नफरत थी और वह इसे अपने ग्राहकों के सामने नहीं पहनना चाहती थी, यही वजह है कि उसने 15 साल पहले अपनी मायोपिया को ठीक करने के लिए लेजर सर्जरी करवाई थी।45 साल की उम्र में, जब प्रेस्बायोपिया सामने आया, तो जूडी को दोबारा कॉन्टैक्ट लेंस लगाना पड़ा। रजोनिवृत्ति के समय, 51 वर्ष की आयु में, उनमें सूखी आँखों के कुछ लक्षण विकसित हुए, जो मुझसे मिलने आने से पहले के महीनों में बढ़ गए थे।लेंस सामग्री, देखभाल समाधान या पहनने के तरीके में बदलाव (एक दिन) का बहुत कम प्रभाव पड़ा। शुष्क वातावरण (कार के अंदरूनी हिस्से, हवाई जहाज, बंद कार्यालय की न बदली जा सकने वाली हवा) जिसके संपर्क में वह नियमित रूप से आती थी, ने उसके लक्षणों को बढ़ाने का काम किया। उसने कंप्यूटर स्क्रीन के सामने भी कई घंटे बिताए, और परिणामस्वरूप, कम बार पलकें झपकाईं, जिसके परिणामस्वरूप उसकी असुविधा बढ़ गई। चिकित्सीय परीक्षण से पता चला कि वह वास्तव में सूखी आँखों से पीड़ित थी। लेजर सर्जरी के दुष्प्रभाव के कारण उसकी आंख में बनने वाले पानी की मात्रा कम हो गई थी। उसका कॉर्निया में एक सूखा, बदला हुआ क्षेत्र दिखा, जो शायद नींद के दौरान पलकों के पूरा बंद न होने की वजह से था, इसमें कोई संदेह नहीं है कि यह कॉस्मेटिक सर्जरी की वजह से था जो उसने तीन साल पहले कराई थी।

शाश्वत सुंदरता के लिए फूलों का प्रयोग लाभदायक

शाश्वत सुंदरता के लिए फूलों का प्रयोग लाभदायक है। जैसे-जैसे नया साल आगे बढ़ रहा है, तब यह पुरानी बातों को भूलने और अपने जीवन के साथ अपने वॉर्डरोब में एक नई शुरुआत करने का समय है। अमेजन फैशन पर नवीनतम ट्रेंड्स के बारे में पता लगाएं जहां 1200 से अधिक ब्रांड्स के 45 लाख से ज्यादा स्टाइल आपका इंतजार कर रहे हैं। आपकी उंगलियों पर ऑन ट्रेंड चीजों के लिए अमेजन फैशन आपकी वन स्टॉप शॉप है। आप चाहे ऐश्वर्य और शाश्वत आकर्षण की खोज कर रहे हों या बोल्ड जीवंत और साहसी स्टेटमेंट्स को पसंद करते हों यहां एक स्टाइल है जो आपकी प्रतीक्षा कर रही है। गोल्डन पैराडाइज में कदम रखें और सोने की चमक की तरह अपने रूप को निखारें। बारहमासी फूलों की शाश्वत सुंदरता को अपनाएं या ऑल.व्हाइट की प्राचीन सुंदरता के साथ चमकें। मोनो क्रोमैटिक पहनावे के साथ रंग की कला में महारत हासिल करें, या उज्जवल ग्लिटरटी ट्रेंड के साथ अपने आंतरिक डिस्को दिवा को दुनिया के सामने उजागर करें। संक्षिप्त आकर्षण के स्पर्श के लिए ग्लैम न्यूट्रल्सश् की आकर्षक दुनिया की खोज करें। अपने पैलेट में नियॉन का एक पॉप ऐड कर, या मनोरम चिक के साथ अपने अंदर छुपे रहस्यों को उजागर करें।

फलस्तीन देश की स्थापना का रास्ता साफ होने तक इजराइल को मान्यता नहीं: सऊदी विदेश मंत्री

भाषा। यरुशलम

सऊदी अरब के विदेश मंत्री ने कहा है कि फलस्तीन देश की स्थापना का रास्ता साफ होने तक वह इजराइल के साथ संबंधों को सामान्य नहीं करेगा या गाजा के पुनर्निर्माण में योगदान नहीं देगा। प्रिंस फैसल बिन फरहान ने रविवार देर रात प्रसारित सीएनएन को दिए एक साक्षात्कार में यह टिप्पणी की। यह सऊदी अधिकारियों की अब तक की सबसे बेबाक टिप्पणियों में से एक है। फरहान की यह टिप्पणी इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ रिश्तों में खटास ला सकती है जिन्होंने फलस्तीन देश को मान्यता देने की संभावना को खारिज कर दिया है और गाजा पर खुले सैन्य नियंत्रण की योजना की रूप रेखा पेश की है। और यह रुख गाजा में युद्ध के बाद के शासन या पुनर्निर्माण की किसी भी योजना में एक बड़ी बाधा उत्पन्न कर सकता है। फरहान ने ऐसे समय में टिप्पणी की है जब युद्ध अभी चल रहा है और जिसका कोई अंत नजर नहीं आ रहा है। सीएनएन पर प्रस्तोता फरीद ज़कारिया ने पूछा, क्या आप स्पष्ट रूप से कह रहे हैं कि यदि फलस्तीन देश के लिए कोई विश्वसनीय और ठोस रास्ता नहीं निकलता है तो सऊदी अरब और इज़राइल के बीच संबंध सामान्य नहीं होंगे?

कोहली इंग्लैंड के खिलाफ दो टेस्ट मैच नहीं खेलेंगे

● निजी कारणों से लिया ऐसा फैसला

भाषा। नई दिल्ली

भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली निजी कारणों से इंग्लैंड के खिलाफ शुरुआती दो टेस्ट मैच नहीं खेलेंगे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने सोमवार को यह जानकारी दी। बीसीसीआई ने कहा कि कुछ व्यक्तिगत परिस्थितियों में उनकी मौजूदगी की जरूरत है। बोर्ड ने साथ ही प्रशंसकों और मीडिया से अपील की कि वे इस स्टार क्रिकेटर के ब्रेक लेने के कारणों पर अटकलें लगाना बंद करें। पांच मैच की श्रृंखला हैदराबाद में 25 जनवरी से शुरू होगी। बीसीसीआई जल्द ही उनके विकल्प की घोषणा करेगा। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने बयान में कहा, विराट कोहली ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) से निजी कारणों से इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट श्रृंखला के शुरुआती दो टेस्ट के लिए उन्हें टीम से हटाने का आग्रह किया है। बीसीसीआई ने साथ ही कहा कि कोहली ने हटने के अपने फैसले के बारे में कप्तान रोहित शर्मा और टीम प्रबंधन से भी बात की है। विराट ने कप्तान रोहित शर्मा, टीम प्रबंधन और चयनकर्ताओं से बात की है और जोर देते हुए कहा कि देश का प्रतिनिधित्व करना हमेशा उनकी शीर्ष प्राथमिकता है लेकिन कुछ निजी परिस्थितियों में पूरी तरह से उनकी मौजूदगी की जरूरत है। बीसीसीआई अपने स्टार खिलाड़ी का पूरा समर्थन करता है और उसे टीम तथा उसकी क्षमता पर भरोसा है कि वे अपने सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज के बिना भी नतीजा देंगे। बीसीसीआई उनके फैसले का सम्मान करता है और बोर्ड तथा टीम प्रबंधन ने स्टार बल्लेबाज को अपना समर्थन दिया है और टेस्ट श्रृंखला में सराहनीय प्रदर्शन करने के लिए टीम के बाकी सदस्यों की क्षमताओं पर भरोसा है। उन्होंने सभी से अपील की कि वे कोहली की निजता का सम्मान करें। बीसीसीआई मीडिया और प्रशंसकों से अनुरोध करता है कि वे इस दौरान विराट कोहली की निजता का सम्मान करें और उनके व्यक्तिगत कारणों को लेकर अटकलें लगाने से बचें। पता चला है कि शाह और चयन समिति के अध्यक्ष अजित अगरकर दोनों को जानकारी दी गई थी कि इंग्लैंड श्रृंखला के दौरान कोहली को ब्रेक लेना पड़ सकता है।

सूर्यकुमार आईसीसी की साल की सर्वश्रेष्ठ पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम के कप्तान चुने गए

दुबई। मध्यक्रम के आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव को आईसीसी की साल की सर्वश्रेष्ठ पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम का कप्तान चुना गया है जिसमे सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल, स्पिनर रवि बिश्नोई और बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के रूप मे तीन और भारतीयो को जगह मिली है। आईसीसी की साल की सर्वश्रेष्ठ टीम मे 11 बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को शामिल किया जाता है जिन्होने साल भर मे अपने बल्ले, गेंद या ऑलराउंड प्रदर्शन से प्रभावित किया हो। सूर्यकुमार को लगातार दूसरे साल टीम मे जगह मिली है। वह आईसीसी के साल के सर्वश्रेष्ठ टी20 अंतरराष्ट्रीय पुरुष खिलाड़ी के पुरस्कार की दौड़ मे भी शामिल है। मुंबई के इस बल्लेबाज ने 2023 मे शानदार प्रदर्शन किया। श्रीलंका के खिलाफ सात रन के साथ साल की शुरुआत करने वाले सूर्यकुमार ने अगले दो मैच मे 36 गेंद मे 51 और 51 गेंद मे नाबाद 112 रन बनाए। भारतीय चौकड़ी के अलावा 11 सदस्ईय टीम में इंग्लैंड के फिल सॉल्ट को जायसवाल के सलामी जोड़ीदार के रूप मे चुना गया है। वेस्टइंडीज के निकोलस पूरण टीम के विकेटकीपर होगे। न्यूजीलैंड के मार्क चैपमैन, जिंबाब्वे के सिकंदर रजा, युगांडा के अल्पेश रामजानी, आयरलैंड के मार्क एडेयर और जिंबाब्वे के रिचर्ड नगारवा को भी टीम में जगह मिली है। महिलाओ मे ऑफ स्पिनर दीप्ति शर्मा 11 सदस्ईय टीम मे जगह बनाने वाली एकमात्र भारतीय है। टीम की अगुआई श्रीलंका की चामरी अटापट्टू करेंगी।

स्पिनरों की मददगार पिच पर कुलदीप के मुकाबले अक्षर का दावा मजबूतः हरभजन

भाषा। नई दिल्ली

पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह का मानना है कि कुलदीप यादव कौशल और विविधता के मामले में काफी बेहतर गेंदबाज हैं लेकिन बल्ले से योगदान देने की काबिलियत के कारण इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला में अक्षर पटेल का दावा मजबूत होगा। कुलदीप ने 2017 में पदार्पण करने के बाद सिर्फ आठ टेस्ट मैच खेले हैं। कोच राहुल द्रविड़ की टीम अगर पिछले कुछ समय से चली आ रही परिपाटी को जारी रखते हुए पूरी तरह स्पिनरों की मददगार पिच की मांग करती है तो उत्तर प्रदेश के इस वामहस्त गेंदबाज को फिर से बाहर बैठना होगा। बेबाकी से अपनी राय रखने के लिए जाने जाने वाले हरभजन सिंह ने पीटीआई-भाषा से कहा, मेरे नजरिए से देखें तो जब टीम में आर अश्विन और रविंद्र जडेजा जैसे गेंदबाज मौजूद हैं तो तीसरा स्पिनर कुलदीप की तरह का विशेषज्ञ गेंदबाज होना चाहिए। उन्होंने दुबई से कहा, कुलदीप कलाई के स्पिनर है और उनकी मौजूदगी से टीम को विविधता मिलेगी। मेरा मानना है कि टेस्ट टीम में अक्षर का चयन बल्लेबाजी कौशल के कारण होता है। वह आठवें या नौवें क्रम पर बल्ले से टीम को कुछ योगदान दे सकते है। हरभजन ने हालांकि कुलदीप को नजरअंदाज करने पर सवाल उठाते हुए कहा, अक्षर बेहतर बल्लेबाज है लेकिन मुझे यह समझ में नहीं आता है कि आपको नौवें क्रम पर बल्लेबाज की जरूरत क्यों है। वह भी वैसे खिलाड़ी का जो बिलकुल जडेजा की तरह का है। इससे आप गेंदबाजी में विविधता को कम कर रहे है। मेरे मुताबिक टीम में कुलदीप को खेलना चाहिए।

रोहित अपने प्रदर्शन से उदाहरण पेश करने वाले कप्तान : जहीर खान

नई दिल्ली। भारत के बाएं हाथ के पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान ने रोहित शर्मा को जिम्मेदारी लेने वाला कप्तान बताते हुए शुक्रवार को कहा कि वह इंग्लैंड के खिलाफ आगामी पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला मे एक कप्तान और बल्लेबाज दोनों के रूप में अच्छा योगदान देंगे। जहीर ने जियो सिनेमा पर कहा, हर कोई जानता है कि रोहित ने पूरी टीम पर कैसा प्रभाव डाला है। रोहित की कप्तानी की पहचान उनकी अच्छी तरह से संवाद करने की क्षमता है। इस पूर्व गेंदबाज ने कहा, वह हर खिलाड़ी से संवाद करते है। वह प्रत्एक खिलाड़ी को जरूरी आत्मविश्वास देते हैं और उनसे सर्वश्रेष्ठ लेने की कोशिश करते है।

किर्गिस्तान को हराकर सऊदी अरब नॉकआउट में

अल रेयान (कतर)। सऊदी अरब ने नौ खिलाड़ियों के साथ खेल रहे किर्गिस्तान को 2-0 से हराकर एक मैच शेष रहते एशियाई कप फुटबॉल टूर्नामेंट के नॉकआउट में जगह बनाई। यहां अहमद बिन अली स्टेडियम में सऊदी अरब की ओर से मोहम्मद केनो और फैजल अल घामदी ने एक-एक गोल किया। इस जीत से तीन बार का चैंपियन सऊदी अरब ग्रुप एफ में शीर्ष पर पहुंच गया है। सऊदी अरब के दो मैच में छह अंक है और उसने दूसरे स्थान पर मौजूद थाईलैंड पर दो अंक की बढ़त बना रखी है। थाईलैंड ने ओमान से गोल रहित ड्रॉ खेला।

सुपर कपः इंटर काशी और बेंगलुरू एफसी ने ड्रॉ खेला

भुवनेश्वर। बेंगलुरू एफसी और इंटर काशी ने सोमवार को यहां सुपर कप फुटबॉल टूर्नामेंट के ग्रुप डी के महज औपचारिकता के मैच में।-। से ड्रॉ खेला।दोनों टीम पहले ही प्रतियोगिता से बाहर हो चुकी है और इस ड्रॉ के साथ टूर्नामेंट में अपना पहला अंक जुटाने में सफल रही। इंटर काशी की ओर से 15वें मिनट में एडमंड लालरिंदिका ने गोल दागा जबकि बेंगलुरू एफसी की ओर से 58वें मिनट में जावी हर्नांडिज ने पेनल्टी पर गोल दागा।

इस साल के अंत में हो सकती है पीबीएल की वापसीः बीएआई

नई दिल्ली। कोविड-19 महामारी के प्रकोप के बाद पिछले तीन साल से बंद प्रीमियर बैडमिंटन लीग (पीबीएल) को इस साल के अंत या 2025 की शुरुआत में फिर शुरू किया जा सकता है। भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) के सचिव संजय मिश्रा ने पीटीआई को यह खुलासा किया। मिश्रा ने कहा कि बीएआई कुछ आंतरिक मसलो को सुलझाने का प्रयास कर रहा है जो टूर्नामेंट की वापसी में आड़े आ रहे है। मिश्रा ने कहा, बैडमिंटन लीग हमारे खिलाड़ियों के लिए महत्वपूर्ण है।

पाक हॉकी टीम ओलंपिक में क्वालीफाई करने में विफल

कराची। पाकिस्तान की पुरुष हॉकी टीम ओमान में एफआईएच ओलंपिक क्वालीफायर के तीसरे स्थान के लिए खेले गए मैच में न्यूजीलैंड से 2-3 से हार कर पेरिस खेलो में जगह बनाने की दौड़ से बाहर हो गई। अतीत में हॉकी की सर्वश्रेष्ठ टीमों में शामिल रहे पाकिस्तान की इस हार को देश के पूर्व दिग्गज खिलाडियो ने निराशाजनक करार दिया। इस ओलंपिक क्वालीफायर से शीर्ष तीन टीमो को ओलंपिक की टिकट मिली।

भारत के गुकेश संयुक्त रूप से शीर्ष पर मौजूद

विज्क आन जी (नीदरलैंड)। भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश सोमवार को यहां टाटा स्टील मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट के आठवें दौर में महिला विश्व चैंपियन चीन की जू वेनजुन से ड्रा के बाद संयुक्त बढ़त पर बने हुए है। गुकेश के नाम आठ मुकाबलो में से पांच अंक है। वह नीदरलैंड के अनीश गिरी के साथ तालिका में शीर्ष पर है। गिरी ने चीन के वेई ई के साथ ड्रा खेला। विदित गुजराती को स्लोवेनिया के एलेक्जेंडर डोनचेंको ने ड्रा पर रोका। वह हमवतन आर प्रज्ञानानंद के साथ 4.5 अंको के साथ संयुक्त तीसरे स्थान पर है।

गॉफ ने एंडरसन की प्रतिबद्धता की सराहना की

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर डेरेन गॉफ ने जेम्स एंडरसन की खेल के प्रति अटूट प्रतिबद्धता की प्रशंसा की है क्योंकि इस 41 वर्षीय तेज गेंदबाज ने भारत में पांच टेस्ट मैचों की कठिन श्रृंखला से पहले अपने रन-अप में बदलाव किया है। लगभग तीन दशकों में इंग्लैंड के लिए किसी विदेशी टेस्ट में खेलने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बनने जा रहे एंडरसन ने एक साक्षात्कार में कहा था कि वह गति और लय हासिल करने के लिए बेहतर रन-अप (गेंदबाज का गेंदबाजी के लिए दौड़कर आना) के साथ आ रहे है।

अल्कारेज ऑस्ट्रेलियाई ओपन के क्वार्टर फाइनल

● ज्वेरेव से होगी भिड़ंत

भाषा। मेलबर्न (ऑस्ट्रेलिया)

दूसरे वरीय कार्लोस अल्कारेज ने सीधे सेट में जीत के साथ सोमवार को यहां ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई जहां उनकी भिड़ंत ओलंपिक चैंपियन एलेक्जेंडर ज्वेरेव से होगी। बीस साल के विंबलडन चैंपियन अल्कारेज 2023 में चोट के कारण सत्र के इस पहले ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट में नहीं खेल पाए थे। दूसरे वरीय अल्कारेज ने प्री क्वार्टर फाइनल में मियोमिर केसमानोविच को दो घंटे से भी कम समय में 6-4, 6-4, 6-0 से हराया। ज्वेरेव ने एक अन्य प्री क्वार्टर फाइनल में 19वें नंबर के खिलाड़ी कैमरन नूरी को चार घंटे तक चले कड़े मुकाबले में 7-5, 3-6, 6-3, 4-6, 7-6 से हराया। दानिल मेदवेदेव भी क्वार्टर फाइनल में पहुंचने में सफल रहे जबकि डायना यास्त्रेमस्का और लिंडा नोसकोवा ने पहली बार किसी ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट के महिला एकल के अंतिम आठ में जगह बनाई। मेदवेदेव ने सोमवार को नुनो बोर्गेस को 6-3 7-6 5-7 6-। से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। अंतिम आठ के मुकाबले में उनकी भिड़ंत नौवें नंबर के ह्युबर्ट हुरकाज से होगी जिन्होंने फ्रांस के वाइल्ड कार्ड धारक आर्थर केजो को 7-6, 7-6, 6-4 से हराया। यास्त्रेमस्का ने महिला एकल में दो बार की चैंपियन विक्टोरिया अजारेंका को सीधे सेट में 7-6 6-4 से हराया जबकि 18वें नंबर की एलिना स्वितोलिना जब नोसकोवा से 0-3 से पीछे चल रहीं थी तो उन्होंने पीठ की चोट के कारण मुकाबले से हटने का फैसला किया। अजारेंका को पहले सेट में दो बार अपनी सर्विस पर सेट जीतने का मौका मिला और 6-5 के स्कोर पर उनके पास दो सेट प्वाइंट थे लेकिन वह इनका फायदा नहीं उठा सकीं। यूक्रेन की यास्त्रेमस्का ने इसके बाद 74 मिनट में पहला सेट जीता। दूसरे सेट में भी बेलारूस की अजारेंका 3-0 ने आगे थी लेकिन यास्त्रेमस्का ने अगले सात में से छह गेम जीतकर मैच अपने नाम किया।

बोपन्ना-एब्डेन की जोड़ी क्वार्टर फाइनल में

मेलबर्न। भारत के रोहन बोपन्ना और ऑस्ट्रेलिया के उनके जोड़ीदार मैथ्यू एब्डेन ने सोमवार को यहां नीदरलैंड के वेस्ली कूलहोफ और क्रोएशिया के निकोला मेकटिक की जोड़ी को सीधे सेटो मे हराकर ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष युगल क्वार्टर फाइनल मे जगह बनाई। भारत और ऑस्ट्रेलिया की दूसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी ने कूलहोफ और मेकटिक की दुनिया की पूर्व नंबर एक जोड़ी के खिलाफ 7-6 7-6 से जीत दर्ज की। बोपन्ना और एब्डेन की जोड़ी ने दोनो सेट मे शुरुआत मे ही सर्विस गंवाई लेकिन 14वी वरीय जोड़ी के खिलाफ वापसी करते हुए जीत दर्ज की। बोपन्ना और एब्डेन क्वार्टर फाइनल मे मैक्सिमो गोंजालेज और आंद्रेस मोलटेनी की अर्जेन्टीना की छठी वरीय जोड़ी से भिड़ेंगे। बोपन्ना की सर्विस ने शुरुआत मे उन्हे निराश किया। पहले सेट के दूसरे गेम मे उनकी सर्विस तोड़कर विरोधी जोड़ी ने 15 मिनट के भीतर 3-0 की बढ़त बना ली। हाल मे डेविस कप से संन्यास लेने वाले बोपन्ना ने हालांकि कुछ शानदार बैकहैंड के साथ वापसी करते हुए अंक जुटाए।

बीसीसीआई पुरस्कारों में गिल, शास्त्री को सम्मानित किया जाएगा

हैदराबाद। पूर्व भारतीय ऑलराउंडर और मुख्य कोच रवि शास्त्री को मंगलवार को यहां भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल को 12 महीने में शानदार प्रदर्शन करने के लिए साल के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर का पुरस्कार दिया जाएगा। इन 12 महीनों के दौरान वह एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय में सबसे तेज दो हजार रन बनाने वाले खिलाड़ी बने और इस प्रारूप में पांच शतक लगाए। बीसीसीआई अधिकारी ने कहा, उसे (शास्त्री) सम्मान (लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार) के लिए चुना गया जबकि गिल को साल के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर का पुरस्कार दिया जाएगा। बीसीसीआई पुरस्कार 2019 के बाद पहली बार दिए जा रहे हैं और गुरुवार से यहां शुरू हो रहे पहले टेस्ट से पूर्व भारत और इंग्लैंड दोनों टीमों के खिलाड़ियों के समारोह में मौजूद रहने की उम्मीद है। इकसठ साल के शास्त्री ने 80 टेस्ट और 150 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय में भारत का प्रतिनिधित्व किया।

इंग्लैंड श्रृंखला के दौरान टेस्ट टीम में खुद को स्थापित कर सकता है यशस्वीः गावस्कर

चेन्नई। महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर का मानना है कि युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल इंग्लैंड के खिलाफ स्वदेश में पांच मैच की आगामी टेस्ट श्रृंखला के दौरान भारतीय टेस्ट टीम मे अपनी जगह पक्की कर सकते है। पूर्व भारतीय कप्तान गावस्कर का मानना है कि यह 20 वर्षीय बल्लेबाज पिछली श्रृंखला मे दक्षिण अफ्रीका के कड़े और उछाले भरे विकेटों की तुलना मे भारतीय पिचों पर अपना खेल स्वच्छंद होकर खेल पाएगा। गावस्कर ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा, घरेलू पिचे अलग होंगी। अतिरिक्त उछाल के कारण दक्षिण अफ्रीका की पिचो पर खेलना मुश्किल था और यहां तक कि अनुभवी बल्लेबाज संघर्ष कर रहे थे जबकि यशस्वी तो युवा है। उन्होंने कहा, हालांकि उसने सेंचुरियन में जो रवैया दिखाया और यहां तक कि वेस्टइंडीज में, उसे देखते हुए माना जा रहा है कि भारतीय पिचो पर खेलते हुए अपनी जगह पक्की कर लेगा।

कुक को सफलता के लिए बैजबॉल पर भरोसा

लंदन। पूर्व कप्तान एलिस्टेयर कुक का मानना है कि पांच टेस्ट मैचों की कठिन श्रृंखला से पहले भारत में इंग्लैंड की मैच तैयारी की कमी एक समस्या हो सकती है लेकिन रोहित शर्मा की टीम को पछाड़ने के लिए उन्हे टीम के बैजबॉल (हर हाल में आक्रामक होकर खेलने की रणनीति)रवैए पर भरोसा है।कुक की अगुआई मे ही इंग्लैंड ने 2012 मे भारत के आखिरी टेस्ट श्रृंखला जीती थी। अबु धाबी की उपमहाद्वीप जैसी परिस्थितियों मे एक महीने के ट्रेनिंग शिविर का विकल्प चुनने के बाद बेन स्टोक्स और उनकी टीम गुरुवार से होने वाले शुरुआती टेस्ट से ठीक चार दिन पहले रविवार को हैदराबाद पहुंची।वर्ष 2012-13 की श्रृंखला मे भारत पर 2-। की जीत के दौरान 562 रन के साथ शीर्ष स्कोरर रहे कुक ने द संडे टाइम्स में अपने कॉलम में लिखा, इंग्लैंड के लिए मैच की तैयारी की कमी एक समस्या होगी। उन्होंने कहा, यह आधुनिक दौरे की प्रकृति है। जब हमने 2012 में भारत में जीत हासिल की थी तो हमने अच्छी टीमो के खिलाफ तीन अभ्यास मैच खेले थे।

भारतीय हॉकी टीम पेरिस ओलंपिक में पूल बी में

लुसाने (स्विट्जरलैंड)। एशियाई खेलो के चैंपियन और तोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता भारत को इस साल के पेरिस ओलंपिक खेलो मे पुरुष हॉकी प्रतियोगिता मे कठिन पूल बी मे रखा गया है। आठ बार के चैंपियन भारत ने तोक्यो में कांस्य पदक जीतकर ओलंपिक में 41 साल के पदक के सूखे को खत्म किया था। भारत के साथ पूल बी मे ओलंपिक चैंपियन और विश्व रैंकिंग मे दूसरे स्थान पर काबिज बेल्जियम, बेहद मजबूत ऑस्ट्रेलिया, रियो खेलो के स्वर्ण पदक विजेता अर्जेटीना, न्यूजीलैंड और आयरलैंड की टीमें है। भारत वर्तमान मे बेल्जियम और नीदरलैंड के बाद विश्व रैंकिंग मे तीसरे स्थान पर है। टीम के लिए तोक्यो ओलंपिक के रजत पदक विजेता ऑस्ट्रेलिया और अर्जेटीना को हराना मुश्किल साबित होगा। इस बीच, पूल ए मे नीदरलैंड, जर्मनी, ग्रेट ब्रिटेन, स्पेन, फ्रांस और दक्षिण अफ्रीका शामिल है।

वीजा मुद्दे के कारण अब तक भारत में टीम से नहीं जुड़े इंग्लैंड के युवा स्पिनर बशीर

हैदराबाद। कागजी कार्वाई मे विलंब के कारण इंग्लैंड के युवा स्पिनर शोएब बशीर को गुरुवार से भारत के खिलाफ शुरू हो रहे पांच मैचो की श्रृंखला के पहले टेस्ट से पूर्व यूएई में रुकने को बाध्य होना पड़ा है। बीस साल के बशीर को टेस्ट पदार्पण का इंतजार है। उनके माता-पिता पाकिस्तानी मूल के है। अबु धाबी मे इंग्लैंड के ट्रेनिंग शिविर के खत्म होने के बाद उन्हे वही रुकना पड़ा। ईएसपीएनक्रिकइंफो की खबर के अनुसार इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) से हाल मे क्रिकेट संचालन के प्रबंध निदेशक के रूप मे जुड़ने वाले स्टुअर्ट हूपर बशीर के साथ है। इस बीच इंग्लैंड की टेस्ट टीम के मुख्य कोच ब्रैंडन मैकुलम ने सूचित किया है कि ईसीबी ने यह मुद्दा भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) और भारत सरकार मे संबंधित अधिकारियो के साथ उठाया है और 24 घंटे के भीतर यह मुद्दा सुलझने की उम्मीद है।

मैक्सवेल के देर रात पार्टी करने के बाद अस्पताल में भर्ती होने की जांच कर रहा है सीए

मेलबर्न। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने स्टार ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल से जुड़ी घटना की जांच शुरू कर दी है जिन्हें पिछले हफ्ते एडीलेड मे देर रात पार्टी करने के बाद अस्पताल ले जाना पड़ा था। डेली टेलीग्राफ के अनुसार मैक्सवेल मदिरा पी रहे थे और ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज ब्रेट ली की मौजूदगी वाले बैंड सिक्स एंड आउट का कंसर्ट देख रहे थे जब उनकी तबीयत बिगड़ गई। सीए ने कहा है कि उसे मैक्सवेल से जुड़ी घटना की जानकारी है। इस ऑलराउंडर ने पिछले साल अक्टूबर-नवंबर मे भारत मे विश्व कप मे ऑस्ट्रेलिया की खिताबी जीत मे अहम भूमिका निभाई थी। ईएसपीएनक्रिकइंफो के अनुसार सीए ने बयान मे कहा, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया को सप्ताहांत एडीलेड मे ग्लेन मैक्सवेल से जुड़ी घटना की जानकारी है और आगे की सूचना मांगी जा रही है।

जुगाड़ का खेल से मिलेगी आगे बढ़ने की प्रेरणा

मुंबई। अमेज़ॅन की मुफ्त वीडियो स्ट्रीमिंग सेवा, ने आज अपने आने वाले उद्यमिता से भरे नाटक हसलर्स, जुगाड़ का खेल का ट्रेलर जारी किया। 2010 में मुंबई में स्टार्ट-अप बूम की पृष्ठभूमि पर आधारित, इस सीरीज़ ने संजय की प्रेरणादायक यात्रा को चित्रित किया हैए जो एक मध्यवर्गीय लड़का है, जो अपनी उद्यमिता की दृष्टिकोण और सरल संकल्प से स्टार्टअप की दुनिया को जीतता है। सच्ची कहानियों से प्रेरित इस सीरीज़ में कठिनाई, असफलता, उत्साह और जीत की खोज होती है। हसलर्स , जुगाड़ का खेल में विशाल वशिष्ठ, महर्षि दवे, अनुराग अरोड़ा, समीर कोचर और अंजलि बरोट मुख्य भूमिकाओं में है। इस घोषणा से चारों ओर उत्साह बढ़ाने के लिए स्ट्रीमिंग सेवा ने अपनी सीरीज़ का ट्रेलर जारी किया जो संजय की संघर्ष की एक झलक प्रदान करता है, जो सिस्टम के खिलाफ है और जिसमें कई रुकावटें हैं, और अंत में उसकी रचनात्मक और अनौपचारिक दृष्टिकोण उसे सफलता के सीढ़ियों पर चढ़ने में मदद करता है। दर्शकों को रोलर कोस्टर राइड पर ले जाते हुए, ट्रेलर इस बात पर गहराई से प्रकाश डालता ह,कि वह अपनी विशिष्ट पहचान बनाने और अपने करियर ग्राफको ऊपर उठाने के लिए कैसे काम करता है। सीरीज़ में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले समीर कोचर ने कहा कि सलर्स एक ऐसे व्यक्ति की कहानी है जो ज़मीन से शुरू करके अपने सपनों का पीछा करते हुए आगे बढ़ता है।

भारतीय डेविस कप टीम ने पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले के लिए तैयारी शुरू की

नई दिल्ली। भारतीय डेविस कप टीम ने पाकिस्तान के खिलाफ ग्रास कोर्ट पर खेले जाने वाले आगामी डेविस कप मुकाबले के लिए यहां कड़ाके की ठंड मे आयोजित शिविर में तैयारी शुरू कर दी है। इस तैयारी शिविर मे टीम का ध्यान अभ्यास के साथ दूसरे एकल मुकाबले को खेलने वाले खिलाड़ी को तय करने पर होगा। देश के शीर्ष एकल खिलाड़ी सुमित नागल (137वीं रैंकिंग) और शशिकुमार मुकुंद (463वीं रैंकिंग) ने इस्लामाबाद में तीन और चार फरवरी को होने वाले मुकाबले से अपना नाम वापस ले लिया है। उनकी अनुपस्थिति का मतलब है कि रामकुमार रामनाथन टीम मे एकमात्र एकल विशेषज्ञ खिलाड़ी हैं। कप्तान रोहित राजपाल को दूसरा एकल खेलने के लिए युकी भांबरी और एन श्रीराम बालाजी में से किसी एक को चुनना होगा।

बिहार और यूपी को 1-1 अंक बांटे गए

● केरल को शिकस्त देकर मुंबई ने लगातार तीसरी जीत दर्ज की

मेरठ। बिहार और उत्तर प्रदेश के बीच मेरठ में खेले गए मैच का भी ऐसा ही हश्र हुआ। बिहार के 260 रन के जवाब में उत्तर प्रदेश ने तीन विकेट पर 45 रन बनाए। दोनों टीमों को।-। अंक मिला। वहीं शम्स मुलानी और तनुष कोटियान की शानदार फिरकी गेंदबाजी से केरल की दूसरी पारी को महज 94 रन पर समेट कर मुंबई ने रणजी ट्रॉफी ग्रुप बी मैच में सोमवार को यहां 232 रन की बड़ी जीत दर्ज की। स्पिनरों की मददगार चौथे दिन की पिच पर मुलानी ने 16 ओवर में 44 रन देकर पांच विकेट झटके। कोटियान ने पांच ओवर में छह रन देकर दो विकेट लिए। जीत के लिए 327 रन का पीछा करते हुए केरल की टीम ने दिन की शुरुआत बिना किसी नुकसान के 24 रन से की थी। अनुभवी तेज गेंदबाज धवल कुलकर्णी (32 रन पर दो विकेट) ने जलज सक्सेना (16) को आउट कर दिन के पहले ओवर में केरल को बड़ा झटका दिया। उन्होंने फिर कृष्ण प्रसाद को चलता किया। इसके बाद स्पिनरों ने महज 27 ओवर में केरल की पारी को समेट दी। केरल के कप्तान संजू सैमसन 15 रन पर नाबाद रहे।

अब्दुल समद ने जम्मू-कश्मीर को पहली जीत दिलाई

कटक। अब्दुल समद के नाबाद 66 रन की मदद से जम्मू-कश्मीर ने सोमवार को यहां ओडिशा को दो विकेट से हराकर रणजी ट्रॉफी सत्र की पहली जीत दर्ज की। जम्मू-कश्मीर ने इससे पहले ग्रुप डी के अपने शुरुआती दो मैच दिल्ली और हिमाचल के खिलाफ ड्रॉ खेले थे। जम्मू-कश्मीर ने दिन की शुरुआत चार विकेट पर 72 रन से की। टीम को इस समय जीत के लिए 77 रन की दरकार थी ।

सेना को तीन अंक

नई दिल्ली। सेना ने झारखंड के खिलाफ सोमवार को यहां ड्रॉ समाप्त हुए रणजी ट्रॉफी ग्रुप ए मैच में पहली पारी की बढ़त के आधार पर तीन अंक हासिल किए। झारखंड के पहली पारी के 316 रन के जवाब में सेना ने चौथे और अंतिम दिन तीन विकेट पर 315 रन से आगे खेलते हुए आठ विकेट पर 473 रन बनाकर पहली पारी के आधार पर बड़ी बढ़त हासिल की।

भारतीय हॉकी टीम ने जीत से किया आगाज

चार देशों के हॉकी टूर्नामेंट में फ्रांस पर 4-0 की जीत

भाषा। केपटाउन

कप्तान हरमनप्रीत सिंह के दो गोल की मदद से भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने सोमवार को यहां फ्रांस को 4-0 से हराकर चार देशों के टूर्नामेंट में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की।भारतीय रक्षापंक्ति ने इस मैच में शानदार प्रदर्शन किया। फ्रांस की टीम भारतीय गोल पोस्ट पर अनुभवी पीआर श्रीजेश और कृष्ण बहादुर पाठक को चकमा देने में नाकाम रही।हरमनप्रीत (13वें, 26वें मिनट) ने दो पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला जबकि ललित उपाध्याय (42वें) और उप-कप्तान हार्दिक सिंह (49) भारत के लिए अन्य गोल करने वाले खिलाड़ी रहे।भारतीय कप्तान ने मैच के 13वें मिनट में अपने दमदार ड्रैग फ्लिक से फ्रांस के गोलकीपर को छकाकर भारत का खाता खोला। उन्होंने दूसरे क्वार्टर में एक और पेनल्टी को गोल में बदल कर टीम की बढ़त को दोगुना कर दिया। मध्यांतर के बाद छोर बदला लेकिन मैच पर भारतीय दबदबा जारी रहा। ललित ने पेनल्टी कॉर्नर में विविधता का इस्तेमाल करते हुए भारत को 3-0 से आगे कर दिया। मैच के आखिरी क्वार्टर में हार्दिक के मैदानी गोल से भारत ने 4-0 की बढ़त बनाकर मैच को फ्रांस की पहुंच से दूर कर दिया। एक सप्ताह तक चलने वाले इस टूर्नामेंट में भारत और फ्रांस के अलावा मेजबान दक्षिण अफ्रीका और नीदरलैंड की टीमें भाग ले रही है।

एशियाई कप में भारत के सामने सीरिया को हराने की चुनौती

अल खोर (कतर)। भारतीय टीम एएफसी एशियाई कप फुटबॉल के ग्रुप चरण में शुरुआती दो मैचों में हार का सामना करने के बाद मंगलवार को जब यहां सीरिया के खिलाफ मैदान में उतरेगी तो टूर्नामेंट के नॉकआउट चरण में जगह बनाने की अपनी धुंधली उम्मीदों को कायम रखने के लिए उसे इस मैच को जीतना होगा। ऑस्ट्रेलिया और उज्बेकिस्तान से क्रमशः 0-2 और 0-3 की हार का सामना करने वाली भारतीय टीम महाद्वीप की शीर्ष टीमों को टक्कर देने में नाकाम रही है। सीरिया के खिलाफ जीत सुनील छेत्री की अगुवाई वाली टीम को कुछ प्रतिष्ठा दिला सकती है। सीरिया वर्तमान में फीफा रैंकिंग में भारत (102वें पायदान) से 11 स्थान ऊपर 91वें स्थान पर है। कोच इगोर स्टिमक की टीम के लिए हालांकि जीत असंभव नहीं है क्योंकि उन्होंने अतीत में (2007, 2009 और 2012 के नेहरू कप टूर्नामेंट में) सीरिया पर

पेरिस ओलंपिक क्वालीफिकेशन के भारतीय मुक्केबाजी टीम में दीपक व निशांत शामिल

भाषा। नई दिल्ली

विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता दीपक भोरिया और निशांत देव को भारत की नौ सदस्ईय मुक्केबाजी टीम में जगह मिली है जो 29 फरवरी से 12 मार्च तक इटली के बुस्तो अरसिजियो में होने वाले पहले क्वालीफिकेशन टूर्नामेंट के साथ पेरिस ओलंपिक कोटा हासिल करने की कोशिश करेंगे। छह बार के एशियाई चैंपियनशिप के पदक विजेता शिव थापा (63.5 किग्रा) और 2022 राष्ट्रमंडल खेलों की कांस्य पदक विजेता जैस्मिन लंबोरिया (60 किग्रा) को भी भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) द्वारा सोमवार को घोषित भारतीय टीम में जगह मिली है। दीपक (51 किग्रा) ने बीएफआई की मूल्यांकन प्रक्रिया के तहत 2019 विश्व चैंपियनशिप के

रजत पदक विजेता अमित पंघाल को पछाड़कर टीम में जगह बनाई। दीपक और निशांत (71 किग्रा) के अलावा 2022 विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता मोहम्मद हुसामुद्दीन (57 किग्रा) की टीम में वापसी हुई है। हसामुद्दीन घुटने की चोट के कारण पिछले साल अधिकतर समय बाहर रहे। युवा महिला विश्व चैंपियन अंकुशिता बोरो (66 किग्रा), गत राष्ट्रीय चैंपियन लक्ष्य चाहर (80 किग्रा), संजीत कुमार (92 किग्रा), हांगझोउ एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता नरेंद्र बेरवाल (92 किग्रा से अधिक) को भी टीम में जगह दी गई है। समग्र मूल्यांकन प्रक्रिया के बाद इन खिलाड़ियों का चयन किया गया है। हाई परफोर्मेंस यूनिट ने विभिन्न प्रदर्शन मापदंडों पर मूल्यांकन किया। बीएफआई महासचिव हेमंत कलिता ने कहा, हमारा लक्ष्य पेरिस ओलंपिक खेलों में भारत के प्रतिनिधित्व को अधिकतम करना है और इसे हासिल करने के लिए हमने पहले विश्व क्वालीफिकेशन टूर्नामेंट के लिए विस्तृत और सतर्क चयन प्रक्रिया अपनाई है। हाई परफोर्मेंस टीम ने एक विस्तृत मूल्यांकन प्रक्रिया लागू की, मुक्केबाजों को अंक दिए और उच्चतम अंक हासिल करने वालों का चयन किया गया।

इंडोनेशिया मास्टर्स में भारतीय चुनौती की अगुआई करेंगे प्रणय

जकार्ता। स्टार एकल खिलाड़ी एचएस प्रणय मंगलवार से यहां शुरू हो रहे इंडोनेशिया मास्टर्स सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती की अगुआई करेंगे क्योंकि सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की दुनिया की दूसरे नंबर की पुरुष युगल जोड़ी टूर्नामेंट से हट गई है। लगातार दो टूर्नामेंट मलेशिया मास्टर्स 1000 और इंडिया ओपन 750 में उपविजेता रहने के बाद एशियाई खेलों की चैंपियन सात्विक और चिराग की जोड़ी ने व्यस्त कार्यक्रम को देखते हुए काम के बोझ को कम करने के लिए टूर्नामेंट से हटने का फैसला किया। भारतीय जोड़ी के हटने से टूर्नामेंट की चमक कुछ कम होगी लेकिन दुनिया के नौवें नंबर के खिलाड़ी प्रणय अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखते हुए भारतीय चुनौती की अगुआई करेंगे।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा 100के, मिलाप भवन, 8/ए, बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। प्रधान संपादक : शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादकः प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879900।